

भारत का राजपत्र The Gazette of India



असाधारण

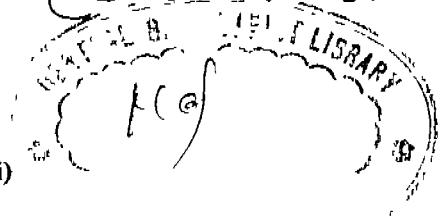
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 251]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 18, 2001/वैशाख 28, 1923

No. 251]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 18, 2001/VAISAKHA 28, 1923

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मई, 2001

सा. का. नि. 372(अ).—कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिन्हें केन्द्रीय सरकार माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 87 की उपधारा (2) के साथ पठित उसकी उपधारा (1) और साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22 और धारा 24 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्ताव करती है, माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 87 की उक्त उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसको उस भारत के राजपत्र की, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की गई है, प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, तीस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राप्त किसी आक्षेप या सुझाव पर विचार करेगी।

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, सचिव, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग), भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को भेजे जा सकेंगे।

प्रारूप नियम

भाग 1

अध्याय 1

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण), नियम, 2001 है।

(2) ये उस तारीख को प्रवृत्त होंगे जिसको अधिनियम प्रवृत्त होगा।

इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) "अधिनियम" से माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 (1999 का 41) अभिप्रेत है;
- (ख) "अधिकर्ता" से धारा 76 के अधीन प्राधिकृत व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (ग) "भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन" के अंतर्गत उसमें अंतर्निहित माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन भी है;
- (घ) "भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय" से नियम 4 में यथाविनिर्दिष्ट भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का सुसंगत कार्यालय अभिप्रेत है;
- (ङ) "कारबार" के अंतर्गत उस माल का जिससे भौगोलिक उपदर्शन संबंधित है, यथास्थिति, व्यापार, व्यवहार, उत्पादन, समायोजन, बनाना या विनिर्माण करना भी है;
- (च) "वर्ग फीस" से पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 1 में विहित फीस अभिप्रेत है;
- (छ) "अभिसमय देश" से धारा 84 की उपधारा (1) के अधीन उस रूप में अधिसूचित देश अभिप्रेत है;
- (ज) "अभिसमय आवेदन" से धारा 84 के आधार पर भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किया गया आवेदन अभिप्रेत है;
- (झ) "विभाजन आवेदन" से अभिप्रेत है,—
 - (1) किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की बाबत किसी वर्ग में माल का विभाजन, या
 - (II) विभिन्न वर्ग के माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आरंभिक आवेदन के विभाजन द्वारा किया गया विभाजित आवेदन;
- (ञ) "विभाजन फीस" से पहली अनुसूची में इस प्रकार विहित फीस अभिप्रेत है;
- (ट) "प्ररूप" से दूसरी या तीसरी अनुसूची में वर्णित प्ररूप अभिप्रेत है;
- (ठ) "आलेखी समाकृति" से कागज रूप में माल के भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति अभिप्रेत है;
- (ड) "जर्नल" से भौगोलिक उपदर्शन जर्नल अभिप्रेत है;
- (ढ) "अधिसूचित तारीख" से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको नियम प्रवृत्त होंगे;
- (ण) "विरोध" के अंतर्गत यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का विरोध है;
- (त) "भारत में कारबार का मुख्य स्थान" से नियम 3 में यथा विनिर्दिष्ट भारत में सुसंगत स्थान अभिप्रेत है;
- (थ) "प्रकाशन" से भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में प्रकाशन अभिप्रेत है;
- (द) "रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता" से ऐसा भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता अभिप्रेत है जिसका नाम नियम 102 के अधीन रखे गए भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता रजिस्टर में वास्तव में दर्ज है;
- (ध) "नवीकरण" से अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत है यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा भौगोलिक उपदर्शन का नवीकरण;
- (न) "अनुसूची" से नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है;
- (प) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;
- (फ) "विनिर्देश" से उस माल का नामनिर्देशन अभिप्रेत है जिसकी बाबत भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रीकृत किया जाता है या रजिस्ट्रीकरण करने का प्रस्ताव है;
- (ब्र) उन अन्य सभी शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं और अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

(2) इन नियम के प्रति निर्देश इन नियमों में उस नियम के प्रति निर्देश है, अनुसूची के प्रति निर्देश इन नियमों की उस अनुसूची के प्रति निर्देश है और किसी प्ररूप के प्रति निर्देश, यथास्थिति, दूसरी या तीसरी अनुसूची में वर्णित उस प्ररूप के प्रति निर्देश है।

(3) भारत में कारबार का मुख्य स्थान :— भारत में कारबार के मुख्य स्थान से अभिप्रेत है,—

- (1) जहां कोई व्यक्ति किसी भौगोलिक उपदर्शन से सम्बद्ध माल का कारबार करता है,
- (क) यदि कारबार भारत में केवल एक ही स्थान पर किया जाता है वहां वह स्थान;
- (ख) यदि कारबार भारत में एक से अधिक स्थानों पर किया जाता है वहां उसके द्वारा भारत में कारबार के मुख्य स्थान के रूप में वर्णित स्थान;
- (11) जहां कोई व्यक्ति भौगोलिक उपदर्शन से सम्बद्ध माल का कारबार नहीं कर रहा है वहां—
- (क) यदि वह भारत में केवल एक स्थान पर कोई अन्य कारबार कर रहा है तो वह स्थान;
- (ख) यदि वह भारत में एक से अधिक स्थानों पर कोई अन्य कारबार कर रहा है तो उसके द्वारा भारत में कारबार के मुख्य स्थान के रूप में वर्णित स्थान; और
- (111) जहां कोई व्यक्ति भारत में कोई कारबार नहीं करता है किन्तु भारत में उसका निवास स्थान है वहां भारत में ऐसा निवास स्थान।

4. (1) भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय :—

धारा 11 (1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए या धारा 17(1) के अधीन प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए या आवेदन करने यथास्थिति, धारा 14 की उपधारा (1) या धारा 17 की उपधारा (3) (ड) के अधीन विरोध की सूचना देने के लिए अथवा धारा 27 के अधीन परिशोधन के लिए आवेदन फाइल करने के लिए अथवा अधिनियम और नियमों के अधीन किसी अन्य कार्यवाही के प्रयोजनों के लिए "भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय"—

ऐसे भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में जिसके रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदन अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् किया जाता है, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का वह कार्यालय होगा जिसकी क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर—

- (1) आवेदक का भारत में कारबार का मुख्य स्थान जो उसके आवेदन में प्रकट किया गया है या व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम की दशा में ऐसे आवेदक का भारत में कारबार का मुख्य स्थान जिसका नाम आवेदन में पहले इस रूप में वर्णित है कि उसका कारबार का ऐसा स्थान स्थित है;
- (11) जहां, यथास्थिति, न तो आवेदक का और न व्यक्तियों या उत्पादकों के किसी संगम का भारत में कारबार का मुख्य स्थान है वहां आवेदन में यथाविनिर्दिष्ट भारत में तामील के लिए पत्र में वर्णित स्थान स्थित है।
- (2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, अधिनियम या नियमों द्वारा भेजे जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या संदत किए जाने के लिए प्राधिकृत या अपेक्षित सभी आवेदन, संसूचनाएं, दस्तावेज या फीम आरंभ में केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित रजिस्ट्री के प्रधान कार्यालय को और बाद में उस समुचित कार्यालय को भेजी या पर संदत की जाएगी या समयानुसार अधिसूचित किया जाए।

5. कारबार के मुख्य स्थान या तामील के लिए पते में परिवर्तन से समुचित कार्यालय की अधिकारिता में परिवर्तन नहीं होगा— ऐसे किसी भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में, जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् किया जाता है, रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक या व्यक्तियों अथवा उत्पादकों के किसी संगम के यथास्थिति भारत में कारबार का मुख्य स्थान या भारत में तामील के लिए पते में उस तारीख के पश्चात् किए गए किसी परिवर्तन से भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय की अधिकारिता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6 रजिस्टर में समुचित कार्यालय की प्रविष्टि—नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन रहते हुए, अधिसूचित तारीख के पश्चात् रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक भौगोलिक उपदर्शन की बाबत रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय की रजिस्टर में प्रविष्टि कराना और रजिस्ट्रार, किसी भी समय, इस प्रकार की गई प्रविष्टि में किसी त्रुटि को सही कर सकता है।

7 दस्तावेजों आदि को छोड़ना— नियम 4 के उपनियम (2) में जैसा अन्यथा उपबंधित है उसके विवाध, अधिनियम या नियमों द्वारा भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री को किए जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या भेजे जाने अथवा उस पर संदत किए

कार्यालय को किए जाएंगे, तामील किए जाएंगे, छोड़े जाएंगे या भेजे जाएंगे अथवा उस पर संदत्त की जाएगी।

8 दस्तावेज आदि जो ऐसे कार्यालय में फाइल की गयी या छोड़ी गई है जो समुचित कार्यालय नहीं है—नियम 7 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, ऐसी आपवादिक दशा में जहां अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित कोई आवेदन, कथन या अन्य दस्तावेज या कोई फीस अनवधानता से किसी ऐसे कार्यालय को या पर किया जाता है, छोड़ा जाता है, भेजा जाता है या संदत्त की जाती है जो भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय नहीं है और जब भी नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा इस अधिनियम के अधीन ऐसा कोई कार्यालय अधिसूचित किया जाता है तब रजिस्ट्रार लिखित अनुरोध पर ऐसे आवेदन, कथन या दस्तावेज को समुचित कार्यालय को लौटा सकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसे मामलों में आवेदक की ओर से वह सद्भावपूर्वक भूल थी :

परन्तु उस अवधि को जिस तक ऐसा आवेदन या कथन या दस्तावेज ऐसे कार्यालय द्वारा प्रतिधारित किया जाता है जो समुचित कार्यालय नहीं है, परिमिता की अवधि की संगणना करने के प्रयोजन के लिए अपवर्जित किया जाएगा जहां ऐसा कोई आवेदन, कथन या दस्तावेज विहित अवधि के भीतर पेश किया जाना अपेक्षित है :

परन्तु रजिस्ट्रार ऐसे किसी अनुरोध को नामंजूर करने से पूर्व सुने जाने का अवसर प्रदान करेगा।

9. सूचनाओं आदि का जारी किया जाना—नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन रहते हुए, इस अधिनियम या नियमों के अधीन किसी आवेदन, विषय या कार्यवाही से संबंधित कोई सूचना या संसूचना सामान्यतः भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय से जारी की जाएगी किन्तु इसके अलावा भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के किसी कार्यालय से भी जारी की जा सकेगी।

10. फीस—(1) अधिनियम या नियमों के अधीन आवेदनों, विरोधों, रजिस्ट्रीकरण, नवीकरण या किन्हीं अन्य विषयों की बाबत संदत्त की जाने वाली फीसों वे होंगी जो पहली अनुसूची में वर्णित हैं जिन्हें इसमें इसके पश्चात् विहित फीसों कहा गया है।

(2) जहां किसी विषय की बाबत नियमों के अधीन किसी फीस का संदत्त किया जाना अपेक्षित है वहां उसके लिए प्ररूप या आवेदन या अनुरोध याचिका के साथ विहित फीस दी जाएगी।

(3) फीस या तो नकद संदत्त की जा सकेगी या भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार को सम्बोधित मनीआर्डर द्वारा या उसके स्थान पर जहां भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय स्थित है, किसी अनुसूचित बैंक द्वारा पुरोधृत बैंक ड्राफ्ट या उस द्वारा दिए गए बैंक द्वारा भेजी जा सकेगी और यदि डाक द्वारा भेजी गई है तो वह उस समय संदत्त की गई समझी जाएगी जब मनीआर्डर या समुचित रूप से सम्बोधित बैंक ड्राफ्ट या बैंक डाक के मामूली अनुक्रम में परिदत्त किया जाता है।

(4) बैंक ड्राफ्ट और बैंक क्रास किए जाएंगे और भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय में रजिस्ट्रार को संदेय होंगे तथा वे उस स्थान पर जहां भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय स्थित है, अनुसूचित बैंक द्वारा जारी किए जाएंगे।

(5) जहां दस्तावेज फाइल किए जाने की बाबत फीस संदेय है और या तो दस्तावेज बिना फीस के फाइल किया जाता है या अपर्याप्त फीस के साथ फाइल किया जाता है वहां ऐसा दस्तावेज नियमों के अधीन किसी कार्यवाही के प्रयोजन हेतु फाइल न किया गया समझा जाएगा।

(6) जहां रजिस्ट्रार किसी पक्षकार द्वारा संदत्त किसी फीस को वापस किए जाने का अधिनियम या नियमों के किसी उपबंधों के अधीन आदेश करता है वहां रकम मनीआर्डर द्वारा प्रतिदाय की जा सकेगी और उस दशा में मनीआर्डर का कमीशन ऐसी रकम से काट लिया जाएगा।

(7) रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में अधिसूचना के पश्चात्, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो उस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाएं, इलेक्ट्रॉनिक फीस अंतरण सुविधाएं उपलब्ध करा सकेगा।

11. प्ररूप—(1) दूसरी और तीसरी अनुसूची में वर्णित प्ररूप उन सभी दशाओं में प्रयोग किए जाएंगे जिनमें वे लागू होते हैं और अन्य दशाओं से निपटने के लिए उनमें रजिस्ट्रार द्वारा यथानिर्देशित उपांतरण किए जा सकेंगे।

(2) जब कोई भी प्ररूप भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय में फाइल किया जाए तब उसके साथ विहित फीस देनी होगी।

(3) अनुसूची में यथावर्णित किसी प्ररूप का उपयोग करने के लिए इस अधिनियम के अधीन किसी अपेक्षा की पूर्ति उपयोगकर्ता द्वारा या तो उस प्ररूप की प्रतिकृति द्वारा की जाएगी या उस प्ररूप द्वारा जो रजिस्ट्रार द्वारा स्वीकार्य है और उसमें अनुसूची में यथावर्णित प्ररूप द्वारा अपेक्षित जानकारी अंतर्विष्ट है और ऐसे प्ररूप के उपयोग के बारे में किसी निदेश का पालन करता है।

(4) रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में अधिसूचना के पश्चात्, ऐसे प्ररूपों को विनिर्दिष्ट कर सकेगा जो मशीन में पठनीय प्ररूप में प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित हैं। उसके पश्चात् ऐसे प्ररूप ऐसी रीति से पूरे किए जाएंगे जो कंप्यूटर में स्वइन्पुट की अंतर्वस्तु को अनुशात करने के लिए विनिर्दिष्ट की जाए जैसे करेक्टर रिकागनिशन या स्केनिंग द्वारा।

12. **दस्तावेजों का आकार आदि.**—(1) ऐसे किसी अन्य निदेशों के अधीन रहते हुए जो रजिस्ट्रार द्वारा दिए जा सकेंगे भौगोलिक उपदर्शन के सिवाए, अधिनियम या नियमों द्वारा भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री को किए जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या भेजे जाने के लिए अपेक्षित सभी आवेदन, सूचनाएं, कथन या अन्य दस्तावेज मजबूत कागज पर और शपथपत्रों की दशा में के सिवाय लगभग 33 सें. मी. × 20 सें. मी. के आकार पर केवल एक तरफ हिन्दी या अंग्रेजी में बड़े और सुपाठ्य अक्षरों में गहरी और अमिट स्याही में लिखे होंगे, टंकित होंगे या लिथोग्राफ किए होंगे और इसके बाएं हाथ पर 4 सें. मी. से अन्यून हाशिया होगा।

(2) यदि रजिस्ट्रार द्वारा किसी भी समय ऐसी अपेक्षा की जाये तो भौगोलिक उपदर्शन की प्रतियों सहित दस्तावेजों की दूसरी प्रतियां भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में फाइल की जायेंगी।

(3) रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में अधिसूचना के पश्चात्, नियमों के अधीन अपेक्षित सभी आवेदनों, सूचनाओं, कथनों या अन्य दस्तावेजों और प्ररूपों के आकार को, मशीन में पठनीय रूप को अनुरूप बनाने के लिए परिवर्तित कर सकेगा।

(4) रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में अधिसूचना के पश्चात् आवेदनों, कथनों, सूचनाओं या अन्य दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों द्वारा, उन दशाओं के अधीन रहते हुए, फाइल किए जाने को अनुज्ञात कर सकेगा जिन्हें वह या तो साधारणतः या जर्नल में प्रकाशित सूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे या किसी विशिष्ट मामले में ऐसे व्यक्तियों को लिखित सूचना द्वारा विनिर्दिष्ट कर सकेगा जो ऐसे साधनों द्वारा ऐसा कोई दस्तावेज फाइल करना चाहते हैं।

13. **दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना.**—(1) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए ऐसे आवेदन पर जो व्यक्तियों या उत्पादकों के किसी संगम द्वारा फाइल किए जाने के लिए तात्पर्यित है, ऐसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए उक्त संगम के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित निगमित निकाय या किसी संगठन या किसी प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के लिए तात्पर्यित दस्तावेज पर ऐसे संगठन के मुख्य कार्यपालक या प्रबंध निदेशक या सचिव अथवा अन्य मुख्य अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे। भागीदारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के लिए तात्पर्यित किसी दस्तावेज पर कम से कम एक भागीदार द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे। किसी व्यक्ति ने व्यक्तियों के किसी संगम या निगमित निकाय की ओर से दस्तावेज पर जिस हैसियत में हस्ताक्षर किए हैं वह उसके हस्ताक्षर के नीचे लिखी जाएगी।

(2) किसी आवेदन और किन्हीं अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षरों के साथ अंग्रेजी या हिन्दी में और स्पष्ट अक्षरों में हस्ताक्षरकर्ता का नाम भी दिया जाएगा।

14. **दस्तावेजों की तामील.**—(1) सभी आवेदन, सूचनाएं कथन अपने अध्यावेदनों सहित कागज या अन्य दस्तावेज जिनकी बाबत यह बात अधिनियम या बनाए जाने वाले नियमों के अधीन प्राधिकृत या अपेक्षित हैं कि वे भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री या रजिस्ट्रार या किसी अन्य व्यक्ति को किया जाए, पर तामील की जाए या छोड़े जाएं या भेजे जाएं, पूर्व संदत्त पत्र द्वारा डाक से भेजे जा सकेंगे।

(2) इस भांति भेजे गए किसी आवेदन या किसी दस्तावेज की बाबत यह समझा जाएगा कि वह उस समय दिया गया, तामील किया गया, छोड़ा गया या भेजा गया था जब वह भिदूठी जिसके साथ वे हैं, डाक के मामूली अनुक्रम में परिदत्त की गई होती।

(3) यह बात कि वह ऐसे भेजा गया है सिद्ध करने के लिए केवल यही सिद्ध करना पर्याप्त होगा कि पत्र पर ठीक पता लिखकर डाक में डाल दिया गया था।

15. **आवेदकों और अन्य व्यक्तियों के पते आदि में अन्य विशिष्टियां.**—(1) व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम, प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं और अन्य व्यक्तियों के नाम और पते पूरे दिए जाएंगे जिनके साथ उनकी राष्ट्रिकता आजीविका और ऐसी अन्य विशिष्टियां होंगी जो उनकी पहचान के लिए आवश्यक हों।

(2) निगमित निकाय की दशा में उसके निदेशक बोर्ड के पूरे नाम और राष्ट्रिकता का कथन किया जाएगा।

(3) ऐसे विदेशी आवेदकों और व्यक्तियों की दशा में जिनका भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान नहीं है, उनके अपने देश वाले पते भी भारत में तामील के लिए उनके पतों के अतिरिक्त दिए जाएंगे।

(4) तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित निगमित निकाय, किसी संगठन या प्राधिकारी की दशा में, यथास्थिति, निगमन का देश या रजिस्ट्रीकरण की प्रकृति, यदि कोई हो, दी जाएगी।

16. **आवेदन में भारत में कारबार के मुख्य स्थान का कथन.**—(1) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन में आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के भारत में कारबार के मुख्य स्थान का, यदि कोई है अथवा, व्यक्तियों या माल के उत्पादकों के संगम की दशा में उनके जिनका भारत में कारबार का मुख्य स्थान है, कारबार के मुख्य स्थान का कथन किया जाएगा।

(2) नियम 17, 18 और 20 के उपबंधों के अधीन रहते हुए किसी आवेदक या उसके अभिकर्ता या किसी प्राधिकृत उपयोगकर्ता या उसके अभिकर्ता अथवा व्यक्तियों के संगम की दशा में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के संबंध में किसी मामले में कार्य करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति या उसके अभिकर्ता को आवेदन में उसके द्वारा दिए गए भारत में कारबार के उसके मुख्य स्थान के पते पर भेजी गई प्रत्येक लिखित संसूचना के बारे में यह समझा जाएगा कि उस पर सही पता लिखा है।

17. तामील के लिए पता.—(1) निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा भारत में तामील के लिए पता—

- (क) भौगोलिक उपदर्शन या भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक ऐसे आवेदक द्वारा जिसका भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान नहीं है;
- (ख) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम की दशा में, यदि उनमें से किसी का भारत में कारबार का मुख्य स्थान नहीं है;
- (ग) भौगोलिक उपदर्शन के लिए ऐसे आवेदक द्वारा जिसका रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने की तारीख को भारत में कारबार मुख्य स्थान किन्तु बाद में उसका ऐसा कोई स्थान नहीं रहा है; और
- (घ) अधिनियम या नियमों के अधीन किसी कार्यवाही में प्रत्येक आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा और विरोध की सूचना फाइल करने के लिए प्रत्येक ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसके कारबार का भारत में मुख्य स्थान नहीं है;
- (ङ) ऐसे प्रत्येक व्यक्ति द्वारा जिसे नियम 67 के अधीन मद्यक्षेप करने की इजाजत दी गई है (मद्यक्षेपी);
- (च) रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के; प्रत्येक स्वतःधारी द्वारा जो रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के विधिमाम्यकरण या परिशोधन के लिए रजिस्ट्रार को किए गए किसी आवेदन की विषय-वस्तु है।

(2) किसी व्यक्ति को उसके द्वारा दिए गए पूर्वोक्त रूप में भारत में तामील के लिए किसी पते पर संबोधित कोई लिखित संसूचना समुचित रूप से संबोधित समझी जाएगी।

(3) जब तक कि उप नियम (1) में अपेक्षित भारत में तामील के लिए पता नहीं दिया जाता तब तक रजिस्ट्रार कोई ऐसी सूचना जो अधिनियम या नियमों द्वारा अपेक्षित हो भेजने के लिए बाध्य नहीं होगा और कार्यवाहियों में का कोई पश्चातवर्ती आदेश या विनिश्चय सूचना की किसी कमी या तामील न होने के आधार पर प्रश्नगत नहीं किया जाएगा।

18. आवेदन और विरोध कार्यवाहियों की तामील के लिए पता.—(1) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन या विरोध की सूचना फाइल करने वाला विरोधी इस बात के होते हुए भी कि उसका भारत में कारबार का मुख्य स्थान है उस दशा में जिसमें ऐसा करने की उसकी इच्छा है, रजिस्ट्रार को भारत में का ऐसा पता दे सकेगा जिस पर ही आवेदन या विरोध संबंधी कार्यवाहियों के संबंध में सूचना भेजी जा सकेगी। जब तक कि आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता या विरोधी का ऐसा पता बाद में रद्द नहीं किया जाता तब तक वह यथास्थिति आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता या विरोधी का वास्तविक पता होगा और आवेदन या विरोध की सूचना संबंधी सभी संसूचनाओं और दस्तावेजों की तामील उन्हें, यथास्थिति, आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता या विरोधी के ऐसे पते पर छोड़कर या डाक द्वारा भेज कर की जा सकेगी।

19. तामील के लिए पते का उपलब्ध न होना.—(1) रजिस्ट्रार को जब कभी रजिस्टर में प्रविष्ट भारत में तामील के लिए पते की लगातार उपलब्धता के संबंध में कोई शंका उद्भूत हो जाती है, उस व्यक्ति से जिसके निमित्त यह रजिस्टर में प्रविष्ट किया गया है, रजिस्टर में प्रविष्ट किसी अन्य पते पर भेजे गए पत्र द्वारा अथवा यदि रजिस्टर में कोई ऐसा पता प्रविष्ट नहीं किया गया है तो उस पते पर जिसकी बाबत रजिस्ट्रार का यह विचार है कि उस पते से पत्र ऐसे व्यक्ति को मिल जाएगा या प्रार्थना करेगा कि वह भारत में तामील के लिए पते की पुष्टि करे और यदि ऐसे प्रार्थना करने के दो मास के भीतर ऐसी पुष्टि रजिस्ट्रार को प्राप्त न हो तो वह भारत में तामील के लिए पते विषयक जो प्रविष्टि रजिस्ट्रार में है, उसे काट सकेगा और ऐसे व्यक्ति से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह व्यक्ति भारत में तामील के लिए नया पता या भारत में कारबार के मुख्य स्थान का, यदि उस समय उसका कोई है, अपना पता दे।

20. अभिकरण.—(1) अभिकर्ता को जो प्राधिकार धारा 76 के प्रयोजनों के लिए दिया जाना है, वह प्ररूप भौ उ. 43 में या ऐसे अन्य लिखित रूप में निष्पादित किया जाएगा जैसा रजिस्ट्रार पर्याप्त और ठीक समझे।

(2) ऐसे प्राधिकार की दशा में, कार्यवाहियों या विषय से संबंधित किसी दस्तावेज की अभिकर्ता पर तामील की बाबत यह समझा जाएगा कि वह उसे ऐसे प्राधिकृत करने के लिए व्यक्ति पर तामील है। कार्यवाही या विषय से संबंधित सभी संसूचनाएं जिनकी बाबत यह निर्दिष्ट है कि वे ऐसे व्यक्ति को भेजी जाएं ऐसे अभिकर्ता को संबोधित हो सकेगा और रजिस्ट्रार के सम्मुख तत्संबद्ध सब उपसंज्ञातीय ऐसे अभिकर्ता द्वारा या उसके माध्यम द्वारा की जा सकेगी।

(3) रजिस्ट्रार किसी आवेदक विरोधी, स्वतः धारी, प्राधिकृत अभिकर्ता या अन्य व्यक्ति के निजी हस्ताक्षर या वैयक्तिक उपस्थिति की अपेक्षा किसी विशिष्ट दशा में कर सकेगा।

21. माल का वर्गीकरण.—(1) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिए माल को चौथी अनुसूची में उल्लिखित उस रीति में वर्गीकृत किया जाएगा।

(2) चौथी अनुसूची में वर्णित माल केवल ऐसे साधनों का उपबंध करता है जिनके द्वारा अंकित अंतर्राष्ट्रीय वर्गों की साधारण अंतर्वस्तु को शीघ्र पहचाना जा सके। वे प्रत्येक वर्ग की मुख्य अंतर्वस्तु के तदरूप हैं और माल के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण के अनुसार निःशेषित किए जाने के लिए आशयित नहीं हैं। विशिष्ट माल के वर्गीकरण का अवधारण करने के लिए और अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण की अंतर्वस्तु के पूरे प्रकटन के लिए धारा 8 की उपधारा (3) के अधीन रजिस्ट्रार द्वारा प्रकाशित माल के वर्णानुक्रम में अनुक्रमणिका, यदि कोई हो, के प्रति निर्देश किया जा सकेगा या विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा प्रकाशित व्यापार चिन्हों के रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिए माल के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण के चालू संस्करण अथवा किसी पश्चातवर्ती संस्करण जो उपलब्ध हो, के प्रति निर्देश दिया जा सकेगा।

(3) जहां एक से अधिक वर्ग का माल आवेदन में वर्णित है जिसके लिए केवल एक आवेदन फीस का संदाय किया गया है वहां रजिस्ट्रार आवेदक से माल को एकल वर्ग तक निर्बंधित करने के लिए आवेदन का संशोधन करने की अपेक्षा करेगा।

22. तलाशी के लिए रजिस्ट्रार से निवेदन.—कोई व्यक्ति रजिस्ट्रार से प्ररूप भौ. उ. 16 में यह निवेदन कर सकेगा कि रजिस्ट्रार चौथी अनुसूची के किसी एक वर्ग में रखे गए विनिर्दिष्ट माल की बाबत यह अभिनिश्चित करने के लिए तलाशी कराए कि कोई भौगोलिक उपदर्शन अभिलेख में दर्ज है जो उसे व्यापार चिन्ह के सदृश्य है जिसकी दो समाकृतियां प्ररूप के साथ हैं। रजिस्ट्रार ऐसे तलाशी कराएगा और ऐसी तलाशी के परिणाम को आवेदक को सूचित करेगा।

भाग-2

भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रक्रिया

23. आवेदन का प्ररूप और हस्ताक्षरण.—(1) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन विहित प्ररूप में किया जाएगा और उस पर आवेदक या उसके अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे तथा पक्षकथन की तीन प्रतियों के साथ तीन प्रति में किया जाएगा।

(2) किसी एक वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए भौगोलिक उपदर्शन को रजिस्ट्रार करने के लिए आवेदन प्ररूप भौ. उ. 1 में किया जाएगा।

(3) किसी अभिसमय देश से किसी एक वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए धारा 84(1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन को रजिस्ट्रार करने के लिए आवेदन प्ररूप भौ. उ.—2 में किया जाएगा।

(4) धारा 84(1) के अधीन अभिसमय देश से माल के विभिन्न वर्गों के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन प्ररूप भौ. उ.—4 में किया जाएगा।

(5) माल के विभिन्न वर्गों के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन प्ररूप भौ. उ.—3 में किया जाएगा।

(6) माल के भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन निम्नलिखित शर्तों को पूरा करेगा :—

(क) भौगोलिक उपदर्शन पर्याप्त रूप से स्पष्टतः परिभाषित किया जाएगा जिससे भौगोलिक उपदर्शन के उल्लंघन के संबंध में अनुतोप प्राप्त करने का अधिकार अवधारित किया जा सके;

(ख) ग्राफीय समाकृति उसके संबंध में नमूने की आवश्यकता के बिना भौगोलिक उपदर्शन का स्थान लेने में समर्थ होनी चाहिए;

(ग) यह युक्तियुक्त रूप से व्यवहारिक होना चाहिए कि रजिस्ट्रार का निरीक्षण करने वाले या भौगोलिक उपदर्शन जर्नल पढ़ने वाले ग्राफीय समाकृति से इस बारे में समझ सकें कि भौगोलिक उपदर्शन क्या है ;

(घ) त्रि-विमतीय भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर उस रूप में तब तक कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक कि रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में उस आशय का कथन न हो ;

(ङ) जहां रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में भौगोलिक उपदर्शन के एक हत्व के रूप में रंग समुच्चय का दावा किया जाता है वहां उस पर तब तक कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक आवेदन में उस आशय का कथन न हो और रंगों को विनिर्दिष्ट न किया गया हो।

(7) धारा 15 के परंतुक के अधीन आवेदन को विभाजित करने के लिए संशोधन प्ररूप भौ. उ.—29 में किया जाएगा।

(8) प्रत्येक आवेदन यथास्थिति, माल के वर्ग या वर्गों के, केवल एक भौगोलिक उपदर्शन की बाबत होगा।

(9) रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन के अधिक संक्षिप्त विवरण की अपेक्षा कर सकेगा यदि वह रंग समुच्चय त्रि-विमतीय भौगोलिक उपदर्शन, डिजाइन के संबंध में है जो माल या पैकेज के भौगोलिक उपदर्शन में सारभूत अधिकारों के मानांकन के लिए एक निश्चित संकल्पना या आकृति के प्रतीक है।

(10) जहां आवेदक एक या अधिक वर्गों के लिए एकल आवेदन फाइल करता है और रजिस्ट्रार यह अवधारण करता है कि वह माल जिसके लिए आवेदन किया गया है, उन वर्गों के अतिरिक्त जिनके लिए आवेदन किया गया है, किसी वर्ग या वर्गों में आता है वहां आवेदक माल के निर्दिष्ट वर्ग तक निर्बंधित रख सकेगा या समुचित वर्ग फीस और विभाजन फीस के संदाय पर अतिरिक्त वर्ग या वर्गों को जोड़ने के लिए आवेदन का संशोधन कर सकेगा। विभाजन के माध्यम से सृजित नया वर्ग मूल आवेदन फाइल करने की तारीख के फायदे को कायम रखता है या किसी अभिसमय देश से आवेदन की दशा में, धारा 84 की उपधारा (1) के अधीन अभिसमय आवेदन की तारीख उसी दावे को उपलब्ध कराता है जो मूल आवेदन में उचित रूप से प्रकथित किया गया था।

24. अभिसमय ठहराव के अधीन आवेदन.—(1) जहां किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन धारा 84 के अधीन किसी अभिसमय देश से आवेदक द्वारा फाइल किया जाता है वहां अभिसमय देश के भौगोलिक उपदर्शन कार्यालय की रजिस्ट्री या सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणपत्र, यथास्थिति, नियम 23 के उपनियम (3) या उपनियम (4) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में सम्मिलित किया जाएगा और इसमें भौगोलिक उपदर्शन, उक्त देश और अभिसमय देश में प्रथम आवेदन फाइल करने की तारीख या तारीखों की विशिष्टियां और रजिस्ट्रार द्वारा यथाअपेक्षित अन्य विशिष्टियां भी होंगी।

(2) जब तक कि रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन फाइल करने के समय ऐसा प्रमाणपत्र फाइल नहीं किया गया है तब वह, यथास्थिति, नियम 23 के उपनियम (3) या उपनियम (4) के अधीन फाइल किए जाने से दो माह के भीतर रजिस्ट्रार के समाधान के लिए आवेदन फाइल करने की तारीख, देश भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति, आवेदन के अंतर्गत आने वाले वर्ग और माल को प्रमाणित और सत्यापित करते हुए फाइल किया जाएगा।

(3) उपनियम (1) के अधीन वर्णित आवेदन अभिसमय देश में उसी भौगोलिक उपदर्शन के लिए और उसी माल के लिए आवेदक का प्रथम आवेदन होना चाहिए। आवेदन में विदेशी आवेदन जिसका अवलंब दिया गया है, फाइल करने की तारीख, उस अभिसमय देश जहां यह फाइल किया गया था, क्रम संख्या, यदि उपलब्ध हो, का संकेत और इस बात का संकेत देने वाला कथन होगा कि अभिसमय आवेदन की तारीख का दावा किया गया है।

(4) जहां अभिसमय देश से धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन माल के किसी एक या अधिक वर्गों के लिए भौगोलिक उपदर्शन की बाबत एकल आवेदन प्राप्त होता है वहां आवेदक को सभी वर्गों में अभिसमय आवेदन तिथि के लिए नियमित विधिमान्य आधार स्थापित करना होगा।

25. आवेदनों में उपयोगकर्ता का विवरण.—भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्टर करने के लिए आवेदन में उस अर्थात् जिसके दौरान और उस व्यक्ति का कथन होगा जिसके द्वारा आवेदन में वर्णित माल की बाबत उसका उपयोग किया गया है। आवेदक उपयोगकर्ता का साक्ष्य देते हुए एक शपथपत्र और उसके साथ उस भौगोलिक उपदर्शन को दर्शित करते हुए प्रदर्श फाइल करेगा कि उनका उपयोग हुआ है या उसे भौगोलिक उपदर्शन के अधीन उसके विक्रय में कितनी मात्रा है, देश का निश्चित राज्यक्षेत्र क्या है, उस देश में प्रदेश या क्षेत्र कौनसा है जिससे भौगोलिक उपदर्शन संबंधित है और ऐसी अन्य विशिष्टियां भी होंगी जिनकी रजिस्ट्रार आवेदन का परिसीमन करते समय आवेदकों से मांग कर सकेगा।

26. भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति.—भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन में और जहां आवेदन की अतिरिक्त प्रतियां अपेक्षित हो वहां ऐसी प्रत्येक प्रति में आवेदन प्ररूप में उस प्रयोजन के लिए उपबंधित स्थान पर भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति होगी और प्रत्येक ऐसी समाकृति का आकार 33 सें० मी० X 20 सें० मी० से अधिक नहीं होगा और उसके बाएं हाथ की और 4 सें० मी० का पार्श्व होगा।

27. अतिरिक्त समाकृतियां.—(1) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, इसमें इसके पश्चात् उपबंधित के विवाय, तीन प्रतियों में किया जाएगा और उसके साथ भौगोलिक उपदर्शन की पांच अतिरिक्त समाकृतियां होंगी। आवेदन पर और उसकी प्रतियों में से प्रत्येक प्रति पर की भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति या और अतिरिक्त समाकृति ठीक एक-दूसरे के मद्दश्य होंगी। अतिरिक्त समाकृतियां सभी अवस्थाओं में उम्मी माल के जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण चाहा गया है, निर्दिष्ट और वर्ग, आवेदक के नाम और पते तथा उसके अभिकर्ता के नाम और पते, यदि कोई हो, उपयोग की कालावधि और ऐसी अन्य विशिष्टियों के जैसी कि समय-समय पर रजिस्ट्रार द्वारा अपेक्षा की जाए, साथ टीपी जाएंगी और आवेदक या उसके अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होंगी।

- (2) जहां आवेदन में इस आशय का कथन अन्तर्विष्ट हो कि आवेदक, भौगोलिक उपदर्शन के विशिष्ट लक्षण के रूप में, रंगों के समुच्चय का दावा करना चाहता है वहां आवेदन के साथ भौगोलिक उपदर्शन के काले और सफेद रंग में तीन प्रत्युत्पादन होंगे और भौगोलिक उपदर्शन के पाँच रंगीन प्रत्युत्पादन होंगे।
- (3)(1) जहां भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में माल की या उसके पैकेजिंग की आकृति अन्तर्विष्ट है वहां तैयार किए गए प्रत्युत्पादन के अन्तर्गत उस भौगोलिक उपदर्शन के कम से कम तीन विभिन्न चित्र होंगे और भौगोलिक उपदर्शन का शब्द में विवरण होगा।
- (11) यदि रजिस्ट्रार उप-पैरा (1) में भौगोलिक उपदर्शन के विभिन्न चित्रों या वर्णों के बारे में यह समझता है कि वे माल या उसकी पैकेजिंग की विशिष्टियों को पर्याप्त रूप से दर्शित नहीं करते हैं तो वह आवेदक से उस माल या पैकेजिंग का नमूना देने के लिए कह सकता है जैसा भौगोलिक उपदर्शन की बाबत खेचा जा रहा है।

28. **समाकृति टिकाऊ और संतोषजनक होनी चाहिए—**(1) भौगोलिक उपदर्शन की सभी समाकृतियाँ टिकाऊ प्रकृति की होनी चाहिए और रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के साथ फाइल किए जाने के लिए अपेक्षित प्रत्येक अतिरिक्त समाकृति लगभग 33 सेंटीमीटर × 20 सेंटीमीटर के आकार के मजबूत कागज पर मढ़ी होनी चाहिए और उस कागज के बाएँ भाग में कम से कम चार सेंटीमीटर का हाशिया होना चाहिए।

(2) यदि रजिस्ट्रार का भौगोलिक उपदर्शन की किसी समाकृति में समाधान नहीं होता है तो वह आवेदन पर कार्यवाही करने से पूर्व किसी भी समय उससे यह अपेक्षा कर सकेगा कि उसके बदले में उसकी सतुष्टि के लिए अन्य समाकृति लगायी जाए।

29. **लिख्यान्तरण और अनुवाद—**(1) जहां भौगोलिक उपदर्शन में एक या कई शब्द देवनागरी या रोमन लिपि में भिन्न किसी लिपि में हैं वहां रजिस्ट्रार के समाधान के लिए ऐसे प्रत्येक शब्द का पर्याप्त लिख्यान्तरण और अनुवाद आवेदन और अतिरिक्त समाकृति पर पृष्ठांकन किया जाएगा कि और ऐसे प्रत्येक पृष्ठांकन में वह मात्रा कथित होगी जिसके वे शब्द हैं और आवेदक या उसके अधिकर्ता द्वारा उस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे जिसके असफल रहने पर रजिस्ट्रार आवेदन पर कोई कार्रवाई करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

(2) जहां भौगोलिक उपदर्शन में हिन्दी या अंग्रेजी से भिन्न भाषा का शब्द है या हैं वहां रजिस्ट्रार यह मांग कर सकेगा कि इसका सही अनुवाद और उस भाषा का नाम दिया जाए और ऐसा अनुवाद और नाम उस स्रोत में उपर्युक्त रूप में पृष्ठांकित और हस्ताक्षरित किया जाएगा जिसमें कि वह ऐसी अपेक्षा कर सकता है।

30. **भौगोलिक उपदर्शन पर माल का नाम या अभिवर्णन—**जहां माल का नाम या अभिवर्णन भौगोलिक उपदर्शन में दिया हुआ है वहां रजिस्ट्रार ऐसे नाम या अभिवर्णन वाले माल से भिन्न किसी अन्य माल की बाबत ऐसे भौगोलिक उपदर्शन को रजिस्ट्रार करने से इंकार कर देगा।

31. **कमियाँ—**जहां भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन धारा 11 या नियम 23 की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है वहां रजिस्ट्रार आवेदक को उन कमियों को दूर करने के लिए उसकी सूचना भेजेगा और यदि ऐसी सूचना की तारीख से एक मास के भीतर आवेदक उसके द्वारा इस प्रकार अधिसूचित किसी कमी को दूर करने में असफल रहता है तो आवेदन परित्यक्त समझा जाएगा।

किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर प्रक्रिया

32. **आवेदन की अन्तर्वस्तु—**(1) किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन विहित प्ररूप में किया जाएगा और उसमें निम्नलिखित अन्तर्विष्ट होगा,—

- (1) इस बारे में कथन कि भौगोलिक उपदर्शन अभिहित माल के बारे में विनिर्दिष्ट ख्यालिटी, प्रतिष्ठा या अन्य लक्षणों की बाबत जो अनन्यतः या अनिवार्यतः भौगोलिक पर्यावरण में अपेक्षित तथा उसकी अन्तर्विहित प्राकृतिक और मानवीय पहलुओं की बाबत कैसे अभिहित करेगा कि वह माल उक्त देश से संबंधित राज्य क्षेत्र या उक्त देश के उस प्रदेश या क्षेत्र से ही उद्भूत है और उसका उत्पादन, प्रसंस्करण या तैयारी उसी राज्य क्षेत्र, क्षेत्र या प्रदेश में ही हुई है ;
- (2) माल का वह वर्ग जिसको भौगोलिक उपदर्शन उपयोजित किया जाएगा;
- (3) उस देश के राज्यक्षेत्र या उस देश में प्रवेश या क्षेत्र का भौगोलिक मानचित्र जिसमें माल उद्भूत हुआ है या विनिर्मित किया जा रहा है;
- (4) भौगोलिक उपदर्शन के प्रकटीकरण के बारे में विशिष्टियाँ कि क्या इसमें शब्द या प्रतीकात्मक तत्व हैं या दोनों हैं

- (5) ऐसा कथन जिसमें सम्बद्ध माल के उत्पादकों की ऐसी विशिष्टियां होंगी जो भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के साथ आरम्भ में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं;
- (6) आवेदन में अंतर्विष्ट कथन में निम्नलिखित भी सम्मिलित होगा, —
- (क) इस बारे में शपथपत्र कि आवेदक व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम या किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित किसी संगठन या प्राधिकारी के हित का प्रतिनिधित्व करने का दावा कैसे कर रहा है;
- (ख) भौगोलिक उपदर्शन के प्रयोग के लिए मानकों का कथन या ऐसे माल के उत्पादन, समुपयोजन, निर्माण या विनिर्माण के संबंध में औद्योगिक मानदंड जिसकी विनिर्दिष्ट गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य लक्षण हैं जो उसमें अन्तर्बलित मानवीय रचना के विस्तृत विवरण के साथ अपने भौगोलिक उद्भव के फलस्वरूप माना जा सकता है या उक्त देश, प्रदेश या क्षेत्र की निश्चित सीमा से अन्य विशिष्टियां,
- (ग) क्या इन मानकों का किसी कानूनी या अन्य विनियमनकारी प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन किया गया है और यदि ऐसा है तो उसकी पूर्ण विशिष्टियां;
- (घ) ऐसे माल की बाबत जिसके संबंध में भौगोलिक उपदर्शन है, मानक, गुणवत्ता, विश्वामनीयता और संगतता या अन्य विशेष लक्षणों को सुनिश्चित करने के लिए तंत्र की विशिष्टियां जो माल के उत्पादक, निर्माता या विनिर्माता द्वारा रखी जानी हैं;
- (ङ) उन कदमों का विवरण जो उस माल की बाबत जिसके संबंध में भौगोलिक उपदर्शन है, स्वच्छ और पर्यावरणीय उत्तरदायी उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए उठाए जाने हैं;
- (च) सम्बद्ध माल के भौगोलिक उपदर्शन में उसके स्थापन, विकास, रूढ़ि, विरासत या लगाई गई जीवन शैली के इतिहास की विशिष्टियां जिसकी उस देश के, यथास्थिति, राज्यक्षेत्र, प्रदेश या क्षेत्र से सहबद्ध विशेष क्वालिटी है ;
- (छ) उस माल की बाबत जिसके संबंध में रजिस्ट्रीकरण मांगा गया है, भौगोलिक उपदर्शन की बाबत प्रस्तावित सीमा की व्यापक पाठ्य विवरण उक्त पाठ में उन प्राकृतिक लक्षणों, मानव निर्मित लक्षणों और ग्रीड निर्देश को सुनिश्चित किया जाएगा जिनका उपयोग किया गया है। उक्त सीमा एक निश्चित आरम्भिक बिन्दु से आरम्भ होगी और उसका विवरण दक्षिणावर्त दिया जाना चाहिए;
- (ज) वह डिग्री जो मानी जा सके और आवेदन में कथित माल के संबंध में सारभूत रूप से स्पष्ट हो जो निम्नलिखित तत्त्वार्थित वृद्धि के बारे में वर्णित मानदंडों को पूरा करती हों;
- (i) उस क्षेत्र की भौगोलिक बनावट और लक्षण ;
- (ii) वह डिग्री जिस तक तापमान, वातावरणीय दबाव, आद्रता, वर्षा, सूर्य चमकने के घंटे या अन्य मौसम की दशाओं की बाबत प्रस्तावित क्षेत्र की जलवायु एकरूप हों ,
- (iii) यथास्थिति, कृषि या प्राकृतिक माल की उसी किस्म की खेती की सामान्य तारीख तथा ऐसे माल जिससे भौगोलिक उपदर्शन संबंधित हैं और अन्य क्षेत्रों में कृषि पैदावार, निर्माण या उत्पादन के बीच अनिवार्य और तार्किक अन्तरण का तुलनात्मक चार्ट ;
- (iv) किसी सिंचाई स्कीम से जल की उपलब्धता या अन्य रूप में जल की उपलब्धता तथा उस स्कीम, मात्रा या जल की क्वालिटी का विवरण;
- (v) आवेदन से संलग्न कोई अन्य वृद्धि विषयक बात ;
- (vi) ऐसी किसी विकास योजना का ब्यौरा जो राज्य या नगरपालिका प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित कर दी गई है या उसके द्वारा प्रस्तावित है जिससे आवेदन प्रभावित होगा;
- (झ) आवेदन के साथ उस राज्यक्षेत्र, प्रदेश या क्षेत्र के मानचित्र की तीन प्रमाणित प्रतियां जिनमें प्रकाशक का हक, नाम और उसके जारी किए जाने की तारीख दर्शित की जाएगी ।
- (त्र) उसमें अन्तर्बलित विशेष मानवीय कौशल या भौगोलिक पर्यावरण की आद्रतीयता या भौगोलिक उपदर्शन से सहबद्ध अन्य अन्तर्निहित लक्षण या लक्षणों की विशिष्टियां जिनके संबंध में आवेदन हैं,
- (ट) उस माल की बाबत जिसके संबंध में आवेदन है, राज्यक्षेत्र प्रदेश या क्षेत्र में, उत्पादकों की संख्या ,

- (ठ) सम्बद्ध माल के उत्पादकों के हित का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्तियों के संगम या संगठन अथवा प्राधिकारी का पूरा नाम और पता ;
- (ड) आवेदक को आबद्ध करने वाली उपविधियों, संगम ज्ञापन और उसके अनुच्छेद तथा किन्हीं अन्य नियमों और विनियमों की प्रमाणित प्रतियां, जहां लागू हों;
- (ढ) आवेदन में यथादर्शित सीमाएं जिनमें उत्पादन या विनिर्माण के तरीके में तकनीकी परिवर्तनों के कारण भविष्य में परिवर्तन किया जा सकेगा;
- (ण) उस माल की बाबत जिसके संबंध में आवेदन किया गया है, आवेदन में वर्णित निश्चित राज्य क्षेत्र में भौगोलिक उपदर्शन के उपयोग को विनियमित करने के लिए निरीक्षण संरचना, यदि कोई हो, की विशिष्टियां;
- (त) जहां भौगोलिक उपदर्शन किसी पूर्व रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के श्रुतिसम है वहां रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन से और आवेदक द्वारा अपनाए गए संरक्षात्मक उपायों की विशिष्टियां से विभेद करने वाले तात्त्विक पहलू हैं जो ऐसे माल के उपभोक्ताओं को सुनिश्चित करते हैं कि ऐसे रजिस्ट्रीकरण के परिणामस्वरूप उन उपभोक्ताओं को भ्रमित या गुमराह नहीं करेंगे।

(2) किसी भी माल की बाबत भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, उसकी प्राप्ति पर, रजिस्ट्रार द्वारा अभिस्वीकृत किया जाएगा। उसकी अभिस्वीकृति आवेदक द्वारा अपने आवेदन के साथ फाइल की गई भौगोलिक उपदर्शन की अतिरिक्त समकृतियों में से एक को आवेदन पर सम्यक् रूप से डाली गई शासकीय संख्या के साथ लौटा कर की जाएगी।

33. आवेदन की जांच—रजिस्ट्रार, किसी आवेदन की प्राप्ति पर, उस आवेदन की और मामले के कथन की नियम 32 (1) के अधीन यथा अपेक्षित इस बारे में जांच करेगा कि क्या वह अधिनियम और नियमों की अपेक्षाओं को पूरा करता है। नियम 32 (1) में निर्दिष्ट मामले के कथन में दी गई विशिष्टियों की शुद्धता को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए, यदि प्रयोजन के लिए, यदि अपेक्षित हो, उस क्षेत्र में सुविख्यात संगठन या प्राधिकारी या व्यक्तियों में से, पांच से अधिक प्रतिनिधियों के परामर्शी गुप का गठन कर सकेगा जिसका अध्यक्ष वह स्वयं होगा जो सामान्यतः परामर्शी गुप के गठन की तारीख से तीन मास के भीतर अन्तिम रूप से तय करेंगे। उस पर रजिस्ट्रार आवेदक को, आवेदन किए जाने पर, जांच रिपोर्ट जारी करेगा।

34. आवेदन पर आक्षेप—(1) यदि आवेदन पर उसके गुणागुण पर और उपयोग के या ऐसे माल की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य लक्षणों के साक्ष्य पर जो उसके भौगोलिक मूल के फलस्वरूप तात्पर्यित हैं या किसी अन्य सुसंगत विषय पर जिसे देने की आवेदक से अपेक्षा की जा सकेगी, विचार करने के पश्चात् रजिस्ट्रार के पास आवेदन को स्वीकार करने के बारे में कोई आपत्ति है या वह उसे ऐसी शर्तों, संशोधनों, उपान्तरणों या परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह अधिरोपित करना ठीक समझे, स्वीकार करने का प्रस्ताव करता है तो रजिस्ट्रार ऐसे आक्षेप या प्रस्ताव को आवेदक को लिखित में संसूचित करेगा।

(2) यदि उपनियम (1) में वर्णित संसूचना की तारीख से दो मास के भीतर आवेदक अपने आवेदक का पूर्वोक्त प्रस्ताव के अनुसार संशोधन नहीं करता या रजिस्ट्रार को अपने विचार प्रस्तुत करता है अथवा सुनवाई के लिए आवेदन करता है या सुनवाई में उपस्थित होने में असफल रहता है तो आवेदन परित्यक्त किया गया समझा जाएगा।

35. रजिस्ट्रार का विनिश्चय—(1) रजिस्ट्रार ने जो विनिश्चय नियम 34 या नियम 37 के अधीन सुनवाई के पश्चात् या उस सूरत में सुनवाई बिना जिसमें कि आवेदक ने अपनी बात लिखकर सम्यक् संसूचित कर दी है और यह कथन कर दिया है कि मैं अपनी सुनवाई नहीं चाहता हूँ, किया है, उसकी लिखित संसूचना आवेदक को दी जाएगी और यदि आवेदक ऐसे विनिश्चय की अपील करने का अपना आशय रखता है तो वह ऐसी समूचना की तारीख से एक मास के भीतर प्रारूप भौ. उ. 15 में रजिस्ट्रार से अपेक्षा करने वाला आवेदन कर सकेगा कि रजिस्ट्रार अपने विनिश्चय के आधारों का और उन सामग्रियों का जिनका उपयोग उसने अपना विनिश्चय करने के लिए किया है, लिखित कथन देगा।

(2) उस अवस्था में जिसमें कि रजिस्ट्रार ऐसी कोई अपेक्षाएं करता है, आवेदक को जिनकी बाबत कोई आपत्ति नहीं है, आवेदक उन अपेक्षाओं का अनुपालन रजिस्ट्रार द्वारा उपनियम (1) के अधीन लिखित कथन दिए जाने के पूर्व करेगा।

(3) जिस तारीख को लिखित कथन उपधारा (1) के अधीन भेजा जाता है, वह तारीख अपील के प्रयोजन के लिए वह तारीख समझी जाएगी जिसको रजिस्ट्रार ने अपना विनिश्चय किया है।

(36) आवेदन में शुद्धि और संशोधन—भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक अपने आवेदन में या तो तत्संबंधी किसी गलती को शुद्ध करने के लिए या आवेदन में कोई संशोधन करने के लिए आवेदन के साथ विहित फीम देकर अपने आवेदन के प्रतिग्रहण के या तो पूर्व या पश्चात् किन्तु भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण से पूर्व प्ररूप भौ. उ.-17 में कर सकेगा परन्तु ऐसे प्रस्तावित संशोधन भौगोलिक

उपदर्शन के संशोधन या माल के वर्णन में संशोधन या राज्यक्षेत्र, प्रदेश या परिक्षेत्र से संबंधित न हों जिससे मूल आवेदन सारभूत रूप से परिवर्तित होता हो या पुरःस्थापित होता हो।

37. रजिस्ट्रार द्वारा प्रतिग्रहण का प्रत्याहरण—(1) यदि रजिस्ट्रार को आवेदन के प्रतिग्रहण के संबंध में कोई आपत्ति आवेदन के प्रतिग्रहण के पश्चात् किन्तु भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण से पूर्व इस आधार पर है कि वह गलती से प्रतिगृहीत कर लिया गया है, या वह भौगोलिक उपदर्शन मामले की उन अवस्थाओं में प्रतिगृहीत नहीं किया जाना चाहिए था, या रजिस्ट्रार यह प्रस्थापना करता है कि वह भौगोलिक उपदर्शन केवल उन शर्तों या मर्यादाओं के अधीन ही या उन शर्तों या मर्यादाओं के, जिन पर कि आवेदन प्रतिगृहीत किया गया है, अतिरिक्त या उनसे भिन्न शर्तों पर रजिस्ट्रीकृत किया जाना चाहिए, तो रजिस्ट्रार ऐसी आपत्ति की लिखित संसूचना आवेदक को देगा।

(2) आवेदक जब तक कि रजिस्ट्रार की अपेक्षाओं का अनुपालन करने की दृष्टि से अपने आवेदन का उपनियम (1) में वर्णित संसूचना की तारीख से तीस दिन के भीतर संशोधन या सुनवाई के लिए आवेदन नहीं कर देता है, आवेदन के प्रतिग्रहण की बाबत यह समझा जाएगा कि रजिस्ट्रार ने उसे प्रत्याहृत कर लिया है और आवेदन की बाबत ऐसी कार्यवाही की जाएगी मानो कि उसे प्रतिगृहीत नहीं किया गया हो।

(3) जहां कि रजिस्ट्रार को आवेदक उपनियम (2) में वर्णित कालावधि के भीतर यह बात प्रज्ञापित करता है कि मेरी यह इच्छा है कि मेरी सुनवाई हो तो आवेदक को रजिस्ट्रार उस तारीख की सूचना देगा जिसको रजिस्ट्रार उसकी सुनवाई करेगा। जब तक कि आवेदक इससे अल्पकाल वाली सूचना के लिए सहमत न हो जाए, ऐसी सुनवाई की तारीख सूचना की तारीख से कम से कम पन्द्रह दिन बाद की रखी जाएगी। आवेदक यह कथन कर सकेगा कि वह अपनी वैयक्तिक सुनवाई कराना नहीं चाहता, और वह वे बातें पेश कर सकेगा जिन्हें कि वह वांछनीय समझता है।

(4) रजिस्ट्रार, आवेदक की सुनवाई के पश्चात् या यदि आवेदक ने कोई बातें उसके समक्ष लिखित रूप में पेश की हैं तो उन पर विचार करने के पश्चात् ऐसे आदेश दे सकेगा जैसे कि वह ठीक समझता है।

आवेदन का विज्ञापन

(38) विज्ञापन की रीति—(1) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए जिस आवेदन की बाबत यह अपेक्षा या अनुज्ञा धारा 13 की उपधारा (1) में है कि वह विज्ञापित किया जाए या उक्त धारा की उपधारा (2) में यह कि वह पुनः विज्ञापित किया जाए, जर्नल में विहित फीस के साथ प्ररूप भौ. उ.-6 में अनुरोध की प्राप्ति पर विज्ञापन के लिए आवेदन की स्वीकृति के तीन मास के भीतर सामान्य रूप से विज्ञापित किया जाएगा।

(2) रजिस्ट्रार, जर्नल में अधिसूचना के पश्चात्, प्रकाशित भौगोलिक उपदर्शन जर्नल को इंटरनेट, बैब साईट या किसी अन्य इलैक्ट्रानिक माध्यम में रख सकेगा।

(3) रजिस्ट्रार, जर्नल में अधिसूचना के पश्चात्, भौगोलिक उपदर्शन जर्नल को सीडी-रोम में उसके खर्च के संदाय पर उपगत कराएगा।

39. आवेदन में शुद्धि या संशोधन करने की अधिसूचना—रजिस्ट्रार, उस आवेदन के मामले में, जिसे धारा 13 की उपधारा (2) का पैरा (ख) लागू होता है, उस मूल में जिसमें वह ऐसा विनिश्चय करता है कि आवेदन को पुनः विज्ञापित कराने की बजाए आवेदन की संख्या, वह वर्ग जिसमें वह किया गया है, आवेदक का नाम और उसके कारबार के भारत में मुख्य स्थान का पता, यदि कोई है, या जहां आवेदक का कोई कारबार का भारत में मुख्य स्थान नहीं है वहां भारत में तामील के लिए उसका पता, उस जर्नल की संख्या जिसमें वह विज्ञापित किया गया है और आवेदन में की गई शुद्धि या संशोधन उपवर्णित करने वाली अधिसूचना जर्नल में दे सकेगा।

40. भौगोलिक उपदर्शन के विज्ञापन की विशिष्टियां देने के लिए रजिस्ट्रार से अनुरोध—कोई भी व्यक्ति प्ररूप भौ. उ.-32 में रजिस्ट्रार से अनुरोध कर सकेगा कि वह जर्नल की संख्या तारीख और पृष्ठ की जानकारी दे जिसमें प्ररूप में उल्लिखित भौगोलिक उपदर्शन का विज्ञापन हुआ था और रजिस्ट्रार अनुरोध करने वाले व्यक्ति को ऐसी विशिष्टियां देगा।

रजिस्ट्रीकरण का विरोध

41. विरोध की सूचना—(1) धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन या धारा 17 (3)(ड) के अधीन प्राधिकृत व उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के विरोध की सूचना प्ररूप भौ. उ.-7 में तीन प्रतियों में तीन मास के भीतर या जर्नल में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के विज्ञापन या पुनः विज्ञापन की तारीख से कुल मिलाकर एक मास से अनधिक की ऐसी अवधि के भीतर दी जाएगी। सूचना के अन्तर्गत उन आधारों का कथन होगा जिन पर विरोधी, यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत व उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण पर आक्षेप करता है।

(2) जहां विरोध की सूचना भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन के संबंध में फाइल की गई है वहां उसके साथ ऐसे प्रत्येक वर्ग की बाबत फीम होगी जिसके संबंध में विरोध फाइल किया जाता है।

(3) जहां विरोध किसी ऐसे विशिष्ट वर्ग या वर्गों के लिए ही फाइल किया जाता है जो धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन किए गए एकल आवेदन के संबंध में है वहां आवेदन पर रजिस्ट्रीकरण के लिए तब तक कार्यवाई नहीं की जाएगी जब तक कि आवेदक द्वारा आवेदन के विभाजन के लिए विभाजन हेतु फीस के साथ प्ररूप भौ. उ.-29 में अनुरोध नहीं किया जाता है।

(4) जहां भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन की बाबत विरोध की कोई सूचना किसी वर्ग या वर्गों में फाइल नहीं की जाती है वहां ऐसे वर्ग या वर्गों की बाबत आवेदन पर रजिस्ट्रीकरण के लिए कार्रवाई वर्ग या वर्गों के संबंध में जिनकी बाबत विरोध लम्बित है, आवेदन के विभाजन के पश्चात् ही की जाएगी।

(5) उस अवधि के विस्तार के लिए आवेदन जिसके भीतर भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के विरोध की सूचना धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन दी जा सकेगी, प्ररूप भौ. उ.-34 में विहित फीस के साथ धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन तीन मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व किया जाएगा।

(6) विरोध की सूचना की एक प्रति रजिस्ट्रार द्वारा आवेदक पर, समुचित कार्यालय द्वारा उसकी प्राप्ति के दो मास के भीतर सामान्यतः तामील की जाएगी।

42. विरोध की सूचना का सत्यापन.—

- (1) विरोध की सूचना विरोधी द्वारा सत्यापित की जाएगी।
- (2) सत्यापन में विरोध की सूचना के पैराओं की संख्याओं के प्रति निर्देश करते हुए विनिर्दिष्टतः यह कथन किया जाएगा कि कौन से पैरा उसकी स्वयं की जानकारी के आधार पर सत्यापित किए जाते हैं और कौन से पैरा उसे प्राप्त उस जानकारी के आधार पर सत्यापित किए जाते हैं जिनके सत्य होने का उसे विश्वास है।
- (3) सत्यापन पर सत्यापन करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और उसमें उस तारीख और उस स्थान का कथन होगा जिस पर उस पर हस्ताक्षर किए गए थे।

43. प्रतिकथन.—(1) धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा अपेक्षित प्रतिकथन, आवेदक को रजिस्ट्रार से विरोध की सूचना की प्रति प्राप्त होने से दो मास के भीतर प्ररूप भौ. उ.-8 में तीन प्रतियों में भेजा जाएगा और उसमें यह भी वर्णन होगा कि विरोध की सूचना में अभिकथित कौन से तथ्य आवेदक द्वारा स्वीकार्य हैं। प्रतिकथन की एक प्रति रजिस्ट्रार द्वारा उस व्यक्ति पर उसकी प्राप्ति की तारीख से सामान्यतः दो मास के भीतर तामील कराई जाएगी जिसने विरोध की सूचना दी है।

(2) प्रतिकथन को उसी रीति में सत्यापित किया जाएगा जिसमें नियम 42 में यथाकथित विरोध की सूचना का सत्यापन किया जाता है।

44. विरोधी द्वारा विरोध के समर्थन में साक्ष्य.—(1) प्रतिकथन की प्रति की उस पर तामील से दो मास के भीतर या ऐसी और अवधि के भीतर जो उसके पश्चात् कुल मिलाकर एक मास से अधिक की नहीं होगी और जिसे रजिस्ट्रार अनुरोध पर अनुज्ञात करे, विरोधी या तो शपथपत्र द्वारा ऐसा साक्ष्य रजिस्ट्रार को देगा जिसे वह अपने विरोध के समर्थन में प्रस्तुत करना चाहता है या रजिस्ट्रार और आवेदक को लिखित में सूचना देगा कि वह अपने विरोध के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत नहीं करना चाहता किन्तु विरोध की सूचना में कथित तथ्यों का अवलम्ब लेने का उसका आशय है। वह आवेदक को ऐसे किसी साक्ष्य की प्रतियां देगा जो उसमें रजिस्ट्रार को इस उपनियम के अधीन दिया है और ऐसे परिदान की लिखित में रजिस्ट्रार को तत्काल सूचना देगा।

(2) यदि विरोधी उपनियम (1) में वर्णित समय के भीतर उस नियम के अधीन कोई कार्रवाई नहीं करता तो यह समझा जाएगा कि उसने अपने विरोध का परित्याग कर दिया है।

(3) उपनियम (1) में वर्णित एक मास की अवधि के विस्तार के लिए कोई आवेदन उसमें वर्णित दो मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व विहित फीस के साथ प्ररूप भौ. उ.-30 में दिया जाएगा।

45. आवेदक द्वारा आवेदन के समर्थन में साक्ष्य.—(1) आवेदक रजिस्ट्रार के पास शपथपत्र के रूप में ऐसा साक्ष्य, विरोध के समर्थन में शपथपत्रों की प्रतियां अपने को मिलने से या अपने को यह प्रशापना मिलने से कि विरोधी अपने विरोध के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं देना चाहता, दो मास के भीतर या कुल मिलाकर उसके पश्चात् एक मास से अनधिक की और अवधि के भीतर देगा जिसे रजिस्ट्रार अनुरोध किए जाने पर अनुज्ञात करे, जैसा कि वह अपने आवेदन के समर्थन में देना चाहता है और उसकी प्रतियां वह विरोधी को देगा या रजिस्ट्रार को और विरोधी को यह प्रशापना देगा कि वह कोई साक्ष्य नहीं देना चाहता किन्तु उसका यह आशय है कि प्रतिकथन में कथित तथ्यों का या प्रश्नगत आवेदन के संबंध में उसके द्वारा पेश किए गए साक्ष्य का सहारा लेगा। उस अवस्था में जिसमें आवेदक आवेदन के संबंध में अपने द्वारा पेश किए जा चुके किसी साक्ष्य का सहारा लेता है, वह उसकी प्रतियां विरोधी को देगा।

(2) उपनियम (1) में वर्णित एक मास की अवधि के विस्तार के लिए आवेदन विहित फीस के साथ उसमें वर्णित दो मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व प्ररूप भौ. उ.-30 में किया जाएगा।

46. विरोधी द्वारा उत्तर में साक्ष्य— विरोधी आवेदक के शपथपत्र की प्रतियों की विरोधी द्वारा प्राप्ति से एक मास के भीतर या उसके पश्चात् कुल मिलाकर एक मास से अनधिक की ऐसी और अवधि के भीतर जिसे रजिस्ट्रार अनुरोध किए जाने पर अनुज्ञात करे, रजिस्ट्रार के पास

उत्तर में शपथपत्र द्वारा साक्ष्य दे सकेगा और उसकी प्रतियां आवेदक को परिदत्त करेगा। यह साक्ष्य उत्तर में दिए गए विषयों तक ही सीमित होगा।

47. और साक्ष्य.—किसी भी पक्षकार को कोई और साक्ष्य देने का अधिकार नहीं होगा किन्तु रजिस्ट्रार अपने समक्ष किन्हीं कार्रवाहियों में किसी भी समय, यदि यह ठीक समझे, आवेदक या विरोधी को कोई साक्ष्य देने की इजाजत ऐसे खर्चों आदि के संबंध में ऐसे निबन्धनों पर दे सकेगा जिसे वह ठीक समझे।

48. प्रदर्श.—जहां कि विरोध में फाइल किए गए शपथपत्रों के साथ प्रदर्श हैं, वहां प्रत्येक प्रदर्श की एक प्रति या छाप अन्य पक्षकार को उसके निवेदन पर और उसके व्यय पर भेजी जाएगी, या उस अवस्था में, जिसमें कि ऐसी प्रतियां या छाप सुविधापूर्वक नहीं दी जा सकती, मूल प्रतियां रजिस्ट्रार के पास निरीक्षणार्थ छोड़ी जा सकेंगी। जब तक कि रजिस्ट्रार अन्यथा निदेश न दे, मूल प्रदर्श सुनवाई के अवसर पर पेश किए जाएंगे।

49. दस्तावेजों का अनुवाद.—जहां कि हिन्दी या अंग्रेजी से भिन्न भाषा वाली किसी दस्तावेज के प्रति विदेश विरोध की सूचना में, प्रतिकथन में या विरोध में फाइल किए गए शपथपत्र में किया गया है, वहां हिन्दी या अंग्रेजी में उसके अभिप्रेमाणित अनुवाद की दो प्रतियां दी जाएंगी।

50. सुनवाई और विनिश्चय.—(1) रजिस्ट्रार, साक्ष्य के (यदि कोई हो) पूरा हो जाने पर, उस तारीख की पक्षकारों को सूचना देगा कि वह मामले में बहस कब सुनेगा। ऐसी सूचना साक्ष्य पूरा होने के तीन मास के भीतर सामान्यतः दी जाएगी। सुनवाई की तारीख वह तारीख होगी जो पहली सूचना की तारीख के पश्चात् एक मास से कम की नहीं होगी जब तक कि पक्षकार उसमें कम समय की सूचना के लिए सहमति न दे। कोई भी पक्षकार जो उपसंजात होना चाहता है, पहली सूचना की प्राप्ति से चौदह दिन के भीतर रजिस्ट्रार को प्ररूप भौ. उ.-9 में अधिसूचित करेगा। ऐसे पक्षकार, जो पूर्व में वर्णित समय के भीतर रजिस्ट्रार को इस प्रकार अधिसूचित नहीं करता है, के बारे में यह समझा जाएगा कि वह अपनी सुनवाई का इच्छुक नहीं है और रजिस्ट्रार मामले में एक पक्षीय रूप से कार्रवाई करेगा।

(2) यदि पर्याप्त कारण दर्शित कर दिया जाता है तो कार्यवाही में या तो आवेदक द्वारा या विरोधी द्वारा एक मास के लिए स्थगन हेतु दो से अनधिक अनुरोधों पर रजिस्ट्रार द्वारा प्ररूप भौ. उ.-30 में अनुरोध पर ऐसे अनुरोध के लिए आधारों के साथ विचार किया जा सकेगा।

(3) यदि आवेदक सुनवाई की तारीख को या सुनवाई की स्थगित तारीख को हाजिर नहीं है तो आवेदन परित्यक्त किया गया समझा जाएगा।

(4) यदि विरोधी सुनवाई की तारीख को या सुनवाई की स्थगित तारीख को हाजिर नहीं है तो विरोध अभियोजन की कमी में खारिज किया जाएगा और आवेदन पर रजिस्ट्रीकरण के लिए आगे कार्रवाई की जाएगी।

(5) स्थगन के प्रत्येक मामले में रजिस्ट्रार मामले की अगली सुनवाई के लिए दिन निश्चित करेगा और स्थगन के लिए खर्च के बारे में या ऐसे अधिक खर्चों के बारे में जिन्हें रजिस्ट्रार ठीक समझे, ऐसा आदेश कर सकेगा।

(6) यह तथ्य कि अभिकर्ता या पक्षकार का एडवोकेट आन रिकार्ड किसी अन्य न्यायालय में व्यस्त है, स्थगन के लिए कोई आधार नहीं होगा।

(7) जहां पर एडवोकेट आन रिकार्ड या अभिकर्ता की बीमारी या किसी अन्य कारण से मामले का संचालन करने में उसकी असमर्थता स्थगन के लिए आधार के रूप में प्रस्तुत की जाती है वहां अधिकरण तब तक स्थगन नहीं देगा जब तक कि उसका यह समाधान नहीं कर दिया जाता कि यथास्थिति, एडवोकेट आन रिकार्ड या अभिकर्ता समय के भीतर किसी अन्य अभिकर्ता या अधिवक्ता को नियोजित नहीं कर सकता है।

(8) रजिस्ट्रार, यदि कार्यवाही के किसी पक्षकार द्वारा लिखित बहस प्रस्तुत की जाती है तो उसे अभिलेख पर रखेगा।

(9) रजिस्ट्रार को मौखिक बहस के लिए समय-सीमा निश्चित करने की शक्तियां होंगी।

(10) रजिस्ट्रार का विनिश्चय पक्षकारों को लिखित में अधिसूचित किया जाएगा।

51. खर्चों के लिए प्रतिभूति.—खर्चों के लिए वह प्रतिभूति जिसकी रजिस्ट्रार धारा 14 की उपधारा (6) के अधीन अपेक्षा कर सकेगा, ऐसी किसी रकम की नियत की जा सकेगी जिसे वह उचित समझे और ऐसी रकम उसके द्वारा विरोध कार्यवाहियों में किसी प्रक्रम पर बढ़ाई जा सकेगी।

रजिस्ट्रीकरण पूरा न होने की सूचना

52. सूचना देने की प्रक्रिया.—आवेदक को जो सूचना देने की रजिस्ट्रार से धारा 16 की उपधारा (3) द्वारा अपेक्षा की गई है, वह आवेदक को भारत में उसके कारबार के मूल स्थान के पते पर या यदि उसका भारत में करोबार का कोई मूल स्थान नहीं है तो आवेदन में कथित भारत में तामील के लिए पते पर प्ररूप औ. उ.-1 में भेजी जाएगी और यदि आवेदक ने आवेदन के प्रयोजन के लिए किसी अभिकर्ता को

प्राधिकृत कर दिया है तो सूचना अभिकर्ता को और उसकी दूसरा प्रांत आवेदक का भेजा जाएगा। सूचना उर का ताराख न २ म। र। । या ऐसा और समय विनिर्दिष्ट किया जाएगा जो रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकरण के पूरा करने के लिए विहित प्ररूप भो उ 30 मे किए गए अनुरोध पर अनुज्ञात करेगा।

रजिस्ट्रीकरण

53. रजिस्ट्रार में प्रविष्टि—(1) जहा जर्नल मे विज्ञापित या पुन विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के विरोध की कोई सूचना धारा 14 की उपधारा (1) मे विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर फाइल नही की जाती है या जहा विरोध फाइल किया जाता है और वह खारिज कर दिया जाता है तथा अपील की अवधि भी समाप्त हो जाती है वहा रजिस्ट्रार, धारा 16 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, भौगोलिक उपदर्शन की रजिस्ट्रार के भाग क मे, प्ररूप भौ उ-10 मे अनुरोध ओर उसके साथ विहित फीस की प्राप्ति पर प्रविष्टि करेगा।

(2) रजिस्टर में भौगोलिक उपदर्शन की प्रविष्टि में आवेदन फाइल करने की तारीख, रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख वह माल आगे वर्ग जिसकी बाबत वह रजिस्ट्रीकृत है और धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित सभी प्रविष्टियां भी विनिर्दिष्ट की जाएंगी जिनके अन्तर्गत निम्नलिखित भी है —

- (क) आवेदक का नाम और विवरण, भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी के भारत में कारबार के मूल स्थान का पता, यदि कोई हो, या व्यक्तियों के सगम की दशा में, व्यक्तियों के ऐसे सगम के भारत में कारबार का पता जिसका भारत में कारबार का मुख्य स्थान है।
- (ख) जहाँ भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी का भारत में कारबार का कोई स्थान नहीं है वहाँ रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में यथा प्रविष्ट भारत में तामील के लिए उसका पता और उसके साथ उसके स्वदेश में पता।
- (ग) व्यक्तियों या उत्पादकों के किसी सगम की दशा में जहाँ व्यक्तियों या उत्पादकों के सगम का भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान नहीं है वहाँ आवेदन में दिया गया भारत में तामील के लिए पता तथा व्यक्तियों या उत्पादकों के प्रत्येक सगम का उसके स्वदेश में पता।
- (घ) भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी या व्यक्तियों या उत्पादकों के सगम के व्यापार, कारबार, वृत्ति उपजीविका की विशिष्टियाँ या अन्य विवरण जो रजिस्ट्रीकरण के आवेदन में प्रविष्ट हैं।
- (ङ) रजिस्ट्रीकरण के विस्तार क्षेत्र को या रजिस्ट्रीकरण द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रभावित करने वाली विशिष्टियाँ।
- (च) पूर्विकता की तारीख, यदि कोई हो, जो धारा 84 के अधीन किए गए अभिसमय आवेदन के अधिकारी का दावा करने के अनुसरण में अभिलिखित की जाएगी।
- (छ) नियम 32 के अधीन दी गई विशिष्टियों का सार जो रजिस्ट्रार द्वारा अन्तिम रूप से स्वीकार की गई हो, और
- (ज) भौगोलिक उपदर्शन के सबंध में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय।

54. रजिस्ट्रीकरण के पूर्व आवेदक की मृत्यु—उसके आवेदन की तारीख के पश्चात् और भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्टर में प्रविष्ट कर लिए जाने से पूर्व यदि भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदक की मृत्यु हो जाती है तो रजिस्ट्रार, आवेदक की मृत्यु के सबूत पर और मृत व्यक्ति के हित में पारेषण के सबूत पर आवेदन में ऐसे मृत आवेदक के नाम के स्थान पर उसके उत्तराधिकारी को प्रतिस्थापित करेगा और तत्पश्चात् इस प्रकार सशोधित आवेदन पर आगे कार्यवाई कर सकेगा।

55. रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र—(1) भौगोलिक उपदर्शन या किसी प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का वह प्रमाणपत्र जो रजिस्ट्रार द्वारा धारा 16 की उपधारा (2) के अधीन दिया जाना है, यथास्थिति प्ररूप ओ-2 या औ-15 में ऐसे उपान्तरण के साथ होगा जो मामले की परिस्थितियों में अपेक्षित हो तथा रजिस्ट्रार के भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगिता की एक प्रति के प्रमाणपत्र के साथ सलग्न करेगा।

(2) रजिस्ट्रार, प्ररूप भौ उ -33 में विहित फीस के साथ रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा किए गए अनुरोध पर रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या और प्रतिया दे सकेगा। उस भौगोलिक उपदर्शन का मढ़ी हुई समाकृति जो रजिस्ट्रीकरण के लिए समय उसके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में दर्शित की गयी है, ऐसे अनुरोध के साथ दी जाएगी।

(3) उपनियम (1) में निर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र विधिक कार्यावाहियों में या विदेश में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगा।

प्राधिकृत उपयोगकर्ता

56. **प्राधिकृत उपयोगकर्ता**—(1) उत्पादक द्वारा रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में धारा 17 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए रजिस्ट्रार को आवेदन या तो रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्तावित प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा संयुक्त रूप से या अकेले प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा प्ररूप भौ. उ.-11 में किया जाएगा और शपथपत्र के साथ मामले का एक कथन होगा कि वह रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन का उत्पादक होने का दावा कैसे कर रहा है। कथन और शपथपत्र में अन्य बातों के साथ-साथ, यह सम्मिलित होगा कि वह उत्पादक कब रहा है। उसका आवर्त, कृषि भूमि की खेती की सीमा जहां लागू हो, उस माल के, यथास्थिति, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, समुपयोजन, उत्पादन या विनिर्माण की मात्रा, निर्यात की सीमा, खेती को शासित करने वाले विनियम या माल की खेती, उत्पादन, समुपयोजन, निर्माण या उसको बनाए जाने का स्वीकार्य ढंग सम्मिलित होगा, जो भी सुसंगत हो।

(2) जहां आवेदन रजिस्टर के भाग ख में प्रविष्ट किए जाने के लिए उत्पादक द्वारा अपनी ओर से किया जाता है वहां आवेदन की प्रति जानकारी के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को पृष्ठांकित की जाएगी और रजिस्ट्रार, प्रस्तावित प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा सम्यक् तामील की इतिला देगा।

57. किसी रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन की बाबत प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर रजिस्ट्रार उसकी जांच कराएगा और रिपोर्ट जारी करेगा।

58. उसके पश्चात् नियम 31 से 52 और 54 और 55 के उपबन्ध रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की बाबत आगे कार्यवाहियों को यथाआवश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

59. **प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण की रजिस्टर में प्रविष्टि**—(1) जहां जनेल में विज्ञापित या पुनः विज्ञापित आवेदन के विरोध की कोई सूचना धारा 17 की उपधारा (3) के उपखण्ड (ड) के अधीन विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर फाइल नहीं की जाती है या जहां विरोध फाइल किया जाता है और वह खारिज कर दिया जाता है तथा अपील की अवधि समाप्त हो जाती है वहां रजिस्ट्रार प्राधिकृत उपयोगकर्ता को प्ररूप भौ. उ. 12 में विहित फीस के साथ अनुरोध की प्राप्ति पर रजिस्टर के भाग ख में प्रविष्ट करेगा।

(2) रजिस्टर में प्राधिकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि में प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन फाइल करने की तारीख, रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख, माल और वर्ग या वर्गों को विनिर्दिष्ट किया जाएगा जिनकी बाबत वह रजिस्ट्रीकृत है और धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित सभी विशिष्टियां विनिर्दिष्ट की जाएंगी जिनके अन्तर्गत निम्नलिखित हैं :—

- (क) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के भारत में कारबार के मुख्य स्थान का पता, यदि कोई हो;
- (ख) रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन की विशिष्टियां जिनके अन्तर्गत उस माल और वर्ग का विनिर्देश भी है जिसमें वह रजिस्ट्रीकृत है;
- (ग) प्राधिकृत उपयोगकर्ता के भारत में कारबार के मुख्य स्थान का पता, यदि कोई है;
- (घ) जहां रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता का भारत में कारबार का कोई स्थान नहीं है वहां रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में यथा प्रविष्ट भारत में तामील के लिए उसका पता तथा साथ में उसके स्वदेश में उसका पता;
- (ङ) रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में यथा प्रविष्ट भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के व्यापार, कारबार, वृत्ति, उपजीविका, डीलरशिप या अन्य विवरण की विशिष्टियां;
- (च) वह पुष्टिकता की तारीख, यदि कोई है, जो धारा 84 के अधीन किए गए अभिसमय आवेदन के अनुसरण में अभिलिखित की जाएगी, और;
- (ज) भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय।

(3) रजिस्ट्रार, प्ररूप भौ. उ.-33 में विहित फीस के साथ अनुरोध पर प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या अन्य प्रतियां दे सकेगा। भौगोलिक उपदर्शन की मढ़ी हुई समाकृति जो उसके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के प्ररूप में रजिस्ट्रीकरण के समय दी गई है, ऐसे अनुरोध के साथ दी जाएगी।

अध्याय 4

रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण और प्रत्यावर्तन

60. **रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण**—(1) भौगोलिक उपदर्शन या रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए आवेदन, यथास्थिति, प्ररूप भौ. उ.-13 या भौ. उ.-35 में किया जाएगा और भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अन्तिम रजिस्ट्रीकरण के पर्यवेक्षण से पूर्व छह मास से अनधिक के किसी समय पर किया जा सकेगा।

(2) नवीकरण के लिए ऐसा आवेदन यथास्थिति ऐसे व्यक्ति द्वारा जो रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन का स्वत्वधारी है और उसके असफल रहने पर अभिलेख पर सभी प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं द्वारा फाइल किया जाना चाहिए।

(3) यदि वह स्वत्वधारी जो नवीकरण के लिए आवेदन में वर्णित है, वही व्यक्ति या वही विधिक हस्ती नहीं है जो रजिस्ट्रीकरण में रजिस्ट्रीकृत के रूप में दर्शित किया गया है, जो वर्तमान स्वामी को रजिस्ट्रीकृत से हक की निरन्तरता प्रथम अवसर पर ही दर्शित की जानी चाहिए।

(4) रजिस्ट्रार, नवीकरण के लिए आवेदन प्रबन्ध न्यासी, निष्पादक, प्रशासकों या उसी तरह के व्यक्तियों से प्राप्त कर सकेगा जब वे न्यायालय के आदेश धारा या ऐसे व्यक्तियों के अन्य साक्ष्य द्वारा समर्पित हो जिसे वर्तमान स्वत्वधारी की ओर से कार्य करने का प्राधिकार है।

(5) शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि जहां भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी अस्तित्व में नहीं रहा है वहां रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन का नवीकरण रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के सभी प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से प्रभावित किया जाएगा जिनके नाम नवीकरण की सम्यक् तारीख को रजिस्टर के भाग ख में प्रविष्ट हैं।

(6) रजिस्ट्रार, नवीकरण प्रमाणपत्र जारी करने से पूर्व, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी से भारत में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के उपयोग के संबंध में शपथपत्र फाइल करने की मांग कर सकेगा जहां उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि ऐसा हो सकता है कि रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन का बाजार में उपयोग नहीं हो।

61. भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर से हटाने से पूर्व सूचना—(1) यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अंतिम रजिस्ट्रीकरण के पर्यवसान से कम से कम एक मास पूर्व और अधिक से अधिक तीन मास से पूर्ववाली तारीख तक, यदि भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए विहित फीस के साथ यथास्थिति, प्ररूप भौ. उ.-13 या भौ.उ.-35 में आवेदन प्राप्त नहीं होता है तो रजिस्ट्रार, यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता की अथवा भौगोलिक उपदर्शन के व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम की दशा में, रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम में से प्रत्येक को रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उनकी ओर से कार्य करने वाले प्राधिकृत व्यक्ति के रूप में, यथास्थिति, प्ररूप ओ 3 या ओ 5 में रजिस्टर में यथाप्रविष्ट भारत में कारबार में मुख्य स्थान के पते या जहां ऐसे रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता का भारत में कोई कारबार का मुख्य स्थान नहीं है तो रजिस्टर में प्रविष्ट भारत में तामील के लिए उनके पते पर अधिसूचित करेगा।

(2) जहां भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता की दशा में जिसका नवीकरण कराया जाना शोध्य हो गया है (रजिस्ट्रीकरण के आवेदन की तारीख के प्रतिनिर्देश से) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता उस तारीख से पूर्व जिसको नवीकरण शोध्य हो जाता है, छह मास के भीतर किसी भी समय रजिस्ट्रीकृत किया जाता है, रजिस्ट्रीकरण नवीकरण फीस के संदाय पर रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख के पश्चात् छह मास के भीतर नवीकृत किया जा सकेगा और जहां नवीकरण फीस उस अवधि के भीतर संदत्त नहीं की जाती है वहां रजिस्ट्रार, नियम 63 के अधीन रहते हुए भौगोलिक उपदर्शन को रजिस्ट्रार से हटा देगा।

(3) जहां भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता की दशा में, जिसका रजिस्ट्रीकरण (रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की तारीख के प्रति निर्देश से) नवीकरण के लिए शोध्य हो गया है, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता नवीकरण की तारीख के पश्चात् रजिस्ट्रीकृत किया जाता है वहां रजिस्ट्रीकरण नवीकरण फीस के संदाय के साथ रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख से छह मास के भीतर नवीकृत किया जा सकेगा और जहां नवीकृत फीस उस अवधि के भीतर संदत्त नहीं की जाती है वहां रजिस्ट्रार, नियम 63 के अधीन रहते हुए, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्ट्रार से हटा देगा।

62. भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्टर से हटाए जाने का विज्ञापन—यदि भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति पर नवीकरण फीस संदत्त नहीं की गई है तो रजिस्ट्रार, यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्ट्रार से हटा सकेगा और इस तथ्य को जर्नल में तत्काल विज्ञापित करा सकेगा:

परन्तु रजिस्ट्रार, यदि भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति से छह मास के भीतर विहित फीस और समुचित प्रभार के साथ प्ररूप भौ. उ.-15 में आवेदन किया जाता है, तो भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्ट्रार से नहीं हटाएगा।

63. रजिस्ट्रीकरण का प्रत्यावर्तन और नवीकरण—रजिस्ट्रार में भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के प्रत्यावर्तन के लिए और धारा 18 की उपधारा (4) की उपधारा (4) के अधीन उसके रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए आवेदन विहित फीस के साथ यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति के छह मास के पश्चात् और एक वर्ष के भीतर प्ररूप भौ. उ.-14 में किया जाएगा। रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रीकरण के लिए अनुरोध पर विचार करते समय उन व्यक्तियों के हित का ध्यान रखेगा जिन्होंने मध्यवर्ती अवधि में, ऐसे ही भौगोलिक उपदर्शन के लिए जो इस के बिल्कुल समान है या इतना समरूप है, जिससे धोखा हो जाए, आवेदन किया है या रजिस्ट्रार कराया है, प्रभावित होने की संभावना है।

64. नवीकरण और प्रत्यावर्तन की सूचना और विज्ञापन—रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण या प्रत्यावर्तन पर, उस आशय की एक सूचना रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और संबद्ध प्राधिकृत उपयोगकर्ता को भेजी जाएगी और उक्त नवीकरण या प्रत्यावर्तन जर्नल में विज्ञापित किया जाएगा।

अध्याय 5

रजिस्टर का परिशोधन और शुद्धि

रजिस्टर का परिवर्तन या परिशोधन

65. भौगोलिक उपदर्शन के परिशोधन या उसे रजिस्ट्रार से हटाने के लिए आवेदन—भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रार में अभिलिखित भौगोलिक उपदर्शन या नियम 32(1) के अधीन निर्दिष्ट मामले के विवरण से संबंधित प्रविष्टि के रद्द करने, विलुप्त करने

या उसमें परिवर्तन करने के लिए धारा 27 के अधीन रजिस्ट्रार को आवेदन, यथास्थिति, प्ररूप भौ. उ.-18 या प्ररूप भौ. उ.-28 में तीन प्रतियों में किया जाएगा और उसके साथ तीन प्रतियों में एक कथन होगा जिसमें आवेदक के हित की प्रकृति, उन तथ्यों का जिन पर वह अपना मामला आधारित कर रहा है और अनुतोष जिसकी वह याचना कर रहा है, पूर्ण विवरण होगा। जहां आवेदन ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाता है जो प्रश्नगत भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी नहीं है वहां पूर्वोक्त आवेदन और कथन भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री की तीन प्रतियों में दिया जाएगा। उस दशा में जिसमें प्राधिकृत उपयोगकर्ता हैं, ऐसा आवेदन और कथन के साथ उनकी उतनी प्रतियां होंगी जितने रजिस्टर में प्राधिकृत उपयोगकर्ता हैं। आवेदन और कथन, प्रत्येक की एक प्रति रजिस्ट्रार द्वारा रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रत्येक उपयोगकर्ता को तथा ऐसे अन्य व्यक्ति को दो मास के भीतर भेजी जाएगी जो रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन में हित रखने वाला प्रतीत होता है। आवेदन विरोध की सूचना के सत्यापन के लिए नियम 42 के अधीन विहित रीति से सत्यापित किया जाएगा।

66. आगे की प्रक्रिया—नियम 65 में वर्णित आवेदन की प्रति रजिस्ट्रार से रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को प्राप्त होने से दो मास के भीतर या ऐसी और अवधि के भीतर जो दो मास से अधिक हो, रजिस्ट्रार को और प्ररूप भौ.उ.-8 में आवेदन करने वाले व्यक्ति को उन आधारों का जिन पर आवेदन का विरोध किया जा रहा है, तीन प्रतियों में प्रतिकथन भेजेगा। रजिस्ट्रार, प्रतिकथन की एक प्रति आवेदन करने वाले व्यक्ति पर उसकी प्राप्ति के एक मास के भीतर तामील करेगा। नियम 44 से 51 तक के उपबंध उसके पश्चात् आवेदन पर आगे कार्यवाहियों को यथावश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होंगे। तथापि, रजिस्ट्रार रजिस्टर को केवल इसलिए परिशोधित नहीं करेगा या भौगोलिक उपदर्शन या किसी प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर से नहीं हटाएगा कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता ने प्रतिकथन फाइल नहीं किया है जब तक कि उक्त यह समाधान नहीं हो जाता कि प्रतिकथन फाइल करने में विलंब जानबूझकर किया गया है और मामले की परिस्थितियों में न्यायोचित नहीं है। संदेह की किसी स्थिति में कोई भी पक्षकार रजिस्ट्रार को निदेशों के लिए आवेदन कर सकेगा।

67. अन्य पक्षकारों द्वारा हस्तक्षेप—ऐसा व्यक्ति जो रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन में हित का अधिकथन करता है जिसकी बाबत नियम 65 के अधीन आवेदन किया जाता है, अपने हित की प्रकृति का कथन करते हुए मध्यक्षेप करने हेतु अनुमति के लिए प्ररूप भौ.उ.-26 में आवेदन कर सकेगा और रजिस्ट्रार सुनवाई के पश्चात्, यदि संबद्ध पक्षकार ऐसी अपेक्षा करे, अनुमति देने से इंकार कर सकेगा या ऐसी अनुमति प्रदान कर सकेगा जो ऐसे निबंधनों और शर्तों पर होगी जिसे वह अधिरोपित करना उचित समझे और उनके अंतर्गत खर्चों के लिए प्रतिभूति के बारे में वचनबद्ध या शर्तें हैं।

68. रजिस्ट्रार द्वारा स्वप्रेरणा से रजिस्टर का परिशोधन—(1) रजिस्ट्रार जो सूचना देने के लिए धारा 27 की उपधारा (4) के अधीन अपेक्षित है, वह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता को, यदि कोई हो, और किसी अन्य व्यक्ति को, जिसकी बाबत यह प्रतीत होता है कि भौगोलिक उपदर्शन में उसका कोई हित है, लिखित रूप में भेजी जाएगी और उसमें वे आधार दिए हुए होंगे जिन पर रजिस्टर का परिशोधन करने की प्रस्थापना रजिस्ट्रार करता है, और उसमें ऐसी सूचना की तारीख से कम से कम एक मास का वह समय भी उल्लिखित किया जाएगा, जिसमें सुनवाई के लिए आवेदन किया जाएगा।

(2) जिस व्यक्ति को ऐसी सूचना दी गई है जब तक कि वह उन तथ्यों को जिन पर कि वह उन आधारों का खंडन करने का भरोसा करता है, जो सूचना में दिए हुए हैं, पूर्णतः देने वाला लिखित कथन या सुनवाई के लिए आवेदन पूर्वोक्त सूचना में उल्लिखित समय के अन्दर भेज दे या नहीं देता उसकी यह बाबत यह समझा जाएगा कि वह कार्यवाहियों में भाग नहीं लेना चाहता और रजिस्ट्रार तब तदनुसार कार्य कर सकेगा।

(3) यदि रजिस्ट्रार रजिस्टर का परिशोधन करने का विनिश्चय करता है, तो वह अपना विनिश्चय रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता को, यदि कोई हो, लिखित रूप में संसूचित करेगा।

पते में परिवर्तन

69. रजिस्टर में पते का परिवर्तन—(1) भौगोलिक उपदर्शन का वह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपभोगकर्ता, जिसके यथास्थिति, कारबार का भारत में के मुख्य स्थान का या स्वदेश का पता, इस भांति परिवर्तित हो गया है, जिससे कि रजिस्टर में की प्रविष्टि अशुद्ध हो गई है, रजिस्ट्रार से यह निवेदन प्ररूप भौ. उ.-20 में तत्क्षण करेगा कि रजिस्ट्रार रजिस्टर में पते को समुचित रूप से बदल दे और यदि रजिस्ट्रार का समाधान इस बाबत हो जाता है तो वह रजिस्टर में तदनुसार तब्दीली कर देगा।

(2) भौगोलिक उपदर्शन का वह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता, जिसका भारत में तामील के लिए वह पता, जो रजिस्टर में प्रविष्ट है, चाहे तो इस कारण कि प्रविष्ट पता अमल में नहीं रहा है या किसी अन्य कारण से इस प्रकार बदल गया है कि रजिस्टर में तद्विषयक प्रविष्टि अशुद्ध हो गई है, रजिस्ट्रार से प्ररूप भौ.उ.-20 में तत्क्षण यह निवेदन करेगा कि रजिस्ट्रार रजिस्टर में के पते को समुचित रूप से बदल दे और यदि रजिस्ट्रार का इस विषय में समाधान हो जाता है, तो वह तदनुसार रजिस्टर में तब्दीली कर देगा।

(3) भौगोलिक उपदर्शन का वह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता, जिसके कारबार का भारत में के मुख्य स्थान का पता या जिसके स्वदेश का पता या भारत में जिसकी तामील का पता लोक प्राधिकारी द्वारा ऐसे बदल दिया गया है कि बदले पते से भी वही परिसर अभिहित है जो कि रजिस्टर में प्रविष्ट है, रजिस्ट्रार से, यथास्थिति, प्ररूप भौ.उ.-20 में पूर्वोक्त निवेदन करेगा और यदि वह करता है, तो वह उसके साथ उक्त प्राधिकारी द्वारा दिए गए परिवर्तन का प्रमाणपत्र देगा। यदि रजिस्ट्रार का समाधान मामले के तथ्यों के संबंध में हो जाता है, तो वह रजिस्टर में तदनुसार परिवर्तन करेगा, किन्तु प्ररूपों पर दी जाने वाली कोई फीस नियम 10 के उपनियम (2) या नियम 11 के उपनियम (2) के उपबन्धों के होते हुए भी नहीं मांगेगा।

(4) (1) जहां कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी उपनियम (1), (2) या (3) के अधीन निवेदन करता है, वहां यदि कोई रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता है या हैं तो वह निवेदन की प्रति की तामील उस या उन पर करेगा और तदनुसार रजिस्ट्रार को इतिला देगा।

(11) जहां कि पूर्वोक्त निवेदन रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता द्वारा किया जाता है, वहां वह निवेदन की प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और अन्य रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता पर, यदि कोई हो, करेगा और रजिस्ट्रार को इतिला देगा कि उसने यह बात कर दी है।

(5) व्यक्ति का जो पता भौगोलिक उपदर्शन के एक से अधिक रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के भारत में तामील के लिए पते के रूप में लिखा हुआ है, उसे परिवर्तित कराने के मामले में रजिस्ट्रार प्ररूप भौ. उ.-20 में जिसे मामले के लिए उपयोष्य करने के लिए संशोधित कर लिया गया है, उस व्यक्ति का वह आवेदन जो उस पते की बाबत है, यह सिद्ध किए जाने पर कि उक्त पता आवेदक का पता है और उस सूरत में, जिसमें कि रजिस्ट्रार का समाधान हो जाता है कि वैसा करना ठीक होगा, आवेदक के पते की प्रविष्टियों में ममुचित परिवर्तन उन रजिस्ट्रीकरणों में, जिनकी विशिष्टियां प्ररूप में दी जाएंगी, उसे तामील के पतों के रूप में करने के वास्ते ले सकेगा और तदनुसार प्रविष्टियों में परिवर्तन कर सकेगा।

(6) जब तक कि अपवाद स्वरूप परिस्थितियों में रजिस्ट्रार अन्यथा करने की समनुज्ञा नहीं देता है, इस नियम के अधीन किए जाने वाले सब आवेदन, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता, अथवा ऐसे आवेदन के प्रयोजन के लिए उसके द्वारा अभिव्यक्तरूपण प्राधिकृत अधिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होंगे।

रजिस्ट्रार की शुद्धि

70. धारा 28 के अधीन आवेदन—जहां धारा 28 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन, रजिस्ट्रार में ज्ञापन की प्रविष्टि की शुद्धि, परिवर्तन, रद्दकरण या माल को काटने के प्रयोजन के लिए रजिस्ट्रार में परिवर्तन के लिए किया गया है वहां रजिस्ट्रार, आवेदक से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह शपथपत्र द्वारा या अन्यथा ऐसा साक्ष्य, जैसा कि रजिस्ट्रार ठीक समझे, उन परिस्थितियों के बारे में दे जिनमें आवेदन किया गया है। ऐसा आवेदन प्ररूप भौ. उ.-24 में, जो भी उचित हो, किया जाएगा और उसकी एक प्रति की तामील आवेदक द्वारा प्राधिकृत उपयोगकर्ता या उपयोगकर्ताओं पर, यदि कोई है, की जाएगी या प्रश्नगत भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के अधीन कम से कम दो सुविख्यात स्थानीय समाचारपत्रों में लोक सूचना जारी की जाएगी और ऐसे किसी अन्य व्यक्ति पर तामील की जाएगी जिसके बारे में रजिस्ट्रार से यह प्रतीत होता है कि उसका भौगोलिक उपदर्शन में हित है।

71. रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन में परिवर्तन—जहां भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन में कुछ जोड़ने या परिवर्तन करने के लिए अनुमति हेतु धारा 29 के अधीन आवेदन करता है वहां वह प्ररूप भौ. उ.-26 में लिखित में आवेदन करेगा और भौगोलिक उपदर्शन की जब भी उसमें ऐसा जोड़ा गया या परिवर्तित किया गया प्रतीत हो, पांच प्रतियां देगा। आवेदन और इस प्रकार संशोधित या परिवर्तित भौगोलिक उपदर्शन की एक प्रति आवेदक द्वारा अभिलेख पर प्रत्येक प्राधिकृत उपयोगकर्ता पर तामील की जाएगी या कम से कम दो सुविख्यात स्थानीय समाचार पत्रों में लोक सूचना दी जाएगी।

72. विनिश्चय और विरोध आदि से पूर्व विज्ञापन आदि—(1) रजिस्ट्रार, आवेदन पर विचार करेगा और उस पर विनिश्चय करने से पूर्व जर्नल में आवेदन को विज्ञापित कराएगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन विज्ञापन की तारीख से तीन मास के भीतर या कुल मिलाकर एक मास से अनधिक की ऐसी और अवधि के भीतर कोई भी व्यक्ति आवेदन के विरोध की सूचना प्ररूप भौ. उ.-7 में दे सकेगा और उसके साथ अपने आक्षेपों का कथन भी दे सकेगा। सूचना और कथन, यदि कोई हो, तीन प्रतियों में भेजे जाएंगे। उस दशा में जिसमें प्रश्नगत भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के अधीन कोई प्राधिकृत उपयोगकर्ता हैं, ऐसी सूचना और कथन के साथ उनकी उतनी प्रतियां होंगी जितने प्राधिकृत उपयोगकर्ता हैं। सूचना और कथन की एक-एक प्रति सूचना देने वाले व्यक्ति द्वारा रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्राधिकृत उपयोगकर्ता को, यदि कोई हो, भेजी जाएगी। रजिस्ट्रार, सूचना और कथन की प्रति दो मास के भीतर रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रत्येक प्राधिकृत उपयोगकर्ता को, यदि कोई हो, भेजेगा और रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा रजिस्ट्रार से ऐसी प्रतियों की प्राप्ति से दो मास के भीतर वह रजिस्ट्रार को प्ररूप भौ. उ.-8 में उन आधारों का जिन पर विरोध किया गया है, तीन प्रतियों में प्रतिकथन भेजा जाएगा। यदि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ऐसा प्रतिकथन भेजता है तो रजिस्ट्रार, उसकी एक प्रति विरोध की सूचना देने वाले व्यक्ति पर एक मास के भीतर तामील कराएगा और उसके पश्चात् विरोध पर आगे होने वाली कार्यवाहियों के संबंध में नियम 44 से 51 तक के उपबंध यथा परिवर्तित रूप में लागू होंगे। रजिस्ट्रार, आवेदन को सिर्फ इस आधार पर खारिज नहीं करेगा कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ने प्रतिकथन फाइल नहीं किया है जब तक कि उसका यह समाधान नहीं हो जाता कि प्रतिकथन फाइल करने में विलम्ब जानबूझकर है और मामले की परिस्थितियों में न्यायोचित नहीं है। कोई पक्षकार रजिस्ट्रार से निदेश प्राप्त करने के लिए आवेदन उस सूरत में कर सकेगा जिसमें कि किसी बात के बारे में शंका है।

(3) यदि उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर कोई विरोध नहीं किया जाता है तो रजिस्ट्रार, आवेदक की सुनवाई के पश्चात् यदि वह ऐसी इच्छा करे, आवेदन को स्वीकार या खारिज करेगा और अपने विनिश्चय की लिखित में आवेदक को संसूचना देगा।

73. विनिश्चय-विज्ञापन-अधिसूचना—यदि रजिस्ट्रार, आवेदन को मंजूर करने का विनिश्चय करता है तो वह तदनुसार, रजिस्ट्रार में भौगोलिक उपदर्शन में परिवर्तन करेगा और जर्नल में एक अधिसूचना अन्तःस्थापित करेगा कि भौगोलिक उपदर्शन परिवर्तित कर दिया गया है। यदि आवेदन नियम 71 के अधीन विज्ञापित नहीं किया गया है तो वह भौगोलिक उपदर्शन को परिवर्तित रूप में जर्नल में विज्ञापित कराएगा।

अध्याय 6

व्यापार चिह्नों के संबंध में विशेष उपबंध

74. (1). व्यापार चिह्नों के रजिस्ट्रीकरण से इंकार या उसका अविधिमान्यकरण.—जहां व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार स्वप्रेरणा से व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण से इंकार करने का या माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25 की उपधारा (क) के अनुसरण में रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न को अविधिमान्य करने का विनिश्चय करता है, वहां व्यापार चिह्न के, यथास्थिति, आवेदकों या रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को लिखित में अधिसूचित करेगा जिसमें ऐसा करने के कारणों का कथन करेगा। उसके पश्चात् रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न के, यथास्थिति, आवेदक या रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को सुने जाने का अवसर प्रदान करने के पश्चात् मामले का विनिश्चय करेगा।

(2) ऐसे व्यापार चिह्न को रजिस्टर करने या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न को अविधिमान्य करने के धारा 25 की उपधारा (क) के अधीन अनुरोध, जिसमें ऐसा भौगोलिक उपदर्शन अंतर्विष्ट है जो किसी देश के राज्यक्षेत्र या उस राज्यक्षेत्र में किसी प्रदेश या परिक्षेत्र में उद्भूत नहीं है जिसका ऐसा भौगोलिक उपदर्शन संकेत देता है और जिससे ऐसे माल या माल के वर्ग या वर्गों के उद्भव के सही स्थान के बारे में व्यक्तियों को भ्रम पैदा होने की संभावना है व्यापार चिह्न नियम, 2000 के अधीन विहित व्या.चि. 73 में किया जाएगा। उसके पश्चात् व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रार इंकार किए जाने के लिए अनुरोध की दशा में उसे आवेदक को भेज देगा और आवेदक को सुने जाने का अवसर प्रदान करेगा। अविधिमान्यकरण के लिए अनुरोध की दशा में, व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार उस अनुरोध को रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को भेजेगा और उस विषय पर आगे कार्रवाईयों को व्यापार चिह्न नियम 2001 के नियम 93 में वर्णित प्रक्रिया यथाआवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

75(1). ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न को, जो धारा 22(2) के अधीन अधिसूचित भौगोलिक उपदर्शन के प्रतिकूल है, इंकार या अविधिमान्यकरण.—जहां व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार स्वप्रेरणा से माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम 1999 की धारा 25 की उपधारा (ख) के अनुसरण में किसी आवेदन को इन्कार करने या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न को अविधिमान्य करने का विनिश्चय करता है वहां वह यथास्थिति आवेदक या रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को लिखित में अधिसूचित करेगा जिसमें उसके लिए आधारों का कथन करेगा। उसके पश्चात् रजिस्ट्रार यथास्थिति आवेदक को या व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को सुने जाने का अवसर देने के पश्चात् मामले का विनिश्चय करेगा।

(2) अधिसूचित भौगोलिक उपदर्शनों का धारा 25 (ख) के अधीन इन्कार या अविधिमान्यकरण.—ऐसे व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन को अस्वीकार करने या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न को अविधिमान्य करने के जो धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचित माल या माल के वर्ग या वर्गों की पहचान करने वाले भौगोलिक उपदर्शन के प्रतिकूल है या उसमें वह अन्तर्विष्ट है, धारा 25 की उपधारा (ख) के अधीन अनुरोध व्यापार चिह्न नियम, 2000 के अधीन विहित प्ररूप व्या.चि. 74 में किया जाएगा। उसके पश्चात् व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार इन्कार के लिए अनुरोध की दशा में रजिस्ट्रार उसे आवेदक को भेजेगा और आवेदक को सुने जाने का अवसर प्रदान करेगा। अविधिमान्यकरण के अनुरोध की दशा में व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार उस अनुरोध को रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को भेजेगा और उस विषय में आगे कार्रवाईयों को व्यापार चिह्न नियम, 2001 के नियम 93 में वर्णित प्रक्रिया यथाआवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

76(1). भौगोलिक उपदर्शन के इन्कार या अविधिमान्यकरण का प्रकाशन.—व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25 के अनुसरण में व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण से इन्कार या उसके अविधिमान्यकरण का हवाला अभिलिखित करेगा और उसे प्रकाशित करेगा और प्रकाशन की एक प्रति भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार को भेजेगा।

(2) माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25 के अनुसरण में व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण से इन्कार या उसके अविधिमान्यकरण के हवाला के प्रकाशन में निम्नलिखित होगा :—

- (क) चिह्न की समाकृति ;
- (ख) व्यापार चिह्न के यथास्थिति, आवेदन या उसके रजिस्ट्रीकरण की संख्या ;
- (ग) यथास्थिति, आवेदक या रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता ;
- (घ) रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न की दशा में, यथास्थिति, व्यापार चिह्न के आवेदन या रजिस्ट्रीकरण की तारीख ;
- (ङ) उस माल की सूची या माल का वर्ग जिसकी बाबत व्यापार चिह्न के लिए आवेदन किया गया था या रजिस्ट्रीकृत किया गया था; और
- (च) उस आधार का संक्षेप जिस पर व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन अस्वीकार किया गया था या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकरण अविधिमान्य किया गया था।

अध्याय 7

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 22(2) के अधीन कतिपय माल के लिए अतिरिक्त संरक्षण के संबंध में प्रक्रिया

77(1). कतिपय माल के लिए अतिरिक्त संरक्षण—रजिस्ट्रीकरण भौगोलिक उपदर्शनों के अतिरिक्त संरक्षण के लिए आवेदन विहित फीस के साथ प्ररूप भौ.उ. 37 में तीन प्रतियों में रजिस्ट्रार को किया जाएगा और उसके साथ भौगोलिक उपदर्शन की पांच समाकृतियां और एक पक्ष

कथन होगा जिसमें वे आधार वर्णित होंगे जिन पर वह अपने आवेदन के समर्थन में अवलंब लेता है। ऐसा पक्ष कथन तीन प्रतियों में दिया जाएगा।

(2) आवेदन रजिस्टर में तत्समय प्रविष्ट भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और ऐसे भौगोलिक उपदर्शन के सभी उत्पादकों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा जिनके नाम भाग ख में प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्टर में प्रविष्ट किए गए हैं।

78. नियमों के अनुपालन के आधार पर रजिस्ट्रार द्वारा भेजने से इन्कार—कोई भी आवेदन रजिस्ट्रार द्वारा केन्द्रीय सरकार को तब तक भेजा नहीं जाएगा जब तक कि नियम 77 के अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर दिया जाता।

79. केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाना—केन्द्रीय सरकार, धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के अतिरिक्त संरक्षण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि आवेदन और उसके साथ दस्तावेज अधिनियम और नियमों के उपबंधों का पालन करते हैं इस बारे में विचार करेगी कि क्या निम्नलिखित बात को ध्यान में रखते हुए आवेदन अनुज्ञात किया जाए अथवा नहीं :—

क्या एक सारभौम मापमान पर माल या माल के वर्गों की प्रतिष्ठा पर विशेष ध्यान देते हुए प्रश्नगत माल या माल के वर्ग मापनीय है जो धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अपेक्षा करते हैं कि ऐसे भौगोलिक उपदर्शन के अनधिकार ग्रहण या नकल के विरुद्ध अतिरिक्त संरक्षण प्रदान किया जाए भले ही माल या माल के वर्गों का सही उद्भव उपदर्शित है या रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अनुवादित रूप में प्रयुक्त है या “किस्म” “प्रकार” “ढंग” “अनुकृति” या अन्य ऐसे ही उसके साथ है अथवा नहीं।

80(1). आवेदन को अस्वीकार करने या उसे सशर्त स्वीकार करने के लिए निदेश जारी करने से पूर्व सुनवाई—इससे पहले कि केन्द्रीय सरकार धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचित माल या माल के वर्गों को अतिरिक्त संरक्षण देने के लिए आवेदन को अस्वीकार करने या किन्हीं शर्तों, निर्बंधनों या मर्यादाओं के अधीन रहते हुए स्वीकार करने के लिए रजिस्ट्रार को निदेश देने का विनिश्चय करे वह रजिस्ट्रार के माध्यम से आवेदक को लिखित में उसकी सूचना देगा। सूचना में उन आधारों का कथन होगा जिनपर केन्द्रीय सरकार ऐसे निदेश जारी करने का प्रस्ताव करती है और आवेदक को यह सूचना देगी कि वह सुने जाने का हकदार हैं।

(2) जब तक कि उपनियम (1) में वर्णित सूचना की प्राप्ति से दो मास के भीतर रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्राधिकृत उपयोगकर्ता रजिस्ट्रार के माध्यम से सुनवाई के लिए आवेदन नहीं करता हैं तब तक केन्द्रीय सरकार यथास्थिति, आवेदन को अस्वीकार करने या उसे सशर्त स्वीकार करने का रजिस्ट्रार को निदेश नहीं दे सकेगी।

(3) यदि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्राधिकृत उपयोगकर्ता सुनवाई के लिए आवेदन करता है तो केन्द्रीय सरकार सुनवाई के लिए समय नियत करेगी और इस प्रकार नियत किए गए समय कम से कम एक मास की सूचना उन्हें देगी।

(4) अन्य पक्षकारों द्वारा मद्यक्षेप—माल के किसी वर्ग या वर्गों में रजिस्ट्रीकृत ऐसे भौगोलिक उपदर्शन में जिसके लिए माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन आवेदन किया गया है, हित का अभिकथन करने वाला कोई व्यक्ति अपने हित की प्रकृति का कथन करते हुए मद्यक्षेप करने की अनुमति के लिए प्रारूप भौ.उ. 26 में आवेदन कर सकेगा और केन्द्रीय सरकार संबद्ध पक्षकारों की सुनवाई के पश्चात् (यदि ऐसा अपेक्षित हो) ऐसी अनुमति प्रदान करने से इन्कार कर सकेगी या ऐसी शर्तों या निर्बंधनों पर जिनके अन्तर्गत ऐसे खर्चों के लिए प्रतिभूति के बारे में बचनबद्ध या शर्तें हैं जिन्हें वह अधिरोपित करने के लिए उचित समझे ऐसी अनुमति प्रदान कर सकेगी।

(5) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों, प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं और मद्यक्षेपियों यदि कोई हो, को सुनने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार इस बारे में विनिश्चय करेगी कि माल के वर्ग या वर्गों की बाबत रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन को अतिरिक्त संरक्षण विस्तारित किया जाए अथवा नहीं और किस सीमा तक विस्तारित किया जाए।

(6) रजिस्ट्रार, केन्द्रीय सरकार का निदेश प्राप्त होने पर, आवेदक और उन सभी पक्षकारों को जो कार्यवाहियों में उपसंजात हुए हैं आवेदन पर आदेशों की लिखित में संसूचना देगा।

(7) केन्द्रीय सरकार माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन आवेदन के संबंध में आदेश की संसूचना से तीन मास के भीतर भारत के राजपत्र में अपने समक्ष कार्यवाहियों की बाबत प्रवर्तनशील भाग को अधिसूचित करेगी।

81(1). रजिस्ट्रार में प्रविष्टि—जहां केन्द्रीय सरकार धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचित कतिपय माल या माल के वर्गों को अतिरिक्त संरक्षण का उपबंध करते हुए राजपत्र में अधिसूचित करती है वहां रजिस्ट्रार निदेश के अनुसार भौगोलिक उपदर्शन रजिस्टर के भाग क में अधिसूचना के परिवर्तनशील भाग की तीस दिन के भीतर रजिस्टर में प्रविष्टि करेगा।

(2) रजिस्ट्रार के भाग क में प्रविष्टि में उस तारीख का जिस पर अतिरिक्त संरक्षण के लिए आवेदन किया गया था; रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं के नाम, विवरण और भारत में कारबार के मुख्य स्थान का और यदि वे भारत में कोई कारबार नहीं करता है तो भारत में तामील के लिए उनके पते का कथन होगा।

अध्याय 8

प्रकीर्ण

82(क) एकल आवेदन :—(1) जहां माल के भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन किया जाता है वहां उसमें अन्तर्विष्ट माल के विनिर्देश में न्यूनतम संख्या से आरम्भ होने वाली क्रमवर्ती संख्या के क्रम में वर्ग और माल में प्रत्येक वर्ग के अधीन जो उस वर्ग में उपयुक्त हो, सूची भी वर्णित होगी।

(2) यदि भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए मूल आवेदन में अन्तर्विष्ट माल का विनिर्देश चौथी अनुसूची के किसी वर्ग या वर्गों के प्रतिनिर्देश करके सूचीबद्ध करता है जिसमें वे नहीं आते हैं रजिस्ट्रार आवेदक से यह अपेक्षा करेगा कि वह आवेदन को ऐसे वर्ग या वर्गों में जिससे आवेदन संबंधित है, विभाजन फीस के संदाय पर प्ररूप भौ. उ.-29 में विभाजित करे और उसके साथ ऐसे वर्ग की ऐसी फीस होगी जो समुचित हो।

(3) धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन फाइल किए गए आवेदन, जब उनके विज्ञापन किए जाने का आदेश दिया गया है भौगोलिक उपदर्शन जर्नल के एक अलग खंड में प्रकाशित किए जाएंगे।

(4) रजिस्ट्रार, धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन किए गए आवेदन की बाबत रजिस्ट्रीकरण का एकल प्रमाणपत्र जारी करेगा जिस पर रजिस्ट्रीकरण के लिए कार्रवाई की गई है।

(ख) विभाजन आवेदन (1) जहां एकल आवेदन के विभाजन के लिए धारा 15 के परंतुक के अधीन प्ररूप भौ. उ. 29 में कोई आवेदन किया जाता है वहां ऐसा आवेदन विभाजन फीस और ऐसी वर्ग फीसों के संदाय पर जो उपयुक्त हो, दो या अधिक पृथक आवेदनों में विभाजित किया जाएगा।

(2) आवेदक, रजिस्ट्रीकरण से पूर्व किसी समय रजिस्ट्रार से रजिस्ट्रीकरण के लिए अपने आवेदन के (मूल आवेदन) दो या अधिक पृथक आवेदनों में (विभाजन आवेदन) विभाजन के लिए अनुरोध कर सकेगा जिसमें प्रत्येक भाग के लिए माल के विनिर्देश का संकेत दिया जाएगा। रजिस्ट्रार प्रत्येक विभाजन आवेदन को उसे फाइल करने की तारीख के साथ जब मूल आवेदन फाइल किया गया था, रजिस्ट्रीकरण के लिए पृथक आवेदन के रूप में मानेगा।

(3) किसी वर्ग के कुछ माल को न कि पूरे माल को, विभाजित करने के अनुरोध की दशा में, उस विभाजन द्वारा सृजित पृथक आवेदन के लिए विभाजन फीस प्रस्तुत की जाएगी।

(4) यदि विभाजन करने के अनुरोध में आवश्यक फीस सम्मिलित नहीं है या कोई अन्य कमी है तो रजिस्ट्रार उस कमी को आवेदक को अधिसूचित करेगा आवेदक ऐसी किसी कमी को तीस दिन के भीतर ठीक करेगा। यदि आवेदक उपबंधित समय के भीतर उस कमी को ठीक करने में अमफल रहता है तो अनुरोध परित्यक्त किया गया समझा जाएगा और आवेदन पर उस अनुरोध पर ध्यान दिए बिना आगे कार्यवाही की जाएगी।

(5) जहां किसी आवेदन को विभाजित करने का अनुरोध प्राप्त होता है वहां रजिस्ट्रार यथास्थिति एक अतिरिक्त पृथक नया क्रम संख्या या संख्याएं समनुदेशित करेगा और वह मूल आवेदन के प्रति निर्देशित होगा। ऐसे अतिरिक्त पृथक आवेदन को फाइल करने की वही तारीख समनुदेशित की जाएगी जो मूल आवेदन की थी।

(6) शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि जब एकल आवेदन विभाजित किया जाता है तब कोई नया रजिस्ट्रीकरण नहीं किया जाएगा। इसके विपरीत पहले से फाइल किया गया आवेदन को अलग-अलग फाइलों में पृथक या विभाजित किया जाएगा।

83. समय का विस्तार :—(1) धारा 64 के अधीन समय के विस्तार के लिए आवेदन (जो अधिनियम में स्पष्टतः उपबंधित समय नहीं है या ऐसा समय नहीं है जिसके विस्तार के लिए नियमों में उपबंध किया गया है) प्ररूप भौ. उ.-30 में किया जाएगा।

(2) रजिस्ट्रार, उपनियम (1) के अधीन किए गए आवेदन पर यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं जिनमें आवेदित समय के विस्तार को न्यायोचित ठहराया जा सकता है, नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए, जहां अधिकतम समय सीमा विहित की गई है और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जिन्हें वे अधिरोपित करना ठीक समझे, समय को विस्तारित कर सकेगा और तदनुसार पक्षकारों को अधिसूचित करेगा तथा विस्तार ऐसी दशा में भी प्रदान किया जा सकता है जिसमें यद्यपि कोई कार्य करने के लिए या कार्यवाहियां चलाने के लिए समय जिसके लिए आवेदन किया गया है पहले ही समाप्त हो चुका है।

84. रजिस्ट्रार की वैबेकिक शक्ति का प्रयोग :—यह समय जिसके भीतर कोई व्यक्ति सुने जाने का अवसर प्रदान किए जाने के लिए धारा 61 के अधीन हकदार है सुने जाने की अपेक्षा के अपने विकल्प का प्रयोग करेगा, अधिनियम या नियमों में जैसा स्पष्टतः उपबंधित है उसके मिवाये, उम मूचना की तारीख से एक मास का होगा जो रजिस्ट्रार उस बात का अवधारण करने से पूर्व ऐसे व्यक्ति को देगा जिसके संदर्भ में ऐसा व्यक्ति सुने जाने का हकदार है। यदि उस मास के भीतर ऐसे व्यक्ति को सुने जाने की अपेक्षा की जाती है तब रजिस्ट्रार सुनवाई के लिए तारीख नियत करेगा और उसे दस दिन की सूचना देगा।

85. विनिश्चय की अधिसूचना :—अधिनियम या नियमों द्वारा उसे दी गई वैबेकिक शक्ति के प्रयोग में रजिस्ट्रार का विनिश्चय प्रभावित व्यक्ति को अधिसूचित किया जाएगा।

86. **संशोधन और प्रक्रिया में अनियमितता की शुद्धि :**—(1) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता से संबंधित कोई दस्तावेज, सूचना या अन्य अभ्यावेदन संशोधित किया जा सकेगा और प्रक्रिया में कोई अनियमितता जो रजिस्ट्रार की राय में किसी व्यक्ति के हितों को हानि पहुंचाए बिना दूर की जा सकेगी ठीक की जा सकेगी यदि रजिस्ट्रार ऐसे निबंधनों पर जो वह निर्देश ठीक और उचित समझे।

(2) रजिस्ट्रार यह अपेक्षा कर सकेगा कि भौगोलिक उपदर्शन के किसी आवेदन या समाकृति या किसी अन्य दस्तावेज या उससे संबंधित किसी अतिरिक्त विषय का, उसे अधिनियम की औपचारिक अपेक्षाओं के अनुसार लाने के लिए संशोधन किया जाएगा।

87. **निर्देशों का अन्यथा विहित न किया जाना:**—जहां रजिस्ट्रार की राय में, अधिनियम या नियमों के अधीन किन्हीं कार्यवाहियों के उचित अभियोजन या उनको पूरा करने के लिए किसी व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह कोई ऐसा कार्य करे कोई दस्तावेज फाइल करे या साक्ष्य प्रस्तुत करे जिसके लिए अधिनियम या नियमों द्वारा उपबंध नहीं किया गया है वहां रजिस्ट्रार लिखित सूचना द्वारा उस व्यक्ति से अपेक्षा कर सकेगा कि वह सूचना में विनिर्दिष्ट कार्य करे दस्तावेज फाइल करे या साक्ष्य प्रस्तुत करे।

88. **सुनवाई :**—(1) ऐसे भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् किया जाता है नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन रहते हुए आवेदन या अधिनियम और नियमों के अधीन कोई कार्यवाही उस दशा में जिसमें सुनवाई आवश्यक हो जाती है, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के ऐसे समुचित कार्यालय पर की जाएगी जिसमें धारा 11 की उपधारा (4) के अधीन ऐसा आवेदन किया गया था या उस कार्यालय की क्षेत्रीय अधिकारिता के भीतर ऐसे स्थान पर की जाएगी जिसमें रजिस्ट्रार उचित समझे।

(2) जहां रजिस्ट्रार की शक्तियों का प्रयोग करने वाला अधिकारी जिसने अधिनियम और नियमों के अधीन किसी मामले की सुनवाई की है, और उस पर आदेश आरक्षित किया है, रजिस्ट्री के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय को स्थानान्तरित कर दिया जाता है या कोई आदेश पारित करने से पूर्व या उस पर कोई विनिश्चय देने से पूर्व किसी अन्य नियुक्ति पर पदावनत कर दिया जाता है वहां वह, यदि रजिस्ट्रार ऐसे निर्देश दे, आदेश पारित कर सकेगा या विनिश्चय दे सकेगा मानो वह रजिस्ट्री के उस कार्यालय में अधिकारी बना रहा है जहां मामले की सुनवाई की गई थी।

रजिस्ट्रार द्वारा खर्चों का अधिनिर्णय

89. **अप्रतिवादित मामलों में खर्च:**—जहां नियमों के अधीन सम्यक रूप से संस्थित किसी विरोध का आवेदक द्वारा प्रतिवाद नहीं किया जाता है वहां रजिस्ट्रार इस बारे में विनिश्चय करते समय कि विरोधी को खर्चें दिलाए जाएं अथवा नहीं, इस बारे में विचार करेगा कि यदि विरोधी द्वारा आवेदक को विरोध की सूचना फाइल किए जाने से पूर्व युक्तियुक्त सूचना दी गई होती तो क्या उन कार्यवाहियों से बचा जा सकता था।

90. **नियम 89 का अपवाद :**—नियम 89 में किसी बात के होते हुए भी पहली अनुसूची की प्रविष्टि 7, 8 और 9 के अधीन विनिर्दिष्ट फीसों की बाबत खर्चें और कार्यवाहियों में प्रयुक्त शपथपत्रों पर लगाए गये और चिपकाए गए सभी स्टाम्पों के खर्चें स्थिति के अनुसार दिलाए जाएंगे।

91. **खर्चों का मापमान :**—नियम 89 और 90 के उपबंधों के अधीन रहते हुए रजिस्ट्रार के समक्ष सभी कार्यवाहियों में रजिस्ट्रार, अधिनियम द्वारा जैसा अन्यथा स्पष्टतः उपबंधित है, उसके सिवाये, ऐसे खर्चें अधिनिर्णित कर सकेगा जो उसके लिए अनुज्ञेय रकम से अधिक नहीं होंगे जिसे मामले की सभी परिस्थितियों का ध्यान में रखते हुए यह युक्तियुक्त समझे।

रजिस्ट्रार द्वारा विनिश्चय का पुनर्विलोकन

92. **रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन:**—धारा 60 के खंड (ग) के अधीन रजिस्ट्रार को उसके विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन ऐसे विनिश्चय की तारीख से एक मास के भीतर या उसके पश्चात् एक मास के अनधिक ऐसी और अवधि के भीतर जिसे रजिस्ट्रार अनुसंधान पर अनुज्ञात करे, प्ररूप भौ.उ. 31 में किया जाएगा तथा उसके साथ एक कथन होगा जिसमें वे आधार वर्णित होंगे जिन पर पुनर्विलोकन की ईप्सा की गई है। जहां प्रश्नगत विनिश्चय आवेदक के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति से संबंधित है वहां ऐसा आवेदन और कथन तीन प्रतियों में दिए जाएंगे और रजिस्ट्रार तत्काल आवेदन और कथन की एक-एक प्रति संबद्ध अन्य व्यक्ति को भेजेगा। रजिस्ट्रार पक्षकारों को सुने जाने का अवसर प्रदान करने के पश्चात् आवेदन को खारिज कर सकेगा या सशर्त या ऐसी किन्हीं शर्तों या मर्यादाओं के अधीन रहते हुए जिनमें वे ठीक समझे, आवेदन मंजूर कर सकेगा।

शपथ पत्रों

93. **शपथ पत्रों के प्ररूप आदि :**—(1) अधिनियम और नियमों के अधीन जिन शपथपत्रों की बाबत यह अपेक्षित है कि वे भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में फाइल किए जाएं या रजिस्ट्रार को दिए जाएं, वे उस मूरत में के सिवाय, जिसमें कि दूसरी अनुसूची में अन्यथा उपबंधित है, उस बात या बातों वाले शीर्षक से होंगे, जिससे या जिनसे कि वे सम्बद्ध हैं, उत्तम पुरुष ने लिखे होंगे और क्रमवार संख्या वाले पैराओं में विभाजित होंगे; और प्रत्येक पैरा या वाक्यांश एक बात तक परिमिता होगा और प्रत्येक शपथपत्र में उसे करने वाले व्यक्ति का अभिवर्णन और उसका सही निवास स्थान दिया होगा, उसे फाइल करने वाले व्यक्ति का नाम और पता उसमें दिया होगा और उसमें यह भी कथित होगा कि किस की ओर से वह फाइल किया गया है।

(2) जहां कि दो या दो से अधिक व्यक्ति शपथपत्र में सम्मिलित होते हैं वहां उनमें से प्रत्येक पृथक्कृतः ऐसे तथ्यों का अभिव्याख्य देगा जो उनके निजी ज्ञान में हैं और वे तथ्य पृथक् पैराओं में दिए जाएंगे।

(3) शपथपत्र—

(क) भारत में ऐसे किसी न्यायालय के या व्यक्ति के समक्ष, जिसे साक्ष्य लेने का प्राधिकार विधि द्वारा प्राप्त है, या ऐसे किसी अधिकारी के समक्ष जो उपर्युक्त जैसे न्यायालय द्वारा शपथ दिलाने के लिए या शपथपत्र कराने के लिए सशक्त है, कराए जाएंगे।

(ख) भारत के बाहर किसी देश या स्थान में राजनयिक और कौंसलीय आफिसर (शपथ और फीस) अधिनियम, 1948 के अर्थ में ऐसे देश या स्थान के राजनयिक या कौंसलीय आफिसर के समक्ष या ऐसे देश या स्थान के नोटरी पब्लिक के समक्ष या किसी न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट के समक्ष किए जाएंगे।

(4) जिस व्यक्ति के सामने शपथपत्र किया जाएगा, वह उस तारीख को, जिस पर और उस स्थान को, जहां शपथपत्र किया गया है, लिख देगा और यदि उसकी अपनी मुद्रा है, तो उसे उस पर लगाएगा या उस न्यायालय की मुद्रा लगाएगा जिसमें वह संलग्न है, और उसके अन्त में अपना नाम और अभिवर्णन देकर हस्ताक्षर करेगा।

(5) उस शपथपत्र को, जिसकी बाबत यह प्रकटतः तात्पर्यित है कि उस पर इस बात के परिसाक्ष्य स्वरूप कि वह उस व्यक्ति के समक्ष किया गया है, जो शपथपत्र कराने के लिए उपनियम (3) द्वारा प्राधिकृत है, ऐसे व्यक्ति की मुद्रा लगी हुई या हस्ताक्षर किया हुआ है, रजिस्ट्रार उस मुद्रा या हस्ताक्षर के असल होने की या उस व्यक्ति की पदीय हैसियत के सबूत ग्रहण कर सकेगा।

(6) परिवर्तन और पंक्तियों के बीच लिखी बातों को इससे पूर्व कि शपथपत्र सौगन्ध लेकर या प्रतिज्ञान करके किया जाए, उस व्यक्ति के आद्याक्षरों द्वारा अधिप्रमाणित किया जाएगा जिस के समक्ष शपथपत्र किया गया है।

(7) जहां कि अभिसाक्ष्यकर्ता निरक्षर अन्धा या उस भाषा से अपरिचित है जिसमें शपथपत्र लिखा गया है वहां शपथपत्र कराने वाले व्यक्ति द्वारा यह प्रमाण पत्र कि शपथपत्र उसके समक्ष अभिसाक्ष्यकर्ता को पढ़कर सुनाया गया, उसके वास्ते उसका अनुवाद किया गया या उसकी व्याख्या की गई और प्रतीत हुआ कि अभिसाक्ष्यकर्ता उसे पूर्णतः समझता है और यह कि अभिसाक्ष्यकर्ता ने मेरी उपस्थिति में अपने हस्ताक्षर किए या चिन्ह बनाया, शपथपत्र के निचले भाग में दिया होगा।

(8) अधिनियम या नियमों के अधीन वाली किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में जो शपथपत्र रजिस्ट्रार के समक्ष फाइल किया जाता है वैसा प्रत्येक शपथपत्र तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार लगाने वाले स्टाम्प पर होगा।

जनता द्वारा दस्तावेजों का निरीक्षण

94. दस्तावेजों का निरीक्षण :—धारा 78 की उपधारा (1) में वर्णित दस्तावेजों निरीक्षण के लिए भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के मुख्य कार्यालय में प्राप्य रहेंगी। रजिस्ट्रार की और धारा 78 में वर्णित ऐसी अन्य दस्तावेजों की प्रति जैसी कि केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिमूखना द्वारा निर्दिष्ट करे, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के प्रत्येक शाखा कार्यालय में जब भी उसकी स्थापना होती है, निरीक्षण के लिए प्राप्त रहेगी। निरीक्षण विहित फीस दिए जाने पर और उन सभी दिनों में, जिन में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय जनता के लिए बंद नहीं रहता, ऐसे समयों पर जैसे कि रजिस्ट्रार नियम करे, किया जाएगा।

95. जर्नल और अन्य दस्तावेजों की प्रतियों का वितरण :—केन्द्रीय सरकार रजिस्ट्रार को निदेश दे सकेगी कि वह जर्नल और किसी अन्य दस्तावेज को, जिसे वह आवश्यक समझती है, ऐसे स्थानों में वितरित करे जैसे कि केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों से विचार विमर्श करके नियमत करे और राजपत्र में समय समय पर अधिसूचित करे।

प्रमाणपत्र

96. दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां :—रजिस्ट्रार में कि किसी प्रविष्टि की प्रमाणित प्रतियां या धारा 78 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट किसी दस्तावेज की या रजिस्ट्रार के किसी विनिश्चय या आदेश की प्रमाणित प्रतियां या [धारा 16 की उपधारा (2) के अधीन वाले प्रमाणपत्र से भिन्न] प्रमाणपत्र जो कि ऐसी किसी प्रविष्टि, बात या चीज से सम्बद्ध है जिसे कि रजिस्ट्रार अधिनियम या नियमों द्वारा करने के लिए प्राधिकृत अपेक्षित है, रजिस्ट्रार विहित फीस सहित उसके लिए किसी व्यक्ति द्वारा प्ररूप भौ.उ. 19 में किए गए आवेदन की प्राप्ति पर दे सकेगा। किसी प्रमाणपत्र या प्रमाणित प्रति में किसी भौगोलिक उपदर्शन की प्रति सम्मिलित करने के लिए रजिस्ट्रार उस सूरत में के सिवाय बाध्य न होगा जिसमें कि आवेदक ने भौगोलिक उपदर्शन की ऐसी नकल जैसी कि इस प्रयोजन के लिए समुचित है, उसे दे दी है :

परंतु रजिस्ट्रार पूर्व वर्णित शीघ्र निष्पादित प्रमाणित प्रतियां उनके लिए सामान्य फीस के पान्च गुने के मदाय पर उस आशय के लिए प्राप्त प्ररूप भौ.उ. 23 में निवेदन पर पंद्रह कार्य दिवसों के भीतर दे सकेगा।

97. विदेश में रजिस्ट्रीकरण कराने के वास्ते काम में लाए जाने के लिए प्रमाणपत्र :—(1) जहां कि भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण संबंधी कोई प्रमाणपत्र इस दृष्टि से चाह जाता है कि भारत से बाहर वाले किसी राज्यक्षेत्र में रजिस्ट्रीकरण कराने के लिए वह काम में लाया जा सके वहां रजिस्ट्रार प्रमाणपत्र में भौगोलिक उपदर्शन की एक नकल सम्मिलित करेगा और प्रमाणपत्र के आवेदक से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह आवेदक इस प्रयोजन के लिए समुचित भौगोलिक उपदर्शन की नकल रजिस्ट्रार को दे, और यदि आवेदक वैसा करने में अमफल रहता है, तो रजिस्ट्रार प्रमाणपत्र देने से इंकार कर सकेगा।

(2) जहां कि भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकरण रंगसंबंधी मर्यादा के बिना किया जाता है, वहां प्रमाणपत्र में सम्मिलित किए जाने वाले भौगोलिक उपदर्शन की नकल या तो उस रंग में हो सकेगी जिसमें कि वह रजिस्टर में दिखाया गया है या किसी अन्य रंग या रंगों में हो सकेगी और प्रमाणपत्र में यह कथित किया जाएगा कि भौगोलिक उपदर्शन रंग की मर्यादा के बिना रजिस्ट्रीकृत है।

(3) रजिस्ट्रार प्रमाणपत्र में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण से सम्पृक्त ऐसी विशिष्टियां देगा, जैसी कि उसे ठीक लगती है और रजिस्टर में दिए हुए किन्हीं दावात्यागों के प्रति निदेशों को उसमें लुप्त कर सकेगा। जिस प्रयोजन के लिए प्रमाणपत्र दिया गया है, वह प्रयोजन उसमें कथित किया जाएगा।

बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड में अपीलें

98. अपील के लिए समय:—(1) अधिनियम या नियमों के अधीन जो कोई विनिश्चय रजिस्ट्रार ने किया है उसकी अपील ऐसे विनिश्चय की तारीख से तीन मास के भीतर या ऐसे अतिरिक्त समय में, जैसा कि बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड समनुज्ञात करे, बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड में की जाएगी।

(2) अधिनियम अथवा नियमों के अधीन बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड से किए गए प्रत्येक आवेदन की प्रति की तामील रजिस्ट्रार पर की जाएगी।

मान्यता का प्रमाणपत्र

99. मान्यता के प्रमाणपत्र का टीप लिया जाना:—जहां कि बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड ने रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन की मान्यता के संबंध में, प्रमाण धारा 72 में यथा उपबंधित रूप में दिया है, वहां उसका रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी रजिस्ट्रार से प्ररूप भौ.उ. 27 में यह निवेदन कर सकेगा कि रजिस्टर में की प्रविष्टि में यह टिप्पण बढ़ाया जाए कि मान्यता का प्रमाणपत्र, जिसकी विशिष्टियां निवेदन में दी जाएगी, कार्यवाहियों के दौरान अनुदत्त किया गया है। प्रमाणपत्र की जो प्रति राजकीय रूप से प्रमाणित है वह इस निवेदन के साथ भेजी जाएगी और रजिस्ट्रार रजिस्टर में उस आशय का एक टिप्पण अभिलिखित करेगा और उस टिप्पण को जर्नल में प्रकाशित करेगा।

प्रदर्श लौटाना और अभिलेख नष्ट करना

100. प्रदर्श लौटाना:—(1) जहां कि अधिनियम या नियमों के अधीन किसी विषय या कार्यवाही में पेश किए गए प्रदर्श की आवश्यकता भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय में आगे के लिए नहीं रहती, वहां रजिस्ट्रार सम्पृक्त पक्षकार को समाहृत कर सकेगा कि यथास्थिति प्रदर्श रजिस्ट्रार द्वारा उल्लिखित समय के भीतर वापस ले जाएं और यदि पक्षकार वैसा करने में असफल रहता है, तो यथास्थिति ऐसे प्रदर्श के साथ नीचे उपनियम (2) में वर्णित रीति से व्यवहार किया जाएगा।

(2) जहां कोई प्रदर्श किसी कार्यवाही में पेश किए जा चुके हैं, वहां रजिस्ट्रार उस अवस्था में, जिसमें कि उसका यह समाधान हो जाता है कि उनका रखा जाना अब आवश्यक नहीं है, अधिसूचित तारीख से छह मास की समाप्ति के पश्चात् उन्हें नष्ट करा देगा।

101. अभिलेख नष्ट किए जाएंगे:—जहां कि भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन प्रत्याहृत, परित्यक्त या खारिज कर दिया जाता है या कोई भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता रजिस्टर से हटा दिया जाता है, वहां रजिस्ट्रार यथास्थिति आवेदन के प्रत्याहृत या परित्यक्त या खारिज किए जाने के पश्चात् या रजिस्टर में भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के हटाये जाने के पश्चात् तीन वर्ष की समाप्ति पर भौगोलिक उपदर्शन या संबंध उपयोगकर्ता के लिए आवेदन संबंधी सब अभिलेखों को या उनमें से किसी को नष्ट करा देगा।

भाग 2

भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता का रजिस्ट्रीकरण

102. भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता का रजिस्टर:—भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं का एक रजिस्टर रखेगा जिसमें प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता का नाम उसके निवास स्थान का पता, कारबार के मुख्य स्थान का पता, राष्ट्रीयता, अर्हताएं और रजिस्ट्रीकरण की तारीख प्रविष्ट की जाएगी।

103. विद्यमान रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता का रजिस्ट्रीकरण:—(1) प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जिसका नाम, अधिसूचित तारीख को व्यापार चिन्ह नियम, 2001 के अधीन रखे गए। व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में है नियम 104 के अधीन रहते हुए अधिनियम और नियमों के अधीन भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किया गया समझा जाएगा।

(2) उप नियम (1) के अधीन रजिस्ट्रीकृत समझे गए भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के बने रहने की फीस अधिसूचित तारीख से ही संदेय होगी।

(3) रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के लिए ड्रेस कोड प्रकाशित कर सकेगा।

(4) रजिस्ट्रार, जर्नल में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के लिए आचार संहिता प्रकाशित कर सकेगा।

104. रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हताएं:—(1) नियम 105 को उपबंधों के अधीन रहते हुए, कोई व्यक्ति भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए अर्हति समझा जाएगा यदि वह :—

- (i) भारत का नागरिक है ;
- (ii) 21 वर्ष से कम आयु का नहीं है ;
- (iii) उसने नियम 108 में विहित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या वह अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के अर्थ में अधिवक्ता है ;
- (iv) भारत में किसी विश्वविद्यालय का स्नातक है या तत्समान अर्हता रखता है ; और
- (v) रजिस्ट्रार द्वारा भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए योग्य और उचित व्यक्ति समझा जाता है ।

105 वे व्यक्ति जिनका रजिस्ट्रीकरण विवर्जित है :—ऐसा कोई व्यक्ति भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र नहीं होगा यदि वह:—

- (i) सक्षम न्यायालय द्वारा विकृत चित्त या न्यायनिर्णीत कर दिया गया है ;
- (ii) अननुमोचित दिवालिया है ;
- (iii) अननुमोचित दिवालिया होते हुए उसने न्यायालय से इस आशय का प्रमाणपत्र नहीं प्राप्त किया है कि उसकी ओर से कोई अवचार किए बिना वह दुर्भाग्यवश दिवालिया हो गया था ;
- (iv) भारत के अंदर या भारत से बाहर किसी सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसे अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है जो निर्वासन या कारावास से दण्डनीय है, जब तक कि वह जिस अपराध के लिए सिद्धदोष हुआ है उसके लिए उसे क्षमा नहीं मिल गया है या जब तक केन्द्रीय सरकार ने, इस निमित्त किए गए आवेदन पर, उसकी निरयोग्यता को हटा नहीं दिया है ;
- (v) विधि व्यवसायी होते हुए वृत्ति संबंधी अवचार का दोषी भारत में के किसी उच्च न्यायालय द्वारा या भारत की सीमाओं से बाहर वाले किसी न्यायालय द्वारा ठहराया गया है ;
- (vi) चार्टर्ड एकाउंटेंट या कंपनी सचिव होते हुए किसी उच्च न्यायालय द्वारा उपेक्षा या अवचार का दोषी ठहराया गया है ; या
- (vii) रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता होते हुए रजिस्ट्रार द्वारा वृत्तिक अवचार का दोषी ठहराया गया है ।

106 आवेदन करने की रीति :—नियम 4 के उपनियम (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, इस भाग के उपबंधों के अधीन सभी आवेदन तीन प्रतियों में किए जाएंगे और उस भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री को भेजे या उसमें उपस्थित किए जाएंगे जिसकी प्रादेशिक सीमाओं के भीतर आवेदक के कारबार का मुख्य स्थान स्थित है ।

107. भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन:—(1) भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में अपना रजिस्ट्रीकरण चाहने वाला प्रत्येक व्यक्ति प्ररूप भौ.उ.-88 में आवेदन करेगा ।

(2) आवेदक अपने आवेदन विषयक ऐसी अतिरिक्त जानकारी देगा जैसी देने की अपेक्षा उससे रजिस्ट्रार किसी समय करे ।

108. आवेदन पर प्रक्रिया और अर्हक अपेक्षाएं:—(1) रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में किसी व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि आवेदक विहित अर्हताओं को पूरा करता है एक तारीख नियत करेगा जिस पर अभ्यर्थी उसके समक्ष भौगोलिक उपदर्शन विधि, पद्धति और प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के लिए उपस्थित होगा और उसके पश्चात् साक्षात्कार होगा । अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वह अधिनियम और नियमों के उपबंधों की विस्तृत जानकारी और भौगोलिक उपदर्शन की विधि के तत्वों की जानकारी रखता हो ।

(2) लिखित परीक्षा के लिए और साक्षात्कार के लिए अर्हक अंक क्रमशः 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत होंगे तथा अभ्यर्थी को परीक्षा में उत्तीर्ण तभी घोषित किया जाएगा जब उसने कुल अंकों के कुल मिलाकर 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों ।

109. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र:—अभ्यर्थी का साक्षात्कार हो जाने और उसके आवेदन पर की कोई अन्य जानकारी अभिप्राप्त हो जाने के पश्चात् जिसे रजिस्ट्रार आवश्यक समझे, और यदि रजिस्ट्रार आवेदक को भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र या अर्हति समझता है तो वह आवेदक को इस आशय की एक सूचना भेजेगा और इस प्रकार सूचित कोई व्यक्ति प्ररूप भौ.उ.-39 में विहित फीस का संदाय भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के अपने रजिस्ट्रीकरण के लिए कर सकेगा । ऐसे फीस की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रार आवेदक के नाम को भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रविष्ट कराएगा और भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में उसके रजिस्ट्रीकरण का प्ररूप आ.-4 में उसे प्रमाणपत्र जारी करेगा ।

110. भौगोलिक उपदर्शन के अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किसी नाम का बनाव रहना:—भौगोलिक अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के बने रहने की यह शर्त होगी कि इस निमित्त विहित फीस प्ररूप भौ.उ.-40 में देता रहे ।

111. भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर से अभिकर्ता का नाम हटाया जाना:—(1) रजिस्ट्रार, ऐसे किसी रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के नाम को भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर से हटा सकेगा—

(क) जिससे इस आशय की प्रार्थना मिली है ; या

(ख) जिससे उस तारीख से, जिस पर वार्षिक फीस शोध्य होती है, तीन मास की समाप्ति पर वार्षिक फीस प्राप्त नहीं हुई है।

(2) रजिस्ट्रार, राष्ट्रीयकृत भौगोलिक उपदर्शन के ऐसे किसी अभिकर्ता का नाम भौगोलिक उपदर्शन के अभिकर्ताओं के रजिस्टर से हटा देगा—

(क) जिसकी बाबत यह पाया जाता है कि वह अपने रजिस्ट्रीकरण के समय नियम 105 के खंड (1) से लेकर खंड (vi) तक में कथित नियोग्यताओं में से किसी के अधीन है या तत्पश्चात् हो गया है ; या

(ख) जिसकी बाबत रजिस्ट्रार ने इस कारण कि उसने अपनी वृत्तिक हैसियत में उपेक्षापूर्ण अवचार या बेईमानी का कोई काम किया है, यह घोषित किया है कि वह व्यक्ति रजिस्टर में बने रहने के लिए अयोग्य और अनुचित व्यक्ति है ,

(ग) जिसका नाम रजिस्टर में भूल से या दूर्व्यपदेशन के कारण या किसी तात्त्विक तत्व को छुपाने के कारण प्रविष्ट किया गया है।

परंतु खंड (ख) और खंड (ग) के अधीन ऐसी घोषणा करने के पूर्व रजिस्ट्रार संबद्ध व्यक्ति को यह हेतु संदर्शित करने के लिए समाहूत करेगा कि उसके रजिस्ट्रीकरण को अपखंडित क्यों न कर दिया जाए और वह ऐसी अतिरिक्त जांच भी यदि कोई हो, करेगा, जैसी कि वह आवश्यक समझता है।

(3) रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से ऐसे किसी रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता का नाम हटा देगा, जो मर चुका है।

(4) यह बात कि भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से किसी व्यक्ति का नाम हटा दिया गया है राजपत्र और जर्नल में अधिसूचित की जाएगी और जहां भी सभव हो उसकी ससूचना संबद्ध व्यक्ति को दी जाएगी।

112. कतिपय अभिकर्ताओं के साथ व्यवहार करने से इंकार करने की रजिस्ट्रार की शक्ति:—(1) रजिस्ट्रार निम्नलिखित को मान्यता देने से इंकार कर सकेगा।

(क) ऐसा कोई व्यक्ति जिसका नाम रजिस्टर से हटा दिया गया है और प्रत्यावर्तित नहीं किया गया है ,

(ख) ऐसा कोई व्यक्ति जो भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं है और जो रजिस्ट्रार की राय में भारत में या अन्यत्र उस व्यक्ति के नाम में या उसके लाभ के लिए जिसके द्वारा वह नियोजित किया जाता है भौगोलिक उपदर्शन को उपयोजित करने के लिए आवेदन करने में अभिकर्ता के रूप में पूर्णतः, या प्रधानतः लगा है;

(ग) कोई कंपनी या फर्म, यदि कोई व्यक्ति जिसे रजिस्ट्रार इन नियमों के अधीन किसी कारबार की बाबत अभिकर्ता के रूप में मान्यता देने से इंकार कर सकता था, कंपनी के निदेशक या प्रबंधक के रूप में कार्य कर रहा है या उस फर्म में भागीदार है।

(2) रजिस्ट्रार इस नियम के अधीन किसी कारबार की बाबत ऐसे किसी व्यक्ति को अभिकर्ता के रूप में मान्यता देने से भी इंकार करेगा जो न तो भारत में निवास करता है और न कारबार का उसका कोई स्थान है।

113. हटाए गए नामों का प्रत्यावर्तन:—जिस व्यक्ति का नाम नियम 111 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अधीन हटाया जा चुका है भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से उसका नाम हटाए जाने की तारीख से छः मास के भीतर उस व्यक्ति से पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट फीस सहित आवेदन प्ररूप भौ उ -41 में प्राप्त होने पर भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रत्यावर्तित कर सकेगा और उस तारीख से, जिसको उसकी अंतिम वार्षिक फीस शोध्य हुई थी, एक वर्ष की कालावधि के लिए उसका नाम उस रजिस्टर में रहने दे सकेगा।

114 भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में परिवर्तन:—(1) भौगोलिक उपदर्शन का अभिकर्ता भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रविष्ट अपने नाम, निवास स्थान के पते, कारबार के मुख्य स्थान के पते, या अर्हताओं में परिवर्तन के लिए आवेदन प्ररूप भौ उ -42 में कर सकेगा। ऐसे आवेदन और उस निमित्त विहित फीस की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में आवश्यक परिवर्तन कराएगा।

(2) भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किया गया प्रत्येक परिवर्तन जर्नल में अधिसूचित किया जाएगा।

115 भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर का प्रकाशन:—भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं का रजिस्टर और उसकी परिपूर्ण सूची समय समय पर, कम से कम दो वर्ष में एक बार और जैसा कि रजिस्ट्रार ठीक समझता है प्रकाशित किया जाएगा, इसमें की प्रविष्टियां रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के अभिकर्ताओं के उपनामों का वर्णानुक्रम के अनुसार क्रमबद्ध किया जाएगा, और उसकी प्रतिया विक्रयार्थ रखी जाएगी।

116 अपील:—इन नियमों के भाग 2 के अधीन भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्ट्रीकरण के संबंध में रजिस्ट्रार के किसी आदेश या विनिश्चय से कोई अपील बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड को होगी और अपील बोर्ड का विनिश्चय अंतिम और आबद्धकर होगा।

पहली अनुसूची
[नियम 10 (1) देखें]

प्रविष्टि संख्या	किस पर संदेय है	रकम रुपयों में	तत्स्थानी प्ररूप संख्या
1	2	3	4
1.	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर [धारा 11 (1), नियम 23 (2)]	10,000	भौ. उ.—1
2.	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए अभिसमय देश से आवेदन पर [धारा 11 (1), 84 (1), नियम 23 (3)]	10,000	भौ. उ.—2
3.	विभिन्न वर्गों में माल के भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन पर [धारा 11 (3), नियम 23 (5)]	प्रत्येक वर्ग के लिए 10,000	भौ. उ.—3
4.	विभिन्न वर्गों में माल के भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी अभिसमय देश से एकल आवेदन पर [धारा 11 (3), 84 (1), नियम 23 (4)]	प्रत्येक वर्ग के लिए 10,000	भौ. उ.—4
5.	विनिश्चय के आधारों का कथन करने के लिए नियम 35(1) के अधीन अनुरोध पर	1000	भौ. उ.—5
6.	जर्नल में भौगोलिक उपदर्शन के विज्ञापन पर, नियम 38(1)	प्रत्येक वर्ग के लिए 20,000	भौ. उ.—6
7.	धारा 14 (1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के विरोध या धारा 17 (3), (ड.), के अधीन प्राधिकृत उपयोगकर्ता के विरोध की सूचना पर	प्रत्येक वर्ग के लिए 2,500	भौ. उ.—7
8.	विरोध किए गए प्रत्येक आवेदन के धारा 14 (2) या धारा 17 (3), (ड.), के अधीन विरोध की सूचना के उत्तर में और या प्रत्येक भौगोलिक उपदर्शन की बाबत धारा 27 के अधीन आवेदन के उत्तर में या धारा 29 के अधीन विरोध की सूचना के उत्तर में प्रतिकथन पर	1,500	भौ. उ.—8
9.	धारा 14 धारा 17 (3) (ड.), धारा 27, धारा 29, नियम 50, नियम 58, नियम 66 और नियम 72 के अधीन सुनवाई में उपस्थित होने के इरादे का नोटिस मिलने पर	1,000	भौ. उ.—9
10.	भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध पर नियम 53 (1)	50,000	भौ. उ.—10
11.	धारा 17, नियम 56(1) के अधीन रजिस्ट्रीकरण भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर	10,000	भौ. उ.—11
12.	प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध पर—नियम 59(1)	5,000	भौ. उ.—12
13.	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के, अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति पर धारा 18(1) के अधीन नवीकरण के लिए नियम 60(1)	1,00,000	भौ. उ.—13
14.	रजिस्टर से हटाए गए भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के प्रत्यावर्तन के लिए धारा 18 (5) के अधीन आवेदन पर नियम 63	5,000 + लागू नवीकरण फीम	भौ. उ.—14
15.	भौगोलिक उपदर्शन के अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति से छह मास के भीतर धारा 18 (4) के परंतुक और नियम 62 के परंतुक के अधीन नवीकरण के लिए आवेदन पर	10,000	भौ. उ.—15
16.	एक वर्ग की बाबत नियम 22 के अधीन तलाशी के लिए	1,000	भौ. उ.—16

1	2	3	4
17.	सिवाय वहां के जहां भारत में किसी लोक प्राधिकारी के किसी आदेश के परिणामस्वरूप या विधि के अनुसार किसी कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप कोई अनुरोध किया जाता है, लेखन की गलती की शुद्धि के लिए या संशोधन के लिए अनुरोध पर	5,00	भौ. उ.—17
18.	रजिस्टर के परिशोधन के लिए धारा 27 के अधीन या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए या रजिस्टर में अभिलिखित नियम 32 (1) के अधीन मामले के विवरण को निकालने या परिवर्तित करने के लिए आवेदन पर— नियम 65	5,000	भौ. उ.—18
19.	रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए अनुरोध पर [धारा 69 या धारा 78(1) के अधीन प्रमाणपत्र से भिन्न] नियम 96	1,000	भौ. उ.—19
20.	भौगोलिक उपदर्शनों या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्टर में कारबार के मुख्य स्थान के या भारत में निवास के पते में या विदेश में स्वदेश के पते में परिवर्तन के लिए अनुरोध पर, धारा 28, नियम 69	1,000	भौ. उ.—20
21.	रजिस्टर में भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी के नाम या विवरण में तब्दीली की प्रविष्टि करने के लिए अनुरोध पर	1,000	भौ. उ.—21
22.	पक्षकथन के समर्थन में शपथपत्र या अधिनियम या नियमों के अधीन अपेक्षित अन्य दस्तावेजों पर	कोई फीस नहीं	भौ. उ.—22
23.	नियम 96 के परन्तुक के अधीन रजिस्ट्रार का प्रमाणपत्र जारी करने में शीघ्रता के लिए अनुरोध पर	5,000	भौ. उ.—23
24.	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के नाम, पते पर विवरण में किसी त्रुटि की शुद्धि के लिए अनुरोध पर (धारा 28क)	1,000	भौ. उ.—24
25.	रजिस्टर में किसी प्रविष्टि के रद्दकरण या माल को उससे काट देने के लिए आवेदन पर [धारा 28(ग) या (घ)]	1,000	भौ. उ.—25
26.	रजिस्टर के परिशोधन से संबंधित कार्यवाहियों में मध्यक्षेप करने की अनुमति के लिए या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए आवेदन पर नियम 67 और नियम 80(4)	5,000	भौ. उ.—26
27.	रजिस्टर में प्रविष्टि और अपील बोर्ड के विधिमान्यता प्रमाणपत्र के टिप्पण के विज्ञापन के लिए अनुरोध पर (नियम 99)	200	भौ. उ.—27
28.	प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए रजिस्टर के भाग ख के परिशोधन के लिए आवेदन पर धारा 27, नियम 65	1,000	भौ. उ.—28
29.	धारा 15 के परन्तुक और नियम 23(7) के अधीन विभिन्न वर्गों में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किए गए आवेदन के विभाजन पर	1,000	भौ. उ.—29
30.	ऐसे समय के विस्तार के लिए जो अधिनियम में अभिव्यक्त उपबंधित या नियमों में विहित समय नहीं है, आवेदन पर नियम 83	500	भौ. उ.—30
31.	रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन पर	1,000	भौ. उ.—31
32.	भौगोलिक उपदर्शन के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिए रजिस्ट्रार को अनुरोध पर	300	भौ. उ.—32
33.	प्रमाणपत्र की दूसरी या और प्रति के लिए रजिस्ट्रार को अनुरोध पर	500	भौ. उ.—33

1	2	3	4
34	विरोध की सूचना फाइल करने के लिए समय के विस्तार के लिए आवेदन पर [धारा 14(1), धारा 17(3)(ड), धारा 29(2) नियम 41(5)]	1,000	भौ उ —34
35	प्राधिकृत उपयोगकर्ता के नवीकरण के लिए धारा 18(2), नियम 60(1)	5,000	भौ उ —35
36	रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन में जोड़ने या परिवर्तित करने की अनुमति के लिए आवेदन पर (सिवाय वहां के जहां किसी लोक प्राधिकारी के किसी आदेश के परिणामस्वरूप या किसी कानूनी अपेक्षा के फल स्वरूप) आवेदन किया जाता है। धारा 29	1,000	भौ उ —36
37	कतिपय माल को अतिरिक्त संरक्षण के लिए रजिस्ट्रार को आवेदन पर । धारा (22)(2), नियम 77(1)	5,00,000	भौ उ —37
38	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर—नियम 107	5,000	भौ उ —38
39	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध पर—नियम 109	5,000	भौ. उ —39
40	नियम 110 के अधीन भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम को बनाए रखने के लिए —प्रत्येक वर्ष के लिए (पहले वर्ष को छोड़कर) प्रत्येक वर्ष में 1 अप्रैल को संदत्त की जाएगी। —1 अप्रैल और 30 सितम्बर के बीच किसी समय रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की दशा में, पहले वर्ष के लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए फीस के साथ संदत्त की जाएगी। टिप्पणी —इस प्रयोजन के लिए वर्ष अप्रैल के पहले दिन को प्रारंभ होगा और अगली मार्च के 31वें दिन समाप्त होगा	5,000	भौ उ —40
41	नियम 113 के अधीन भौगोलिक उपदर्शनों के लिए रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन पर	5,000 + प्रविष्टि 40 के अधीन जारी रखने की फीस	भौ उ —41
42	नियम 114 के अधीन भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी प्रविष्टि के परिवर्तन के लिए आवेदन पर	500	भौ उ —42
43	अधिनियम के अधीन किसी विषय या कार्यवाही में अभिकर्ता के प्राधिकरण का प्ररूप—धारा 76 नियम 20		भौ. उ —43
44	किसी प्रतिवादित कार्यवाही में किसी अंतरवर्ती विषय पर रजिस्ट्रार का आदेश अभिप्राप्त करने हेतु याचिका पर (जो अन्यथा प्रभारित नहीं है)	500	
45	धारा 78(1) में वर्णित दस्तावेज का निरीक्षण करने के लिए— (क) किसी विशिष्ट भौगोलिक उपदर्शन या उसके प्राधिकृत उपयोगकर्ता के संबंध में प्रत्येक घण्टे या उसके भाग के लिए (ख) कम्प्यूटर में खोज (जब उपलब्ध कराया जाए) प्रत्येक 15 मिनट के लिए (ग) धारा 78 में वर्णित अनुक्रमणिका की खोज, प्रत्येक घण्टे या उसके भाग के लिए	200 200 200	
46	दस्तावेजों की कापी करने के लिए (फोटोकापी या टंकित) प्रत्येक पृष्ठ या एक पृष्ठ से अधिक उसके भाग के लिए	5	

दूसरी अनुसूची

प्ररूप

(प्ररूपों की सूची)

प्ररूप सं.	अधिनियम की धारा	नाम	प्रविष्टि सं.
1	2	3	4
भौ. उ.—1	धारा 11 (1), नियम 23 (2)	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	1
भौ. उ.—2	धारा 11 (1), धारा 84 (1), नियम 23 (3)	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी अभिसमय देश से आवेदन	2
भौ. उ.—3	धारा 11 (3), नियम 23 (5)	विभिन्न वर्गों में माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन	3
भौ. उ.—4	धारा 11 (3), धारा 84 (1), नियम 23 (4)	विभिन्न वर्गों के माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी अभिसमय देश से एकल आवेदन	4
भौ. उ.—5	नियम 35(1)	विनिश्चय के आधारों के कथन के लिए अनुरोध	5
भौ. उ.—6	धारा 13 (1) नियम 38(1)	जर्नल में भौगोलिक उपदर्शन का विज्ञापन	6
भौ. उ.—7	धारा 14 (1), धारा 7 (3) (ड.), नियम 41	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के विरोध या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के विरोध की सूचना	7
भौ. उ.—8	धारा 14 (2) या धारा 17 (3), (ड.), धारा 27 और धारा 29, नियम 43 (1) नियम 58	प्रतिकथन पर प्ररूप	8
भौ. उ.—9	धारा 14, धारा 17 (3) (ड.), धारा 27, धारा 29, नियम 50, नियम 58, नियम 66 और नियम 72	सुनवाई में हाजिर होने की आशय की सूचना	9
भौ. उ.—10	धारा 16 (2), नियम 53 (1)	भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध	10
भौ. उ.—11	धारा 17, नियम 56(1)	रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	11
भौ. उ.—12	धारा 18 (5), नियम 59	प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध	12
भौ. उ.—13	धारा 18(4) का परन्तुक, नियम 60	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण का, अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति पर, नवीकरण	13
भौ. उ.—14	धारा 18 (5), नियम 63	रजिस्टर से हटाए गए भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन	14
भौ. उ.—15	धारा 18 (4) का परन्तुक, नियम 62 का परन्तुक	भौगोलिक उपदर्शन के, अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति से छह मास के भीतर नवीकरण के लिए आवेदन	15

1	2	3	4
भौ उ —16	नियम 22	एक वर्ग के लिए खोज	16
भौ उ —17	धारा 15, धारा 28	सिवाय वहाँ के जहाँ भारत में किसी लोक प्राधिकारी के किसी आदेश के परिणामस्वरूप या विधि के अनुसार किसी कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप कोई अनुरोध किया जाता है, लेखन की गलती की शुद्धि के लिए या संशोधन के लिए अनुरोध	17
भौ उ —18	धारा 27	रजिस्टर के परिशोधन या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन को हटाने या रजिस्टर में अभिलिखित नियम 31(1) के अधीन मामले के विवरण को निकालने या परिवर्तित करने के लिए आवेदन।	18
भौ उ —19	धारा 69 या धारा 78(1), नियम 96	रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए अनुरोध धारा 16 (2) के तहत प्रमाण-पत्र से भिन्न	19
भौ उ —20	धारा 28, नियम 69	भौगोलिक उपदर्शनों या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्टर में भारत में कारबार के मुख्य स्थान या निवास के पते में या स्वदेश के पते में परिवर्तन के लिए अनुरोध।	20
भौ उ —21	धारा 28	रजिस्टर में भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी के नाम या वर्णन में तब्दीली की प्रविष्टि करने का अनुरोध	21
भौ उ —22	नियम 93	पक्षकथन के समर्थन में शपथपत्र या अधिनियम या नियमों के अधीन अपेक्षित अन्य दस्तावेजों	22
भौ उ —23	नियम 96 का परन्तुक	रजिस्ट्रार का प्रमाणपत्र जारी करने में शीघ्रता के लिए अनुरोध।	23
भौ उ —24	28(क)	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के नाम, पते या विवरण में किसी त्रुटि की शुद्धि के लिए अनुरोध।	24
भौ उ —25	28(ग) या (घ)	रजिस्टर में किसी प्रविष्टि के रद्दकरण या माल के उससे काट देने के लिए आवेदन	25
भौ उ —26	नियम 67 और 80(4)	रजिस्टर के परिशोधन से संबंधित कार्यवाहियों में मध्येक्ष करने की अनुमति के लिए या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए आवेदन।	26
भौ उ —27	72 नियम 99	रजिस्टर में प्रविष्टि और अपील बोर्ड के विधिमाम्यता प्रमाणपत्र के टिप्पण के विज्ञापन के लिए अनुरोध	27
भौ उ —28	धारा 27, नियम 65	प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए रजिस्टर के भाग ख के परिशोधन के लिए आवेदन।	28
भौ उ —29	धारा 15 का परन्तुक, नियम 23(7)	विभिन्न वर्गों में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किए गए आवेदन का विभाजन।	29
भौ उ —30	64, नियम 83	ऐसे समय के विस्तार के लिए जो अधिनियम में अभिव्यक्त उपबधित या नियमों में विहित नहीं हैं, आवेदन	30
भौ उ —31	63, नियम 92	रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन	31
भौ उ —32	नियम 40	भौगोलिक उपदर्शन के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिए रजिस्ट्रार से अनुरोध	32
भौ उ —33	नियम 55 (2)	प्रमाणपत्र की दूसरी या और प्रति के लिए रजिस्ट्रार से अनुरोध	33
भौ उ —34	धारा 14(1),	विरोध की सूचना फाइल करने के लिए समय के विस्तार के लिए आवेदन	34

1	2	3	4
	धारा 17 (3)(ड)		
	धारा 29(2),		
	नियम 41(5)		
भौ.उ.—35	18(2),	प्राधिकृत उपयोगकर्ता के नवीकरण के लिए	35
	नियम 60 (1)		
भौ.उ.—36	29	रजिस्ट्रीकृत/ भौगोलिक उपदर्शन में जोड़ने या परिवर्तन करने हेतु अनुमति के लिए आवेदन (सिवाय वहाँ के जहाँ किसी स्थानीय प्राधिकारी के किसी आदेश या किसी आदेश या किसी कानूनी अपेक्षा के फलस्वरूप आवेदन किया जाता है।)	36
भौ.उ.—37	12(2),	कतिपय माल को अतिरिक्त संरक्षण के लिए रजिस्ट्रार को आवेदन	37
	नियम 77 (1)		
भौ.उ.—38	नियम 107	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन।	38
भौ.उ.—39	नियम 109	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध।	39
भौ.उ.—40	नियम 110	नियम 110 के अधीन भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम को बनाए रखने के लिए— — प्रत्येक वर्ष के लिए (पहले वर्ष को छोड़कर) प्रत्येक वर्ष में 1 अप्रैल को संदत्त की जाएगी। — 1 अप्रैल और 30 सितम्बर के बीच किसी समय रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की दशा में पहले वर्ष के लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए फीस के साथ संदत्त की जाएगी।	40
भौ.उ.—41	नियम 113	नियम 113 के अधीन भौगोलिक उपदर्शनों के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन	41
भौ.उ.—42	नियम 114	नियम 114 के अधीन भौगोलिक उपदर्शनों के रजिस्टर में किसी प्रविष्टि में परिवर्तन के लिए आवेदन।	42
भौ.उ.—43	76, नियम 20	अधिनियम के अधीन किसी विषय या कार्यवाही में अभिकर्ता के प्राधिकरण का प्ररूप किसी प्रतिवादित कार्यवाही में किसी अंतरवर्ती विषयों पर रजिस्ट्रार का आदेश अभिप्राप्त करने हेतु याचिका (जो अन्यथा प्रभारित नहीं है) धारा 78(1) में वर्णित दस्तावेज का निरीक्षण करने के लिए— (घ) किसी विशिष्ट भौगोलिक उपदर्शन या उसके प्राधिकृत उपयोगकर्ता के संबंध में, प्रत्येक घंटे या उसके भाग के लिए; (ङ) कम्प्यूटर की खोज (जब उपलब्ध कराया जाए) प्रत्येक 15 मिनट के लिए; (च) धारा 78 में वर्णित अनुक्रमणिका की खोजें, प्रत्येक घंटे या उसके भाग के लिए। दस्तावेजों की कापी करने के लिए (फोटो कापी या टंकित) प्रत्येक पृष्ठ या एक पृष्ठ से अधिक, उसके भाग के लिए।	43

प्ररूप भी.उ.-1

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

रजिस्टर के भाग क में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए

आवेदन।

धारा 11 (1), नियम 23(2)

फीस : 10,000 रुपए (देखिए प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं.-1)

(मामले के वितरण सहित तीन प्रतियों में भरा जाए तथा साथ में भौगोलिक उपदर्शन की पांच अतिरिक्त समाकृतियां होंगी)

एक समाकृति को यहां इस स्थान के भीतर लगाया जाए और पांच अन्य समाकृतियों को पृथक रूप से भेजा जाए।

बड़ी आकार वाली समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु तब उसे वस्त्र या अन्य उपयुक्त सामग्री के ऊपर मढ़ा जाए तथा यहाँ चिपकाया जाए।

देखिए नियम 28

1. (क) ----- द्वारा मामले के विवरण के साथ संलग्न भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्टर के भाग क में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है जो (ख) ----- वर्ग में (ग) ----- की बाबत (घ) ----- के नाम (नामों) में, जिसका/जिनका पता (ङ) ----- है जो उक्त माल के जिससे भौगोलिक उपदर्शन संबंधित है, उत्पादक के हित का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है/करते हैं और जो उक्त माल का ----- से निरन्तर प्रयोग कर रहा है।

2. आवेदन में वे विशिष्टियां समाविष्ट होंगी जो मामले के कथन में नियम 32 (1) में मांगी गई हैं।

इस आवेदन के संबंध में सभी पत्राचार भारत में निम्नलिखित पते पर भेजा जा सकता है।

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

(क) जो लागू न हो उसे काट दें।

(ख) रजिस्ट्रीकरण निदेश अभिप्राय किया जा सकता है यदि माल का वर्ग ज्ञात नहीं है।

(ग) यहा माल को विनिर्दिष्ट करें। केवल एक ही वर्ग में समाविष्ट माल को ही विनिर्दिष्ट किया जाए।

(घ) आवेदक का नाम, वर्णन (उपजीविका और आजीविका तथा राष्ट्रिकता) सुपाद्य रूप में लिखा जाना चाहिए। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म गठित करने वाले भागीदारों के नाम और वर्णन तथा रजिस्ट्रीकरण की प्रकृति, यदि कोई हो, कथित की जानी चाहिए। नियम 15 देखिए।

(ङ) आवेदक को चाहिए कि भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के नाम और स्थान का आबश्यक कथन करे।

प्रारूप भौ.उ.-2

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

किसी अभिसमय देश से रजिस्टर के भाग क में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए
आवेदन।

धारा 11 (1), 84 (1) नियम 23(3)

फीस : 10,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं.-2 देखिए)

(मामले के कथन सहित तीन प्रतियों में भरा जाए तथा साथ में भौगोलिक उपदर्शन की पांच अतिरिक्त समाकृतियां हों)

एक समाकृति को इस स्थान में लगा दें तथा पांच अन्य समाकृतियों को
पृथक् रूप से भेजें।

बड़ी आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु तब उसे बस्र या
अन्य उपयुक्त सामग्री के ऊपर मढ़ा जाए तथा यहाँ चिपकाया जाए।

नियम 28 देखिए

1 (क) ----- द्वारा मामले के कथन के साथ मलग्न भौगोलिक उपदर्शन के
रजिस्टर के भाग क में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है, जो (ख) ----- वर्ग में
(ग) ----- की बाबत (घ) ----- के नाम
(नामों) में, जिसका/जिनका पता (ङ) ----- है जो उक्त माल के जिमसे भौगोलिक उपदर्शन
संबंधित है, उत्पन्न के हित का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है/करते हैं और जो उक्त माल का ----- से निरन्तर
प्रयोग कर रहा है।

1. (ख) भौगोलिक उपदर्शन को रजिस्टर करने के लिए किसी अभिसमय देश में प्रथम आवेदन ----- में
----- को किया गया है।

अभिसमय देश के, जिसमें प्रथम आवेदन फाइल किया गया था, पदधारी द्वारा प्रमाणित की गई प्रमाणित प्रति उसके अंग्रेजी में अधिप्रमाणित
अनुवाद सहित मलग्न है।

मैं/हम अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि भौगोलिक उपदर्शन को धारा 84 (1) के उपबंधों के अधीन किसी अभिसमय देश में ऊपर उल्लिखित
प्रथम आवेदन के आधार पर पूर्णिकता तारीख सहित रजिस्टर किया जाए।

2. आवेदन में वे विशिष्टियां समाविष्ट की जाएंगी जो मामले के कथन में नियम 32 (1) में मंगी गई हैं।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्राचार भारत में निम्नलिखित पते पर भेजा जाए :—

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

(क) जो भी लागू न हो उसे काट दें।

(ख) रजिस्ट्रार का निदेश अभिप्राप्त किया जाए यदि माल का वर्ग ज्ञात नहीं है।

(ग) यहाँ विभिन्न वर्गों में आने वाले माल को विनिर्दिष्ट करें।

(घ) यहाँ आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (आवेदक की उपजीविका और आजीविका और तथा राष्ट्रिकता) सुपाठ्य रूप में लिखें। निगमित
निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन का देश या फर्म को गठित करने वाले भागीदारों के नाम तथा रजिस्ट्रीकरण की
प्रकृति, यदि कोई हो, बताई जानी चाहिए। नियम 15 देखिए।

(ङ) आवेदक को भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय का नाम और स्थान अवश्य कथित करना चाहिए।

प्ररूप भी.उ.-3

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

माल के भिन्न-भिन्न वर्गों के लिए रजिस्टर के भाग क में किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए

एकल आवेदन

[धारा 11 (3), नियम 23(5)]

फीस : 10,000 रुपए प्रत्येक वर्ग के लिए (देखिए प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं. 3)

(मामले के कथन सहित तीन प्रतियों में भरा जाए जिसके साथ भौगोलिक उपदर्शन के पांच अतिरिक्त समाकृतियां होंगी)

एक समाकृति को इस स्थान पर चिपकाया जाए और पांच अन्य समाकृतियों को पृथक रूप से भेजा जाए।

बड़े आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु तब उसे वस्त्र या अन्य उपयुक्त सामग्री पर मढ़ा जाए और उसे यहां चिपकाया जाए।
(देखिए नियम 28)

1. इसके द्वारा निम्नलिखित की बाबत मामले के विवरण के साथ संलग्न भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है

(i) क _____ वर्ग में ख _____ की बाबत

(ii) क _____ वर्ग में ख _____ की बाबत

(iii) क _____ वर्ग में ख _____ की बाबत

(ग) _____ के नाम (नामों) में, जिसका पता थ _____
_____ है जो उस माल के, जिससे भौगोलिक उपदर्शन संबंधित है, उत्पादकों के हित का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है और उक्त माल की बाबत जिस भौगोलिक उपदर्शन का प्रयोग _____ से निरंतर किया आ रहा है।

2. आवेदन में ये विशिष्टियां समाविष्ट होंगी जो मामले के विवरण में नियम 32 (1) में मांगी गई हैं।

इस आवेदन के संबंध में सभी पत्राचार निम्नलिखित पते पर भेजा जाएगा।

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

(क) जो लागू न हो उसे काट दें।

(ख) रजिस्ट्रार का निदेश अभिप्राप्त किया जाए यदि माल का वर्ग ज्ञात नहीं है।

(ग) यहाँ भिन्न-भिन्न वर्गों में आने वाले माल को विनिर्दिष्ट करें।

(घ) आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (आवेदक की उपजीविका और आजीविका तथा राष्ट्रिकता) सुपाठ्य रूप में लिखें। यदि निगमित निकाय है या फर्म है तो यथास्थिति, निगमन देश का नाम अथवा भागीदारी गठित करने वाले भागीदारों के नाम और वर्णन तथा रजिस्ट्रीकरण की प्रकृति, यदि कोई हो, बताई जानी चाहिए (नियम 15)।

(ङ) आवेदक को भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय का नाम और पता अवश्य कथित करना चाहिए।

प्रारूप भी.उ.-4

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

किसी अभिसमय देश से भिन्न-भिन्न वर्गों में आने वाले माल के लिए रजिस्टर के भाग क में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन।

[धारा 11 (3), 84 (1), नियम 23(4)]

फीस : 10,000 रुपए प्रत्येक वर्ग के लिए (प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं. 4 देखिए)

(मामले के कथन सहित तीन प्रतियों में भरा जाए जिसके साथ भौगोलिक उपदर्शन की पांच अतिरिक्त समाकृतियां होंगी)

एक समाकृति इस स्थान के भीतर लगाई जाए तथा अन्य पांच समाकृतियां पृथक् रूप से भेजी जाएं।

बड़े आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु तब उसे वस्त्र या अन्य उपयुक्त सामग्री पर मढ़ा जाए और उसे यहां चिपकाया जाए (देखिए नियम 28)।

1. (क) मामले के साथ संलग्न भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है जो

- (i) (क) ----- वर्ग में (ख) ----- की बाबत
 (ii) (क) ----- वर्ग में (ख) ----- की बाबत
 (iii) (क) ----- वर्ग में (ख) ----- की बाबत
 (ग) ----- के नाम (नामों) में होगा जिसका पता -----
 ----- है जो उस माल के, जिससे भौगोलिक उपदर्शन संबंधित है, उत्पादकों के हित का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है और जो भौगोलिक उपदर्शन उक्त माल की बाबत ----- से सतत उपयोग में है।

1. (ख) किसी अभिसमय देश में भौगोलिक उपदर्शन को रजिस्टर करने के लिए प्रथम आवेदन ----- में ----- की बाबत ----- को किया गया है।

उस अभिसमय देश के पदधारी द्वारा जिसमें प्रथम आवेदन फाइल किया गया था, प्रमाणित की गई प्रमाणित प्रति संलग्न है (साथ में अंग्रेजी में उसकी अधिप्रमाणित प्रति भी है)

मैं/हम अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि भौगोलिक उपदर्शन की धारा 84 (1) के उपबंधों के अधीन किसी अभिसमय देश में ऊपर उल्लिखित प्रथम आवेदन पर आधारित पूर्विक्ता की तारीख से रजिस्टर किया जाए।

2. आवेदन में वे विशिष्टियां होंगी जो मामले के वर्णन में नियम 32 (1) में मांगी गई हैं।

इस आवेदन के संबंध में सभी पत्र भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएंगे :—

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

मेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

(क) जो लागू न हो उसे काट दें।

(ख) रजिस्ट्रार का निदेश अभिप्राप्त किया जाए यदि माल का वर्ग ज्ञात नहीं है।

(ग) यहां माल विनिर्दिष्ट करें।

(घ) आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (आवेदक की उपजीविका और आजीविका तथा राष्ट्रिकता) सुपाठ्य रूप में लिखी जाए। निगमित निकाय या फर्म की दशा में यथास्थिति, निगमन का देश या फर्म गठित करने वाले भागीदारों के नाम और वर्णन तथा रजिस्ट्रीकरण की प्रकृति, यदि कोई हो, कथित की जानी चाहिए। (नियम 15 देखिए)।

(ङ) आवेदक को भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय का नाम और स्थान अवश्य कथित करना चाहिए।

प्ररूप भौ. उ.-5

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड सं० :

स्वत्वधारी का कोड सं० :

फीस : 10, 000 रुपए (देखिए प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 5)

विनिश्चय के आधार के कथन के लिए अनुरोध, नियम 35 (1)-----
 के मामले में रजिस्ट्रार से अनुरोध किया जाता है कि तारीख-----मास-----20----- को सुनवाई के
 पश्चात् तारीख-----मास-----20----- के अपने विनिश्चय के आधार तथा उस विनिश्चय पर पहुंचने में
 अपने द्वारा प्रयुक्त सामग्री के बारे में बताएं।

इस आवेदन के संबंध में सभी पत्राचार भारत में निम्नलिखित पते पर किया जाए :

आज तारीख-----मास-----20-----

2-----

हस्ताक्षर-----

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
(स्पष्ट अक्षरों में)

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. आवेदन की पहचान वाली विशिष्टियां भरें।
2. आवेदक का या उसके अभिकर्ता का हस्ताक्षर
3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं (नियम 4 देखें)।

प्ररूप भौ. उ.-6

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड सं० :

स्वत्वधारी का कोड सं० :

फीस : 20,000 रुपए प्रत्येक श्रेणी के लिए (प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 6 देखिए)

(किसी आवेदक द्वारा रजिस्ट्रार द्वारा मंजूर किए गए किसी भौगोलिक उपदर्शन के भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में विज्ञापन/पुनः विज्ञापन के
 लिए आवेदन)

[धारा 13 (1), नियम 38 (1)]

मैं/हम-----रजिस्ट्रार को आवेदन करता हूँ/करते हैं कि औद्योगिक उपदर्श सं०-----वर्ग-----
 में----- को जर्नल में विज्ञापित किया जाए।

धारा 16 के अधीन रजिस्ट्रार की मंजूरी की तारीख-----के आदेश की एक प्रति संदर्भ के लिए इससे संलग्न है।

इस आवेदन के संबंध में सभी पत्राचार भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख-----मास-----20-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
2. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप भौ.उ. - 7

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस— 2500 रुपए प्रत्येक श्रेणी के लिए

किसी भौगोलिक उपदर्शन या किसी प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के प्रति विरोध की सूचना।

[(धारा 14(1), 17(3)(ख), नियम 41(i)]

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

----- द्वारा आवेदन सं. ----- के मामले में मैं (या हम) -----
 उस भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का विरोध करने के अपने आशय की सूचना देता हूँ (देते हैं) जो तारीख -----
 — मास ----- 20 ----- के भौगोलिक उपदर्शन जर्नल सं. ----- पृष्ठ ----- पर ----- वर्ग के लिए
 उपर्युक्त संख्यांक के नीचे प्रकाशित किया गया है।

विरोध के आधार निम्नलिखित हैं:—

3. -----

इन कार्यवाहियों के संबंध में सभी पत्राचार भारत में निम्नलिखित पते पर किया जाए :

आज तारीख ----- मास ----- 20 -----

4 हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

- (1) पूरा नाम और पता बताएं यदि विरोध करने वाले के कारबार का या निवास का भारत में कोई स्थान नहीं है तो भारत में तामील के लिए कोई पता बताएं।
- (2) जो आवश्यक न हो उसे काट दें।
- (3) यदि रजिस्ट्रीकरण का इस आधार पर विरोध किया जाता है कि भौगोलिक उपदर्शन रजिस्टर पर पहले के भौगोलिक उपदर्शन के सदृश है, तब उस भौगोलिक उपदर्शन के और जर्नल के संख्यांक जिसमें वे विज्ञापित किए गए थे, परिवर्णित किए जाने चाहिए।
- (4) विरोध करने वाले का या उसके अभिकर्ता का हस्ताक्षर
- (5) भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं—नियम 4 देखिए

प्ररूप भौ.उ. - 8

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस— 1500 रुपए

प्रतिकथन का प्ररूप

[(धारा 14, 17(3), (ड), 27 नियम 43(i)(66)]

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए ----- वर्ग में आवेदन सं. ----- के प्रति विरोध सं. ----- के विषय में मैं (या हम) ----- जो उपर्युक्त भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक है इसके द्वारा सूचना देता है (देते हैं) कि निम्नलिखित आधार है जिनका मैं (या हम) अपने आवेदन के लिए आश्रय लेता हूँ (लेते हैं):—

मैं (या हम) ----- विरोध की सूचना में निम्नलिखित अभिकथनों को स्वीकार करता हूँ (करते हैं) ।

2. इन कार्यवाहियों के संबंध में सभी पत्राचार भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख ----- मास ----- 20 -----

2 हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

- (1) कृपया पूरा नाम और पता बताएं जैसा रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में बताया गया है।
- (2) आवेदक के या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
- (3) भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं—नियम 4 देखिए।

प्ररूप भौ. उ.-9

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस— 1000 रुपए

सुनवाई में उपस्थिति होने के आशय की सूचना, धारा 14, 17 (अ) 27, 29 और नियम, 50, 58, 66 और 72 —————
 के मामले में मैं (या हम) 2 ————— इसके द्वारा यह सूचना देता हूँ (देते हैं) कि उक्त मामले के संदर्भ में जो तारीख
 मास ————— 200 ————— की शासकीय सूचना द्वारा मुझे (हमें) तारीख ————— मास
 ————— 20 ————— को 3 ————— स्थान पर ————— बजे पूर्वाह्न या अपराह्न नियत की गई
 है, उसमें मैं (या हम) उपस्थित रहूंगा या मेरी (हमारी) ओर से कोई व्यक्ति उपस्थित रहेगा।

इस कार्यवाही के संबंध में सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख ————— मास ————— 20 —————

4 हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

- (1) यहां वे विशिष्टियां लिखें जो शासकीय सूचना में दी गई हैं।
- (2) यहां नाम और पता लिखें।
- (3) भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के कार्यालय या वह स्थान लिखें जहां पर शासकीय सूचना के अनुसार सुनवाई की जाएगी।
- (4) सूचना देने वाले व्यक्ति के या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर
- (5) भौगोलिक उपदर्शन के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं—नियम 4 देखिए।

प्ररूप भौ. उ.-10

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस— 50,000 रुपए (प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं. 10 देखिए)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी किए जाने के लिए अनुरोध

. धारा 16 (1), नियम 53

रजिस्ट्रार से धारा 16(1) सपठित नियम 53(1) के अधीन अनुरोध किया जाता है कि ————— वर्ग में —————
 ————— आवेदन की बाबत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करें।

आज तारीख ————— मास ————— 200 —————

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

पत्रा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

प्ररूप भौ. उ.-11

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस— 10,000 रुपए

प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

धारा 17(1), नियम 56 (1)

(तीन प्रतियों में भरा जाएगा तथा साथ में रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्तावित प्राधिकृत उपयोगकर्ता के बीच करार, यदि कोई हो या उसकी सम्यक् रूप से अधिप्रमाणित प्रति नियम 56 में उल्लिखित अन्य दस्तावेज होंगे और एक शपथपत्र होगा जिसमें नियम 56 में अपेक्षित विशिष्टियां और कथन परिचर्णित हों तथा पूर्वोक्त प्रत्येक दस्तावेजों की दो प्रतियां हों)

यह आवेदन 1—----- द्वारा जो 2—----- माल की बाबत—----- वर्ग में रजिस्ट्रीकृत किए गए भौगोलिक उपदर्शन—----- के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी है (हैं) और—----- जो ऊपर उल्लिखित रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्टर के भाग ख में प्रस्तावित प्राधिकृत उपयोगकर्ता है, निम्नलिखित शर्तों और निर्वन्धनों के अधीन किया जाता है।

इस कार्यवाही के संबंध में सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएंगे।

आज तारीख—----- मास—----- 200

3 हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय।

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी की विशिष्टियां लिखिए।
2. नाम और पता लिखिए।
3. मूचना देने वाले व्यक्ति के या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रीकृत के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताइए (लिखिए)—नियम 4 देखिए।

प्ररूप भौ. उ.-12

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस— 5,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 12 देखिए)

प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी किए जाने के लिए अनुरोध

धारा 17 (3)(छ), नियम 59 (1)

रजिस्ट्रार से धारा 17(3)(छ) संपठित नियम 59(1) के अधीन अनुरोध है कि रजिस्टर के भाग ख में ----- वर्ग ----- में ----- रजिस्ट्रीकृत सं० ----- के अधीन रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन ----- के लिए आवेदन सं० ----- की बाबत प्राधिकृत उपयोगकर्ता प्रमाणपत्र जारी करें।

आज तारीख ----- मास ----- 200

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

प्ररूप भौ. उ.-13

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस : 1,00,000 रूपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि 13 देखिए)

भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण, धारा 18 (1), नियम 61

मैं (या हम) 2..... इसके द्वारा वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं. के रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए रूपए की विहित फीस निक्षिप्त करता हूँ (करते हैं) । रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण की सूचना भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए :

आज तारीख..... मास 2000 (3) हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. जो लागू न हो उसे काट दें ।
2. यहां रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता लिखें ।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर ।
4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं ।

टिप्पण—यह प्ररूप वापस कर दिया जाएगा यदि इसे पिछले रजिस्ट्रीकरण के पर्यवसान होने के छह मास पूर्व फाइल किया जाता है ।

फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं. 17 से 20 और 22 देखिए ।

प्ररूप भौ. उ.-14

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस : 5,000 रूपए के साथ प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं. 14 या 35 में लागू विहित नवीकरण फीस ।

नवीकरण फीस के संदाय न किए जाने के लिए रजिस्टर से हटाए गए भौगोलिक उपदर्शन या किमी प्राधिकृत उपयोक्ता का प्रत्यावर्तन धारा 18 (5) नियम, 63

मैं (या हम) इसके द्वारा आवेदन करता हूँ (करते हैं) कि वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन संख्यांक के रजिस्टर में प्रत्यावर्तित किया जाए और पूर्वोक्त वर्ग में उक्त भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकरण नवीकृत किया जाए तथा प्रत्यावर्तन और नवीकरण की सूचना भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए ।

आज तारीख..... मास 2000

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का पूरा नाम, पता और राष्ट्रिकता लिखें ।
2. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर ।
3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं ।
—नियम 4 देखिए ।

प्ररूप भौ. उ.-15

माल के भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कूट संख्यांक

फीस : 10,000 रुपए स्वत्वधारी का कूट संख्यांक

(पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 15 देखिए)

धारा 18 की उपधारा (4) के परंतुक के अधीन भौगोलिक उपदर्शन के नवीकरण महे अधिभार के संदाय के लिए आवेदन ।

में (या हम)¹ जो रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी है/हैं वर्ग में
 रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के, जो को समाप्त हो गया है, नवीकरण के लिए
 आवेदन करता हूँ/करते हैं और उसकी बाबत विहित अधिभार निविदत करता हूँ/करते हैं तथा नवीकरण प्रमाण पत्र भारत में निम्नलिखित पते पर
 भेजा जाए :—

आज

तारीख मास 20

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. जो लागू न हो उसे काट दें।
2. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का पूरा नाम और पता लिखें।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी अथवा उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं। नियम 4 देखिए।

कृपया ध्यान दें :—इसे प्ररूप छ झ - 10 और छ झ 11 के साथ उसके लिए विहित फीस के साथ फाइल किया जाए।

प्ररूप भौ. उ.-16

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कूट संख्यांक :

स्वत्वधारी का कूट संख्यांक :

फीस : 1,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि 16 देखिए)

नियम 22 के अधीन तलाश के लिए अनुरोध

रजिस्ट्रार से नियम 22 के अधीन अनुरोध किया जाता है कि 2..... की बाबत..... वर्ण में यह अभिनिश्चित
 करने के लिए तलाश करें कि क्या अभिलेख पर कोई भौगोलिक उपदर्शन ऐसा है जो इसके साथ तीन प्रतियों में प्रत्येक समाकृति लगभग 33 सेंटीमीटर
 गुणित 2.8 सेंटीमीटर आकार में मजबूत पत्रक पर मढ़ी गई है। भेजे गए व्यापार चिन्ह के सदृश है।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :

आज तारीख मास 20

3:

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

4:

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. यदि वर्ग ज्ञात न हो तो रजिस्ट्रार का निदेश अभिप्राप्त किया जा सकता है।
2. यहां वह माल (बताएं वर्ग में) विनिर्दिष्ट करें जिसकी बाबत तलाश की जानी है।
3. हस्ताक्षर।
4. उस भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के कार्यालय के स्थान का नाम बताएं जिसकी राज्य क्षेत्रीय भीमा में 4 पर पते में बताया गया स्थान स्थित है।

पाद टिप्पण—उन मामलों में कोई फीस संदेय नहीं है जहां केन्द्रीय सरकार से फीस के संदाय से छूट के लिए निदेश अभिप्राप्त कर
 लिया गया है।

प्रारूप भौ. उ.-17

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कूट संख्यांक

स्वत्वधारी का कूट संख्यांक

फीस : 500 रूपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि 17 देखिए)
लिपिकीय मूल (शुद्धि) की शुद्धि के लिए या संशोधन के लिए अनुरोध

धारा 15 और 28

.....1 के मामले में मैं (या हम) जो उक्त मामले में (2) आवेदक
..... है (हैं) इसके द्वारा

विरोध करने वाला (वाले)

रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी

प्राधिकृत उपयोगकर्ता

अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि

.....

3. अनुरोध की एक प्रति रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी/प्राधिकृत उपयोगकर्ता को तामील कर दी गई है।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :

4

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

फीस : नीचे पाद टिप्पण देखिए।

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. वे शब्द और संदर्भ संख्यांक लिखें जिनसे प्रविष्टि या आवेदन या विरोध की पहचान हो।
2. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।
3. यदि लागू न हों तो काट दें।
4. हस्ताक्षर।
5. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं।

नियम 4 देखिए।

पाद टिप्पण :—तथापि वहां कोई फीस संदेय नहीं है जहां शुद्धि या संशोधन के लिए अनुरोध किसी लोक प्राधिकारी के आदेश के परिणामस्वरूप या कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप किया जाता है।

प्ररूप भी. उ.-18

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कूट संख्यांक

स्वत्वधारी का कूट संख्यांक

फीस : 5000 रूपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि 18 देखिए)

(रजिस्टर के परिशोधन के लिए या रजिस्टर से किसी भौगोलिक उपदर्शन को हटाने के लिए अथवा रजिस्टर में अभिलिखित नियम 32 (1) के अधीन मामले के विवरण को निकालने या परिवर्तन करने के लिए आवेदन) धारा 27 और नियम 65 दो प्रतियों में/तीन प्रतियों में मामले के कथन के साथ दो प्रतियों में/तीन प्रतियों में भरा जाए और उसके साथ प्रत्येक की इतनी प्रतियां होनी चाहिए जितने रजिस्ट्रीकरण के अधीन प्राधिकृत उपयोक्ता हैं ।

भौगोलिक उपदर्शन सं. के मामले में जो वर्ग में नाम में रजिस्ट्रीकृत है ।

मैं (या हम) आवेदन करते हैं कि 'उपर्युक्त भौगोलिक उपदर्शन की बाबत रजिस्टर में प्रविष्टि निम्नलिखित रीति में हटा दी जाए' (परिशोधित की जाए)

मेरे (हमारे) आवेदन के आधार निम्नलिखित हैं :—

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के कार्यालय' रजिस्टर में इस भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में समुचित कार्यालय प्रविष्टि किया गया है ।

प्रश्नगत भौगोलिक उपदर्शन से संबंधित कोई कार्रवाई न्यायालय में लंबित नहीं है ।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए :

आज तारीख ————— मास ————— 20 —————

4 —————

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

मेरे में

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रिकता बताएं। भारत में तामीली के लिए कोई पता बताया जाना चाहिए यदि आवेदक का भारत में कारबार या निवास का कोई स्थान नहीं है ।
2. जो शब्द लागू न हो उसे काट दें ।
3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं नियम 4 देखिए ।
4. हस्ताक्षर ।

प्ररूप भौ. उ.-19

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण)

अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कूट संख्यांक— — — — —

स्वत्वधारी का कूट संख्यांक— — — — —

फीस : 1,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 19 देखिए) रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए अनुरोध [धारा 78 (2)] भौगोलिक उपदर्शन सं. ————— के मामले में जो ————— वर्ग में रजिस्ट्रीकृत किया गया है मैं (या हम) 2 ————— रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि हमें इस आशय का प्रमाणपत्र दें ।

एक प्रमाणित प्रति

—————

—————

————— 5 में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने में उपयोग के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण पत्र 3 —————

प्रमाणित प्रति भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए :—

आज तारीख ————— मास ————— 20 —————

इस आवेदन के संबंध में सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

6 हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. इन शब्दों में अन्य मामलों के अनुरूप परिवर्तन किया जा सकता है ।
2. अनुरोध करने वाले व्यक्ति का नाम, पता तथा राष्ट्रियता लिखें ।
3. जो शब्द लागू न हो उसे काट दें ।
4. वे विशिष्टियां परिचर्णित करें जिसको प्रमाणित करने के लिए रजिस्ट्रार से अपेक्षा की जाती है या उन दस्तावेजों की विशिष्टियां बताएं जिसकी प्रमाणित प्रति अपेक्षित है ।
5. देश या राज्य का नाम लिखें ।
6. हस्ताक्षर
7. भौगोलिक उपदर्शन के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं । (नियम 4 देखिए) ।

प्ररूप भौ. उ. 20

**माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण)
अधिनियम, 1999**

अधिकर्ता का कूट संख्यांक -----

स्वत्वधारी का कूट संख्यांक -----

फीस : 1,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि 20 देखिए)

भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के या प्राधिकृत उपभोक्ता के भारत में कारबार के मुख्य स्थान या निवास स्थान के पते के अथवा विदेश के गृह देश में पते के परिवर्तन के लिए अनुरोध ----- धारा 28, नियम 69 ----- वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं. ----- के मामले में।

मैं/हम ----- जो ----- के हैं ऊपर संख्यांकित भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी/प्राधिकृत उपभोक्ता हैं, यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्टर में भारत में मेरे/हमारे कारबार के मुख्य स्थान (या निवास स्थान) के पते में या विदेश में मेरे/हमारे गृह देश के पते में निम्नलिखित परिवर्तन किया जाए :

पते के परिवर्तन का आदेश तारीख ----- मास ----- 20 ----- को किया गया। आदेश की शासकीय प्रमाणित प्रति इससे संलग्न है।

इस अनुरोध की प्रति की रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी/प्राधिकृत अधिकर्ता पर तामील कर दी गई है।

इस अनुरोध के संबंध में सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख ----- मास ----- 20 -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. जो शब्द लागू न हो उसे/उन्हें काट दें।
2. परिवर्तन का आदेश करने वाले लोक प्राधिकारी का नाम और उसकी तारीख लिखें।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी/प्राधिकृत उपभोक्ता के या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं (नियम 4 देखिए)।

पाद टिप्पण :—तथापि यदि भारत में लोक प्राधिकारी के आदेश के परिणामस्वरूप परिवर्तन किया जाता है तो कोई फीस संदेय नहीं है।

प्ररूप भौ. उ. 21

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण)
अधिनियम, 199८

अधिकर्ता का कूट संख्यांक —————

स्वत्वभाग का कूट संख्यांक —————

फीस : 1,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि 21 देखिए)

व्यक्तियों के या उत्पादकों के संगम या किसी संगठन या प्राधिकरण के, जिनके नाम में कोई भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार किया गया है, नाम या वर्णन के परिवर्तन की प्रविष्टि करने के लिए अनुरोध 1 धारा 28 (ख)।

मैं (या हम) ————— इसके द्वारा अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि मेरा (हमारा) नाम और वर्णन ————— वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन संख्यांक 3 ————— के स्वत्वधारी उपभोक्ता के रूप में प्रविष्टि किया जाए।

मैं (हम) उक्त भौगोलिक उपदर्शन का हकदार हूँ/के हकदार हूँ। ————— उक्त भौगोलिक उपदर्शन का उपयोग प्राधिकृत उपभोक्ता के रूप में करता है/करते हैं उक्त भौगोलिक उपदर्शन की वास्तविक स्वत्वधारित 2/पहचान में 4 ————— के सिवाय कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

रजिस्टर में जो प्रविष्टि इस समय है उसमें मेरा/हमारा नाम और वर्णन निम्नलिखित रूप में हैं :—

इस अनुरोध की एक प्रति की तामील प्राधिकृत उपभोक्ता/स्वत्वधारी पर कर दी गई है।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख ————— मास ————— 20—————

6 —————

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपभोक्ता का वर्तमान नाम और पता लिखें।
2. जो शब्द लागू न हो उसे काट दें।
3. वे परिस्थितियां बताएं जिनसे अधीन परिवर्तन हुआ।
4. जो लागू न हो उसे काट दें।
5. आवेदक के या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
6. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं। नियम 4 देखिए।

पाद टिप्पण : जहां नाम का परिवर्तित करने या बदलने के लिए आवेदन किसी लोक प्राधिकारी के किंगी आदेश के परिणामस्वरूप या भारत में विधि के अनुसार कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप किया जा रहा है, वहां कोई फीस संदेय नहीं है।

प्ररूप भौ. उ. 22

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण)
अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. —————

स्वत्वधारी का कोड सं. —————

शपथपत्र (केवल वहां भरा जाए जहां अधिनियम या नियमों द्वारा अपेक्षित हों)।

मैं ————— जो ————— का हूं, सत्यनिष्ठा से और शुद्ध हृदय से घोषणा करता हूं कि मामले में परिवर्णित —————
चिन्ह प्रदर्श तथा ————— वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं. ————— की बाबत ————— (2) के संबंध में मेरे समक्ष
निक्षिप्त विशिष्टियां मेरे सर्वोत्तम ज्ञान, जानकारी और विश्वास के अनुसार सही हैं और भौगोलिक उपदर्शन की वर्तमान स्वत्वधारिता को प्रभावित
करने वाले प्रत्येक तात्त्विक तथ्य तथा दस्तावेज को समाविष्ट करती है।

(3) —————

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

मेरे समक्ष (4) —————

————— में

आज तारीख ————— मास ————— 20 ————— को घोषणा की गई।

1. अभिसाक्षी का नाम, पता और राष्ट्रियता।
2. संबंधित कार्यवाहियों की विशिष्टियां लिखें।
3. घोषणा करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा।
4. उस प्राधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम जिसके समक्ष शपथ ली जाती है। भारत में किसी न्यायालय या ऐसे व्यक्ति के समक्ष जिसे विधि द्वारा साक्ष्य प्राप्त करने का प्राधिकार है या न्यायालय द्वारा शपथ दिलाने के लिए सशक्त किसी अधिकारी के समक्ष शपथ ली जा सकती है। भारत से बाहर राजनयिक और कौंसलीय आफिसर (शपथ और फीस) अधिनियम, 1948 के अर्थान्तर्गत ऐसे देश या स्थान के किसी राजनयिक या कौंसलीय आफिसर के समक्ष या स्थान के नोटरी के समक्ष शपथ ली जा सकती है यदि स्थान के नोटरियों द्वारा किए गए नोटरी के कार्य नोटरी अधिनियम, 1952 की धारा 14 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन स्थापित किया जाएगा।

प्रारूप भी. उ.-23

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण)
अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड सं. -----

स्वत्वधारी का कोड सं. -----

फीस : 5000 रुपए (प्रविष्टि सं. 23 देखिए)

रजिस्ट्रार के शीघ्र प्रमाणपत्र के लिए अनुरोध धारा 78(1) और 115 (नियम 89 का परन्तुक) भौगोलिक उपदर्शन सं. ----- के मामले में जो ----- वर्ग में रजिस्ट्रीकृत है मैं (या हम) ² ----- रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि मुझे (हमें) इस आशय का प्रमाणपत्र दें कि -----

----- में रजिस्ट्रीकरण ⁴ अभिप्राप्त करने में उपयोग के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रमाणपत्र एक प्रमाणित प्रति ⁵ ----- प्रमाणपत्र/प्रमाणित प्रति भारत में ⁶ निम्नलिखित पते पर भेजी जाए :—

आज तारीख ----- मास ----- 20 -----

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

6 -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. अन्य मामलों के अनुकूल बनाने के लिए इन शब्दों में परिवर्तन किया जा सकता है।
2. अनुरोध करने वाले व्यक्ति का नाम, पता और राष्ट्रिकता लिखें।
3. जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दें।
4. वे विशिष्टियां परिचर्णित करें जिन्हें रजिस्ट्रार से प्रमाणित कराने की अपेक्षा की जाती है या उस दस्तावेज की विशिष्टियां बताएं जिसकी प्रमाणित प्रति अपेक्षित है।
5. देश या राज्य का नाम भरें।
6. हस्ताक्षर।

प्ररूप भौ. उ. 24

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण)
अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं० -----

स्वत्वधारी का कोड सं० -----

फीस : 1000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 24 देखिए)

किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपभोक्ता के नाम, पता या वर्णन में किसी त्रुटि को ठीक करने के लिए अनुरोध¹ धारा 28(क) ----- वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं. ----- के मामले में/में (या हम) ----- जो ----- के हैं और उपर्युक्त रूप में संख्यांकित भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी/प्राधिकृत उपभोक्ता² है ।

अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्टर में भारत में मेरे (हमारे)² कारबार के प्रमुख स्थान या निवास स्थान (का पता) अथवा विदेश के गृह देश में मेरा (हमारा) पता ----- से परिवर्तित करके ----- किया जाए² पते में परिवर्तन के लिए ----- द्वारा तारीख ----- मास ----- 200 ----- को आदेश दिया जाए। आदेश की शासकीय प्रमाणित प्रति इसमें संलग्न है। इस अनुरोध की प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी पर करा दी गई है।

प्राधिकृत उपभोक्ता

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख ----- मास ----- 200 -----

5-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. जो शब्द लागू न हो उसे काट दें।
2. जो लागू न हो उसे काट दें।
3. उस लोक प्राधिकारी का नाम लिखें जिसने परिवर्तन का आदेश दिया है तथा उसकी तारीख लिखें।
4. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी/प्राधिकृत उपभोक्ता का या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
5. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं—

नियम 4 देखिए।

पाद टिप्पणी :— तथापि यदि परिवर्तन भारत में किसी लोक प्राधिकारी के आदेश के परिणामस्वरूप किया जाता है तो कोई फीस मंदेय नहीं है।

प्रारूप भी. उ. 25

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण)
अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड संख्यांक -----

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक -----

फीस : 1000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 25 देखिए)

किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा रजिस्टर में उसकी प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए अथवा उनमें से किसी गाण या माल के वर्ग को निकालने के लिए जिनकी बाबत भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रीकृत किया गया है, आवेदन ¹ धारा 28 (ग) या (घ)।

----- वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं. ----- के मामले में रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम ----- पता जैसे रजिस्टर में प्रविष्टि है ----- उपर्युक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन किया जाता है कि ----- वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं. ----- के रजिस्टर में की गई प्रविष्टि रद्द की जाए।

² आवेदन की एक प्रति को प्राधिकृत उपयोगकर्ता(ओं) पर तामील कर दी गई है।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख ----- मास ----- 200 -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. जो आवश्यक न हो उसे काट दें।
2. यदि लागू न हो तो काट दें।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं। नियम 4 देखिए।

प्ररूप भौ. उ. 26

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण)
अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड संख्यांक -----

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक -----

फीम : 5000 रूपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 26 देखिए)

रजिस्टर में परिशोधन से संबंधित या रजिस्टर से किसी भौगोलिक उपदर्शन के हटाए जाने से संबंधित या रजिस्टर से किसी भौगोलिक उपदर्शन के किसी प्राधिकृत उपयोक्ता के रद्दकरण से संबंधित कार्यवाहियों में मध्यक्षेप की इजाजत के लिए आवेदन।

----- वर्ग में ----- के नाम में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं. ----- के मामले में/में (हम)
----- उपर उल्लिखित भौगोलिक उपदर्शन धारा 22(2) के अतिरिक्त संरक्षण की
बाबत रजिस्टर में परिशोधन से या प्रविष्टि के हटाए जाने से या प्राधिकृत उपयोक्ता के रद्दकरण से संबंधित कार्यवाहियों में मध्यक्षेप की इजाजत
के लिए आवेदन करता हूँ।

मेरा (हमारा) भौगोलिक उपदर्शन में हित -----

इस कार्यवाही से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

1 -----

2 -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

आज तारीख ----- मास ----- 20 -----

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रिकता बताएं।
2. हस्ताक्षर।
3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं—नियम 4 देखिए।

प्रारूप भौ. उ.-27

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस : 200 रूपए

रजिस्टर में प्रविष्टि के लिए तथा नियम 99 के अधीन अपील बोर्ड द्वारा विधिमान्यता के प्रमाणपत्र के टिप्पण के विज्ञापन के लिए अनुरोध

-----के नाम में ----- वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन
मं-----के मामले में मैं/हम) '-----रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि
रजिस्टर में उक्त भौगोलिक उपदर्शन संख्यांक से संबंधित प्रविष्टि में निम्नलिखित जोड़ें तथा भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में एक टिप्पण
विज्ञापित करें कि ²-----

-----अपील
बोर्ड ने प्रमाणित किया है कि उक्त रजिस्ट्रीकरण की विधिमान्यता प्रश्नगत की गई है और उसका विनिश्चय इसके साथ
विधिमान्यता के प्रमाणपत्र के शासकीय रूप से स्थापित प्रति के अनुसार भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी के पक्ष में विनिश्चय
किया गया है।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख-----मास-----20-----

1-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

- नोट
1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता लिखें।
 2. उस कार्यवाही की प्रकृति तथा उसके पक्षकारों के नाम लिखें जिसमें प्रमाणपत्र दिया गया है।
 3. हस्ताक्षर
 4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—नियम 4 देखिए।

प्ररूप भी.उ.-28

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 199

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस : 1000 रुपए (पहली अनुमूर्ची की प्रविष्टि 28 देखिए)

अप्राधिकृत उपगोक्ता को हटाने के लिए भाग 2 में रजिस्टर की परिशुद्धि के लिए आवेदन— धारा 27 और नियम 65

(मामले के दो प्रतियों/तीन प्रतियों में विवरण के साथ दो प्रतियों/तीन प्रतियों में भरा जाए)

-----वर्ग में -----के नाम में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं-----
 -----के मामले में मैं/हम -----आवेदन करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन
 म -----के उपर्युक्त प्राधिकृत उपगोक्ता की बाबत रजिस्टर में प्रविष्टि निम्नलिखित रीति में हटा दी जाए
 परिशुद्ध की जाए? .

मेरे (हमारे) आवेदन के आधार निम्नलिखित है :—

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के कार्यालय ¹-----की प्रविष्टि रजिस्टर में इस भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में समुचित
 कार्यालय के रूप में कर दी गई है।

इस भौगोलिक उपदर्शन से संबंधित कोई कार्यवाही किसी न्यायालय में लंबित नहीं है।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख -----मास-----20-----

⁴-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

मेरा मैं, ¹

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

नोट

- 1 पुरा, पता तथा राष्ट्रिकता लिखें। भारत में तामीली के लिए पता लिखा जाना चाहिए। यदि आवेदक का भारत में कारखाना या निवास का कोई स्थान नहीं है।
- 2 जो शब्द लापुन हो उसे काट दें
- 3 भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—नियम 4 देखिए।
- 4 हस्ताक्षर

(इस प्ररूप के पीछे लिखा जाए)

(केवल तब प्रयोग किया जाए यदि भारत में तामील करने के लिए पता परिसर का परिवर्तन किए बिना किसी
 लोक प्राधिकारी द्वारा परिवर्तित कर दिया गया है)

उम प्रविष्टि के लिए जिसके लिए इस प्ररूप के दूसरी ओर आवेदन किया गया है भारत में तामीली के लिए पता में परिवर्तन का
 आदेश ¹-----द्वारा तारीख-----मास-----20-----से किया गया था।

आदेश की शासकीय प्रमाणित प्रतिलिपि इससे संलग्न है।

आज तारीख -----मास-----20-----

²-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

नोट

- 1 यहाँ उम लोक प्राधिकारी का नाम लिखें जिसने परिवर्तन का आदेश दिया था तथा उसकी तारीख लिखें।
- 2 हस्ताक्षर

टिप्पण—यदि उक्त कथन किया जाता है और नामित प्राधिकारी द्वारा परिवर्तन की आवश्यकता के लिए आदेश की शासकीय

-----से प्रमाणित प्रति प्रदाय की जाती है तो रजिस्ट्रार यदि उसका मामले के तथ्यों से समाधान हो जाता है, प्ररूप छद्म-28 पर
 निर्मा फीस के मदाय किए जाने की अपेक्षा नहीं करेगा। नियम 65(3)।

प्ररूप भी.उ.-29

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999*

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस : 1000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि 29 देखिए)

माल के भिन्न-भिन्न वर्गों में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किए गए आवेदन के विभाजन के लिए आवेदन

[धारा 15 का परन्तुक नियम 23(7), 82(ख)]

तीन प्रतियों में भरा जाए जिसके साथ भौगोलिक उपदर्शन की तीन अतिरिक्त समझूतियां हों।

-----के नाम में ----- वर्ग में-----को
 फाइल किए गए भौगोलिक उपदर्शन सं-----के मामले में मैं या (हम)¹-----रजिस्ट्रार
 से आवेदन सं-----को विभाजन करने के लिए या-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत
 भौगोलिक उपदर्शन सं-----को-----में विभाजित करने के लिए या-----
 -----वर्ग या वर्गों में एकक आवेदन के निम्नलिखित वर्ग या वर्गों में विभाजन के लिए या-----
 वर्ग में माल या सेवाओं के विनिर्देश को उस रूप में प्रमाणित करने का अनुरोध करता हूँ (करते हैं) जैसा नीचे उपदर्शित है-----

रजिस्ट्रार के आदेश की एक प्रति अनुरोध पर भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए।

आज तारीख-----मास----- 20 -----

हस्ताक्षर-----

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

नोट

1. आवेदक का पूरा नाम, पता और राष्ट्रिकता लिखें।
2. माल या सेवाओं और उस वर्ग या उन वर्गों का उल्लेख करें जिसमें इसे आरोही संख्यात्मक क्रम में रजिस्ट्रीकृत किया जाता है।
3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—नियम 4 देखिए।

प्ररूप भौ.उ.-30

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड संख्यांक-----

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक-----

फीस : 500 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि 30 देखिए)

समय के बढ़ाए जाने के लिए आवेदन

(जो अधिनियम में अभिव्यक्त रूप से उपबंधित है या नियम द्वारा विहित समय नहीं है)

धारा 64 नियम 83(1)

-----के मामले में ¹/में (या हम)² -----जो उपर्युक्त मामले में -----हूँ(हैं)⁴ -----के लिए¹ -----का निम्नलिखित आधार पर समय बढ़ाए जाने के लिए आवेदन करता हूँ(करते हैं) .—

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख-----मास----- 20 -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. यहां वे शब्द और संदर्भ संख्यांक लिखें जिससे उस मामले की पहचान होती है जिसकी बाबत आवेदन किया गया है।
2. पूरा नाम और पता लिखें।
3. अपेक्षित समय के बढ़ाए जाने की अवधि लिखें।
4. वह प्रयोजन लिखें जिसके लिए समय का बढ़ाया जाना अपेक्षित है।
5. हस्ताक्षर
6. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—नियम 4 देखिए।

प्रारूप भौ.उ.-31

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड संख्यांक-----

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक-----

फीस : 1000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि 31 देखिए)

रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन

धारा 60(ग) नियम 92

(तीन प्रतियों में भरा जाए जिसके साथ तीन प्रतियों में विवरण हो)

-----के मामले में¹/में या (हम)² -----जो उपर्युक्त मामले में-----हूँ(हैं) रजिस्ट्रार के उक्त मामले में तारीख-----मास-----20--
 के इस निर्णय का पुनर्विलोकन करने के लिए आवेदन करता हूँ(करते हैं) :—

यह आवेदन करने के लिए आधार इसके साथ के विवरण में परिवर्णित है

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख-----मास-----20-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. यहां वे शब्द और संदर्भ संख्यांक लिखें जिनसे उस मामले की पहचान होती है जिसकी बाबत आवेदन किया गया है।
2. पूरा नाम और पता लिखें।
3. हस्ताक्षर
4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—नियम 4 देखिए।

प्ररूप भी.उ.-32

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड संख्यांक-----

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक-----

फीस : 300 रुपए (पहली अनुसूची की प्रशिष्टि 30 देखिए)

भौगोलिक उपदर्शन के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिए रजिस्ट्रार को अनुरोध

नियम 40

मैं (या हम)¹ अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि मुझे (या हमें) उस जर्नल का संख्यांक तारीख और पृष्ठ की जानकारी दी जाए जिसमें उस भौगोलिक उपदर्शन को, जिसे रजिस्ट्रीकृत करवाने की इच्छा आवेदन सं.-----के अधीन-----के नाम में की गई है, विज्ञापित किया गया है।

जानकारी भारत में² निम्नलिखित पते पर भेजी जाए :-

आज तारीख-----मास-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम और पता लिखें।
2. तभी लिखा जाए जब 2 पर दिया गया पता भारत में किसी स्थान का नहीं है।
3. हस्ताक्षर
4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—नियम 4 देखिए।

प्ररूप भौ.उ.-33

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड संख्यांक-----

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक-----

फीस : 500 रुपए (प्रविष्टि सं. 33 देखिए)

रजिस्ट्रीकरण/प्राधिकृत उपयोक्ता के प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या और प्रति के लिए अनुरोध

नियम 55(2) 59(3)

(यदि आवेदक ने विज्ञापन के लिए एक लेबल प्रस्तुत किया है तो इस प्ररूप के साथ रजिस्ट्रीकरण के समय पर आवेदन के प्ररूप में यथावत् दर्शित रूप में भौगोलिक उपदर्शन की एक बिना मढ़ी समाकृति अवश्य होनी चाहिए)

मैं (या हम)-----रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि मुझे (हमें) रजिस्टर में-----
वर्ग में रजिस्ट्रीकृत मेरे (हमारे) भौगोलिक उपदर्शन सं.-----की बाबत धारा 16 की उपधारा (2) के अधीन मुझे
(हमें) जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की 3 द्वितीय प्रतियाँ/अतिरिक्त प्रति दें।

प्रमाण पत्र की 2 दूसरी प्रति/अतिरिक्त प्रति भारत में मेरे (हमारे) निम्नलिखित पते पर भेजी जाए-----

आज तारीख-----मास----- 20 -----

3-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता लिखें।
2. जो लागू न हो उसे काट दें।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोक्ता या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—नियम 4 देखिए।

प्ररूप भौ.उ.-34

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड संख्यांक :

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक :

फीस : 1000 रुपए

विरोध की सूचना देने के लिए समय बढ़ाए जाने के लिए आवेदन।

धारा 14(1), 17(3)(ड) और 29(2), नियम 41(5)

-----वर्ग में आवेदन सं.-----के मामले में मैं (या हम)। तारीख-----

मास-----20----- के भौगोलिक उपदर्शन के या जर्नल में उक्त संख्यांक के अधीन भौगोलिक उपदर्शन के या प्राधिकृत उपयोक्ता के अधीन भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के प्रति विरोध की सूचना देने के लिए (2)-----का समय बढ़ाने के लिए आवेदन करता हूँ (करते हैं)।

इस आवेदन के लेने के लिए निम्नलिखित कारण हैं :

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख-----मास----- 20 -----

हस्ताक्षर (3)-----

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम और पता लिखें।
2. अपेक्षित विस्तारण की अवधि लिखें, जो जर्नल में आवेदन के, यथास्थिति, विज्ञापन या पुनः विज्ञापन की तारीख से एक मास पर से एक मास से अधिक नहीं होगी।
3. हस्ताक्षर
4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—नियम 4 देखिए।

प्रारूप भी.उ. — 35

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड संख्यांक :

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक :

फीस— 5000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं० 35 देखिए)

प्राधिकृत उपयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण

धारा 18 (2), नियम 60 (1)

मैं (या हम) (1) ----- वर्ग में प्राधिकृत उपयोक्ता सं० ----- के रजिस्ट्रीकरण से नवीकरण के लिए ----- रुपए की विहित फीस देता हूँ। रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण की सूचना भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है -----

आज तारीख..... मास 20

हस्ताक्षर (2)-----

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. प्राधिकृत उपयोक्ता का पूरा नाम और पता लिखें।
2. प्राधिकृत उपयोक्ता के या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखिए—नियम 4 देखिए

टिप्पण :—इस प्रारूप को लौटा दिया जाएगा यदि इसे पिछले रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति के छह मास से अधिक पहले फाइल किया जाता है।

प्रारूप भौ.उ.—36

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड संख्यांक:

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक:

फीस— 1000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं० 36 तथा नीचे पाद टिप्पण देखिए)

रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा धारा 29 के अधीन किसी रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के परिवर्तन में जोड़ने के लिए आवेदन।

----- वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं० ----- के मामले में।

(1) ----- द्वारा जो उपर्युक्त रूप में संख्यांकित रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी है (हैं) उक्त भौगोलिक उपदर्शन में निम्नलिखित विशिष्टियों को जोड़ने या परिवर्तन करने की इजाजत के लिए आवेदन किया जाता है, अर्थात् (2) -----

भौगोलिक उपदर्शन की पांच प्रतियां जैसा वह तब प्रतीत होगा जब परिवर्तन कर दिया जाएगा, इसके साथ फाइल की जा रही है।

(3) इस आवेदन की एक प्रति की तथा भौगोलिक उपदर्शन की जैसा वह तब प्रतीत होगा तब उस प्रकार परिवर्तित हो जाएगा, की एक प्रति सभी प्राधिकृत उपयोक्ताओं पर तामोल कर दी गई है।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जा सकते हैं :—

आज तारीख ----- मास ----- 20 -----

हस्ताक्षर (4)-----

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

(1) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता लिखें।

(2) पूर्ण विशिष्टियां भरिए।

(3) यदि लागू न होता हो तो काट दें।

रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें। नियम 4 देखिए।

पाद टिप्पण.— यदि भौगोलिक उपदर्शन में परिवर्धन या परिवर्तन किसी लोक प्राधिकारी के आदेश के परिणामस्वरूप किया जाता है या किसी कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप किया जाता है तो कोई फीस संदेय नहीं है।

प्रारूप भौ.उ.—37

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड संख्यांक :

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक :

फीस— 5,00, 000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं० 37 देखिए)

कुल माल को अतिरिक्त संरक्षण देने के लिए आवेदन

धारा 22 (2), नियम 77 (1)

में (या हम) (1) ----- जो ----- वर्ग में -----

भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी हूँ (हैं) अधिनियम की धारा 22 (2) के अधीन अतिरिक्त संरक्षण के लिए आवेदन करता हूँ (करते हैं)

मामले का कथन जिसमें नियम 77(1) के अधीन प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है, इससे संलग्न है।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जा सकते हैं :—

आज तारीख ----- मास ----- 20 -----

हस्ताक्षर (2)-----

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम और पता लिखें।

2. हस्ताक्षर।

3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें। नियम 4 देखिए।

प्ररूप भौ.उ.—3A

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड संख्यांक :—

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक :—

फीस— 5000 रुपए (प्रविष्टि 38 देखिए)

भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन नियम, 107

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

फीस— 5000 रुपए

मैं माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2001 के अधीन व्यापार चिन्ह अधिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए सविनय आवेदन करता हूँ।

1—से चरित्र का प्रमाण पत्र इसमें संलग्न है।

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि मैं माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2001 के नियम 105 के खंड (i), (ii), (iii), (iv), (v) और (vi), में बताई गई किसी निर्योग्यता से ग्रस्त नहीं हूँ और यह कि नीचे दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है।

1. पूरा नाम जिसके प्रारंभ में उपनाम, यदि कोई हो (स्पष्ट अक्षरों में)———

2. निवास स्थान का पता———

3. कारबार का मुख्य स्थान———

4. पिता का नाम———

5. राष्ट्रिकता———

6. जन्म की तारीख और स्थान———

7. उपजीविका पूर्ण रूप में———

8. भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हता की विशिष्टियाँ———

9. क्या किसी समय भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रजिस्टर से हटाया गया है और यदि हाँ तो इस प्रकार हटाए जाने का कारण———

आज तारीख———मास———20———

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. अभ्यर्थी के चरित्र को प्रमाणित करने का प्रमाणपत्र ऐसे व्यक्ति से होना चाहिए जो अभ्यर्थी का नातेदार न हो तथा जिला मजिस्ट्रेट, मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट या उस जिले का मुख्य प्रशासनिक अधिकारी हो, जहां अभ्यर्थी प्रायिक रूप से निवास करता है या किसी अन्य व्यक्ति से हो सकता है जिसे रजिस्ट्रार उपयुक्त समझता है।
2. दावा की गई अर्हताओं के समर्थन में मूल डिप्लोमा, प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज या मजिस्ट्रेट, नोटरी पब्लिक या जे.पी. द्वारा सम्यक् रूप से साक्ष्यित उनकी प्रतियाँ आवेदन के साथ भेजी जानी चाहिए।
3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें।

नियम 4 देखिए।

प्ररूप भौ.उ. — 39

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड संख्यांक —————

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक —————

फीस— 5000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 39 देखिए)

भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रूप में प्रमाण पत्र जारी किए जाने के लिए अनुरोध नियम, 109

रजिस्ट्रार से नियम 109 के अधीन अनुरोध किया जाता है कि भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रूप में प्रमाण पत्र जारी करें, यदि आवेदक भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता होने के लिए पात्र है और अर्हित है।

इससे संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :

आज तारीख ————— मास ————— 20 ————

हस्ताक्षर —————

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय

प्ररूप भौ.उ. — 40

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड संख्यांक —————

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक —————

फीस— 5000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 40 देखिए)

भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रजिस्टर में नाम जारी रखने के लिए अनुरोध ————— नियम 110
रजिस्ट्रार से नियम 110 के अधीन अनुरोध किया जाता है कि भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रजिस्टर में ————— से —————
तक नाम बनाए रखना जारी कर रखे।

इस अनुरोध से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :

आज तारीख ————— मास ————— 20 ————

हस्ताक्षर —————

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय

प्रारूप भौ.उ.—41

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड संख्यांक -----

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक -----

फीस— 5000 रुपए धन जारी रखने की फीस (प्रविष्टि सं. 41 देखिए)

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के परिवर्तन के लिए आवेदन (नियम 113) (तीन प्रतियों में भरा जाए)

मैं ----- जो ----- का हूँ इसके द्वारा भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में जिसमें मेरा नाम सं. ----- के अधीन प्रविष्टि किया गया था, आवेदन करता हूँ कि मेरा नाम परिवर्तित किया जाए। मेरा नाम माल के भौगोलिक उपदर्शन नियम, 2000 के नियम 113 के अधीन ----- में हटया गया था।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :

आज तारीख-----मास-----20-----

हस्ताक्षर -----

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय

नियम 113 देखिए।

प्रारूप भौ.उ.—42

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड संख्यांक -----

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक -----

फीस— 500 रुपए

भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी प्रविष्टि के परिवर्तन के लिए आवेदन (नियम 114) (तीन प्रतियों में भरा जाए)।

मैं ----- जो ----- का हूँ तथा एक रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता हूँ (जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्यांक ----- है) अनुरोध करता हूँ कि भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में प्रविष्टि किया गया मेरा नाम, निवास स्थान का पता, कारखाने के प्रमुख स्थान का पता या अर्हताओं को निम्नलिखित रूप में परिवर्तित किया जाए :—

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख-----मास-----20-----

हस्ताक्षर -----

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय

1. पूरा नाम और पता लिखें।

2. जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दें।

3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के कार्यालय के स्थान का नाम लिखें।

प्ररूप भौ.उ. —43

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड संख्यांक —————

स्वत्वधारी का कोड संख्यांक —————

अधिनियम के अधीन किसी मामले या कार्यवाही में अधिकर्ता को प्राधिकृत किए जाने का प्ररूप।

(धारा 76 और नियम 20)

मैं (या हम) 1 ————— इसके द्वारा 2 ————— को जो ————— है, 3 ————— के लिए मेरे (हमारे) अधिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ (करते हैं) और अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि उसके संबंध में सभी सूचनाएं, मध्यपेक्षाएं और पत्रादि ऐसे अधिकर्ता को उपर्युक्त पते पर भेजे जाएं।

मैं (या हम) इसके द्वारा कार्यवाही की बाबत पहले के सभी प्राधिकारी को प्रतिसंहत करता हूँ (करते हैं)।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं :—

आज तारीख ————— मास ————— 20 —————

4 हस्ताक्षर —————

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

मेरा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम, पता और रजिस्ट्रकर्ता लिखें। नियम 16 देखिए।
2. अधिकर्ता विधि व्यवसायी, रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता या अधिकर्ता की नियुक्ति करने वाले व्यक्ति के एक मात्र और नियमित नियोजन में का व्यक्ति का पूरा नाम और पता लिखें।
3. वह विशिष्ट मामला या कार्यवाही की संदर्भ संख्या यदि ज्ञात है, लिखें। जिसके लिए अधिकर्ता की नियुक्ति की गई है।
4. उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा जो अधिकर्ता की नियुक्ति कर रहा है।
5. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—नियम 4 देखिए।

तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार स्ताम्पित किया जाएगा।

तीमरी अनुसूची

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1999 के प्ररूप

प्ररूपों की सूची

प्ररूप सं.	शर्पक
आ-1	धारा 16(3)
आ-2	धारा 55(1)
आ-3	नियम 61
आ-4	नियम 102
आ-5	नियम 55(1)

रजिस्ट्रीकरण के पूरा न किए जाने की सूचना

भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

अंतिम रजिस्ट्रीकरण के समाप्त होने की सूचना

भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में किर्गी व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

प्राधिकृत उपयोक्ता के पिछले रजिस्ट्रीकरण के पर्यवसान की सूचना।

प्ररूप आ.-1

भारत सरकार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

भारत के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

रजिस्ट्रीकरण के पूरा न किए जाने की सूचना

सं. -----

जैसा धारा 16 द्वारा अपेक्षित है, सूचना दी जाती है कि भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकरण जिनकी बाबत उपर्युक्त संख्यांकित आवेदन।

तारीख ----- मास ----- 20 को दिया गया था, आवेदक की ओर से व्यतिक्रम के कारण पूरा नहीं किया गया है। जब तक रजिस्ट्रीकरण पूरा नहीं होता तब तक सूचनात्मक दिनों के माध्यम से पूरा नहीं कर लिया जाता है, आवेदन को परामर्श के रूप में समझा जाएगा।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएंगे --

आज तारीख ----- मास ----- 20

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

मेरा में,

प्ररूप अ-2

भारत सं. 217

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

भारत के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 धारा 16(1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

भौगोलिक उपदर्शन सं.-----

तारीख -----

प्रमाणित किया जाता है कि भौगोलिक उपदर्शन जिसकी समाकृति इससे उपाबद्ध है,-----की बाबत-----तारीख-----को-----संख्यांक के अधीन-----वर्ग में-----के नाम में रजिस्ट्र में रजिस्ट्र किया गया है।

आज तारीख-----मास-----20-----को मेरे निदेश पर मुद्रांकित किया गया।

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन

रजिस्ट्रीकरण इसमें ऊपर प्रथम उल्लिखित तारीख से 10 वर्ष के लिए है और जब 10 वर्ष की अवधि के लिए तथा तत्पश्चात् प्रत्येक 10 वर्ष की और अवधि के पश्चात् भी नवीकृत किया जा सकता है।

इस प्रमाणपत्र का प्रयोग विधिक कार्यवाही में या विदेश में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

प्ररूप अ-3

भारत सरकार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

भारत के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 धारा 18(4) के अधीन अंतिम रजिस्ट्रीकरण के समाप्त होने की सूचना-भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र।

रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं.-----

वर्ग-----

भारत के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 18(4) में ऐसा है कि पूर्वोक्त भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकरण-----को समाप्त हो जाएगा और कि रजिस्ट्रीकरण उस तारीख की विहित फीस के साथ संलग्न प्ररूप छ डी-13 के एक आवेदन की भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में प्राप्ति पर दस वर्ष की अवधि के लिए नवीकृत किया जा सकता है।

आज तारीख-----मास-----20-----

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

प्रारूप आ-4

भारत सरकार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र नियम 109

सं. —————

यह प्रमाणित किया जाता है कि —————

————— जो ————— का है माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2001 के नियम 102 के अधीन अनुरक्षित भौगोलिक अभिकर्ता के रजिस्टर में तारीख ————— मास ————— 20 ————— को रजिस्टर किया गया था।

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

प्रारूप आ-5

भारत सरकार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 18(4) के अधीन अंतिम रजिस्ट्रीकरण के समाप्त होने की सूचना

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 धारा 18(4) के अधीन जैसा अपेक्षित है, यह सूचना दी जाती है कि पूर्वोक्त प्राधिकृत उपयोगता का रजिस्ट्रीकरण तारीख ————— को समाप्त हो जाएगा और कि रजिस्ट्रीकरण उस तारीख को या उससे पूर्व 5000 रुपये की विहित फीस के साथ संलग्न प्रारूप छ झ-35 में एक आवेदन के भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में प्राप्त होने पर दस वर्ष की और अवधि के लिए नवीकृत किया जा सकता है।

आज तारीख ————— मास ————— 20 —————

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

चौथी अनुसूची

माल का वर्गीकरण-वर्गों के नाम

(किसी वस्तु या उपकरण के भाग को साधारणतया वास्तविक वस्तु या उपकरण के साथ वर्गीकृत किया जाता है, सिवाय वहां के जहां ऐसा माल किसी अन्य वर्ग में सम्मिलित वस्तु गठित करते हैं)

वर्ग 1

उद्योग, विज्ञान, फोटोचित्रण, कृषि, उद्यानकृषि और वानिकी में प्रयुक्त रसायन, अप्रसंस्कृत कृत्रिम रेजिन, अप्रसंस्कृत प्लास्टिक, खादें, अग्निशमन घटक, पानी चढ़ाना टैंम्परिंग और सोल्डरन निर्मितियां, खाद्य पदार्थ के परिरक्षण के लिए रासायनिक पदार्थ, चर्मशोधन पदार्थ, उद्योग में प्रयुक्त किए जाने वाले आसंजक।

वर्ग 2

पेंट, वार्निश, लेकर (रलाक्ष), जंग के विरुद्ध और काष्ठ के क्षय के विरुद्ध परिरक्षी, कोटोरेट, रंगबन्धक, कच्चा प्राकृतिक रेजिन, पेंटों के लिए पर्णिका और चूर्ण रूप में धातुएं, सजावट करने वाले, मुद्रक और कलाकार।

वर्ग 3

लांड़ी उपयोग के लिए विरंजन निर्मितियां और अन्य पदार्थ, निर्मलन, पालिशकरण, मंजाई और अपधर्षी निर्मितियां, साबुन, सुगंध सामग्री, वाष्पशील तेल, श्रृंगार सामग्री, केश लोशन, दंत मंजन।

वर्ग 4

औद्योगिक तेल और चिकनाई (ग्रीज), स्नेहक, धूल अवशोषक, आर्द्र कारक और बंधन घटक, ईंधन (जिसके अंतर्गत मोटर स्पिरिट) तथा प्रदीपक, कैंडल, बत्ती।

वर्ग 5

भेषजीय पशु चिकित्सा और स्वच्छता संबंधी निर्मितियां, चिकित्सा उपयोग के लिए अनुकूलित आहारिक पदार्थ, शिशुओं के लिए खाद्य, प्लास्टर, महरम पट्टी (ड्रेसिंग) के लिए सामग्री, दंत भराई सामग्री, दंत मोम, विसंक्रामक (रोगाणु नाशी) पीड़क जंतु, कवच नाशी, शाकनाशी नष्ट करने के लिए निर्मितियां।

वर्ग 6

सामान्य धातुएं और उनके मिश्रातु, धातु निर्माण सामग्रियां, सामान्य धातु के परिवहनीय, निर्माण, रेल पटरियों के लिए धातु की सामग्रियां, सामान्य धातु के गैर विद्युत, केबल और तार, लौह व्यापार, धातु हार्ड वेयर की छोटी मर्दे, धातु के पाइप और ट्यूब, सेफ, अन्य वर्गों में न सम्मिलित की गई सामान्य धातु के माल, अयस्क।

वर्ग 7

मशीन और मशीनों के औजार, मोटर और इंजिन भूमि यानों के सिवाय मशीन मुग्मक और परिपण घटक, (भूमि यानों के सिवाय), हस्तचालित से मिश्र कृषि उपकरण अंडों के लिए उष्मायित्र।

वर्ग 8

हाथ के औजार और उपकरण (हाथ से चलाए जाने वाले), कटलरी, पार्श्व आयुध, सुरा।

वर्ग 9

वैज्ञानिक, नौ सर्वेक्षण, विद्युत फोटो चित्रण, सिनेमा चित्रण (सिनेमैटोग्राफिक), प्रकाशिक, तुलन, मापन संकेतक, जांच (पर्यवेक्षण) जीवन रक्षक और शिक्षण साधित्र तथा उपकरण, रिकार्ड करने के लिए साधित्र, ध्वनि या प्रतिबिम्ब परिपण या पुनरुत्पादक, चुंबकीय डाटा वाहक, रिकार्डिंग डिस्क, सिक्का आयोडेट उपकरण के लिए स्वचालित वैडिंग मशीन और मेकनिज्म, नकद कैश रजिस्टर, संगणक मशीनें, डाटा प्रसंस्करण उपस्कर और कंप्यूटर, अग्नि शामक उपकरण।

वर्ग 10

शल्य क्रिया संबंधी, आयुर्विज्ञान संबंधी, दंत रोग संबंधी तथा पशु चिकित्सा संबंधी औजार और उपकरण, कृत्रिम अंग, आंख और दांत, विकलांगों के लिए वस्तुएं, सीबन सामग्रियां।

वर्ग 11

प्रकाश करने, ताप करने, भाप पैदा करने, पकाने, प्रशीतन करने सुखाने, वातायन, जल प्रदाय और स्वच्छता प्रयोजनों के लिए उपकरण।

वर्ग 12

यान, भूमि, वायु या जल द्वारा संचलन के लिए उपकरण।

वर्ग 13

अग्न्यायुध, गोला बारूद और प्रक्षेपक, विस्फोटक सामग्री, आतिशबाजी।

वर्ग 14

बहुमूल्य धातुएं और उनकी मिश्रातु तथा बहुमूल्य धातुओं में या उनके लैपित माल जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, आभूषण, बहुमूल्य रत्न होरोलाजिकल या अन्य कालमापन यंत्र।

वर्ग 15

वाम यंत्र।

वर्ग 16

कागज, कागज बोर्ड तथा इन सामग्रियों से बनाए गए माल जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, मुद्रित सामग्री, जिल्द साजी सामग्री, फोटोग्राफ, लेखन सामग्री, या गृहस्थी के प्रयोग के लिए आसंजक, कलाकारों सामग्रियां, पेंट ब्रश, टाइप राइटर और कार्यालय के लिए अपेक्षित वस्तुएं (फर्नीचर को छोड़कर), अनुदेशात्मक तथा शैक्षणिक सामग्रियां (साधित्र को छोड़कर), पैकेज बनाने के लिए प्लास्टिक सामग्रियां (जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं), ताश, मुद्रण टाइप, मुद्रण।

वर्ग 17

खर, गत्ता, परचा, गोंद, ऐस्वेस्टास, अभ्रक और वे सामान जो इन सामग्रियों से बनाए गए हैं तथा अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं किए गए हैं, विनिर्माण में प्रयोग के लिए उत्सारित रूप में प्लास्टिक, पैकिंग, भराई और विद्युत रोधन सामग्रियां, नमनीय पाइप जो धातु के न हों।

वर्ग 18

चमड़ा और चमड़े की अनुकृति और इन सामग्रियों से बने सामान जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, पशुओं के चमड़े, खाल, ट्रंक और यात्रा बैग, छाता, आतपत्र (पैरासोल) और टहलने की छड़ी, चाबुक, साज सज्जा और जीन साजी।

वर्ग 19

भवन निर्माण सामग्री (गैर धात्विक), भवन, एसफाल्ट, अलकतरा और बिटुमेन, गैर धात्विक परवहनीय भवन, संस्मारक जो धातु के न हों।

वर्ग 20

फर्नीचर, दर्पण, चित्र चौखटा (पिक्चर फ्रेम) काष्ठ के माल (जो अन्य वर्गों में सम्मिलित न हों), कार्क टीड, बेंत (गन्ना), बत्ती, सींग, अस्थि, हाथी दांत, खेल अस्थि, खोल, अम्बर, मुक्ता सीप, समुद्र फेन और इन सभी सामग्रियों के लिए या प्लास्टिक के अनुकल्प।

वर्ग 21

गृहस्थी के या रसोई के बर्तन और आधान (जो बहुमूल्य धातु के या उससे लेपित न हों) कंधियां और स्पंज, ब्रुश (पेंट के ब्रुशों को छोड़कर) ब्रुश बनाने की सामग्रियां, निर्मलन प्रयोजनों के लिए वस्तुएं, इम्पात, ऊन, अर्कर्मित या अर्द्ध कर्मित कांच (भवन निर्माण में प्रयुक्त होने वालों को छोड़कर) कांच के बर्तन पोर्सलीन या मिट्टी के बर्तन जो अन्य वर्गों में सम्मिलित न हों।

वर्ग 22

रज्जू, डोरी, जाल, तंबू, सायबान, तिरपाल, पाल, बोरी और बैग (जो अन्य वर्ग में सम्मिलित न हों) पैड लगाने और भराव सामग्रियां (खर और प्लास्टिक को छोड़कर) कच्ची रेशेदार टेक्सटाइल सामग्रियां।

वर्ग 23

टेक्सटाइल में उपयोग के लिए यार्न और धागे।

वर्ग 24

टेक्सटाइल और टेक्सटाइल माल जो अन्य वर्गों में सम्मिलित न हो बिस्तर (आच्छादन बेड कवर) और मेज आच्छादन (टेबल कवर)।

वर्ग 25

वस्त्र, जूतादि, सिर का पहनावा।

वर्ग 26

फीता, कसीदाकारी, रिबन और ब्रेड, बटन, हुक और आंख (फंदा), पिन और सूइयां, कृत्रिम फूल।

वर्ग 27

कालीन, रंग, पायदान और चटाई, विद्यमान तेल को ढकने के लिए लिनोलियम और अन्य सामग्रियां, मिति परदा, (वाल्स हैंगिंग) (गैर वस्त्रीय)।

वर्ग 28

खेल और खेल के सामान (खिलौना), व्यायाम और क्रीड़ा वस्तुएं जो अन्य वर्ग में सम्मिलित नहीं हैं, क्रिस्मस वृक्ष का अलंकरण।

वर्ग 29

मांस, मत्स्य, कुक्कुट और खेल, मांस निष्कर्ष, परिरक्षित, सुखाए गए तथा पकाए गए फल और वनस्पतियां, जेली, जैम, फ्रूट सास, अंडे, दुग्ध आग दुग्ध उत्पाद, खाद्य तेल और वसा।

वर्ग 30

काफी, चाय, कोका कोला, चीनी, चावल, टेपियोका, साबूदाना, कृत्रिम काफी, आटा और अनाज से बनी निर्मितियां, ब्रेड, पैस्ट्री और मिष्ठान, बर्फ, शहद, राब, यीस्ट, पाक घूर्ण, नमक, राई (सरसों) सिरका, चटनी, (स्वादक), मसाला, बर्फ।

वर्ग 31

कृषिक, उद्यान कृषिक, बनिकी उत्पाद और अन्न जो अन्य वर्गों में सम्मिलित न हो, जीवित प्राणी, ताजे फल और वनस्पतियां, बीज, प्राकृतिक पौध और फूल, पशुओं के लिए खाद्य पदार्थ, माल्ट।

वर्ग 32

बीयर, खनिज और वातित जल और अन्य गैर महासारिक पेय, फल पेय और फल जूस, सीरप तथा सुपेय बनाने के लिए अन्य निर्मितियां।

वर्ग 33

मद्यसारिक सुपेय (बीयर को छोड़कर)

वर्ग 34

तंबाकू, धूम्रपान वस्तुएं, दिया सलाई।

पांचवीं अनुसूची**रजिस्ट्रार के समक्ष नियम 91 की कार्यवाही में अनुज्ञेय खर्च का मापमान**

प्रविष्टि सं.	वह विषय जिसकी बाबत खर्च अधिनिर्णित किया जाता है	रकम
1.	एक दिन की सुनवाई के लिए जिसके अन्तर्गत साक्षियों की परीक्षा भी है।	1000 रुपए
2.	एक दिन की सुनवाई के लिए जब साक्षियों की परीक्षा नहीं है।	500 रुपए
3.	सुनवाई के स्थगन के लिए जो किसी पक्षकार की याचिका पर मंजूर किया जाए।	500 रुपए अन्य पक्षकार के साक्षी को पुनः समन करने का खर्च जिसकी उस दिन परीक्षा की जानी थी।
4.	किसी शपथ-पत्र से कलात्मक विषय को काट देने के लिए।	200 रुपए
5.	साक्षियों की उपस्थिति के लिए निर्वाह भत्ता या यात्रा भत्ता।	500 रुपए प्रत्येक ओर से प्रथम या द्वितीय श्रेणी का रेल या स्टीमर का भाड़ा तथा यदि रेल या स्टीमर संपर्क नहीं है तब साक्षी के रैंक और प्रास्थिति पर निर्भर करते हुए 5 रुपए या 2.50 रुपए प्रति किलो मी.

टिप्पण : साक्षी के लिए निर्वाह भत्ता और यात्रा भत्ता की दरों में साक्षी की प्रास्थिति के अनुसार ऊपर विहित अधिकतम सीमा के अधीन रहते हुए भिन्नता होगी।

[फा. सं. 14/1/2000-पी.पी.एंड सी]

ए. ई. अहमद, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Industrial Policy & Promotion)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th May, 2001

G.S.R. 372(E).—The following draft of certain rules, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 87 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 and sections 22 and 24 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), is hereby published as required by the said sub-section (1) of section 87 Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 for the information of all persons likely to be affected hereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of thirty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published, are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules within expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Commerce and Industry (Department of Industrial Policy & Promotion), Government of India, Udyog Bhawan, New Delhi - 110011.

Draft Rules

PART 1

CHAPTER 1

PRELIMINARY

Short title and commencement

1. (1) These rules may be called the GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (Registration and Protection) Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date on which the Act comes into force.

2(1) Definitions.-

In these rules, unless the context otherwise requires ---

- (a) "Act" means the GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS(Registration & Protection) Act, 1999 (XLI of 1999).
- (b) "agent" means a person authorised under Section 76;
- (c) "application for registration of a geographical indication" includes the geographical indication for goods contained in it,
- (d) "appropriate office of the Geographical Indication Registry" means the relevant office of the Geographical Indication Registry as specified in rule 4;
- (e) "business" includes the trading, dealing, production exploitation, making or manufacturing, as the case may be, of the goods to which geographical indication relates;
- (f) "class fee" means the fee prescribed under entry no 1 of the First Schedule;
- (g) "Convention Country" means a country notified as such under sub-section (1) of section 84;
- (h) "Convention Application" means an application for the registration of a geographical indication made by virtue of Section 84;
- (i) "divisional application" means
 - (i) the division of goods in a class in respect of a application for the registration of a geographical indication, or
 - (ii) a divided application made by the division of a single initial application for registration of a geographical indication for different classes of goods;
- (j) "divisional fee" means the fee so prescribed under the First Schedule;

- (k) "Form" means a form set forth in either the Second or the Third Schedule;
- (l) "graphical representation" means the representation of a geographical indication for goods in paper form.
- (m) "journal" means the Geographical Indications Journal;
- (n) "notified date" means the date on which the rules come into force;
- (o) "opposition" includes an opposition to the registration of a geographical indication or authorised user as the case may be;
- (p) Principal place of business in India" means the relevant place in India as specified in rule 3;
- (q) "Publish" means publish in the Geographical Indication Journal;
- (r) "registered geographical indications agent" means a geographical indications agent whose name is actually on the Register of Geographical Indications Agent maintained under 102;
- (s) "renewal" means and includes renewal of a geographical indication by the registered proprietor of geographical indication or the authorised user of a geographical indication as these may be;
- (t) "Schedule" means a Schedule to the rules;
- (u) "section" means a section of the Act;
- (v) "Specification" means the designation of goods in respect of which a geographical indication is registered or proposed to be registered;
- (w) All other words and expressions used but not defined in these rules and defined in the Act shall have the meaning assigned to them in the Act.

(2) In these rules, except as otherwise indicated, a reference to a section is a reference to that section in the Act, a reference to a rule is a reference to that rule in these rules, a reference to a Schedule is a reference to that schedule to these Rules and a reference to a form is a reference to that form mentioned in the second or third schedule, as the case may be.

3. Principal place of business in India.—"Principal place of business in India" means—

- (i) where a person carries on business in the goods concerned in a geographical indication
 - (a) if the business is carried on in India at only one place, that place;
 - (b) if the business is carried on in India at more places than one the place mentioned by him as the principal place of business in India;
- (ii) where a person is not carrying on a business in the goods concerned in a geographical indication —
 - (a) if he is carrying on any other business in India at only one place, that place;
 - (b) if he is carrying on any other business in India at more places than one, the place mentioned by him as the principal place of business in India; and
- (iii) where a person does not carry on any business in India but has a place of residence in India, then such place of residence in India.

(1) **Appropriate office of the Geographical Indication Registry.**—The "appropriate office of the Geographical Indications Registry" for the purposes of making an application for registration of a geographical indication under section 11 (1) or registration as an authorised user under section 17(1) or for giving notice of opposition under sub-section (1) of section 14 or sub-section (3) (c) of Section 17 as the case may be or for filing an application for rectification under section 27 or for any other proceedings under the Act and the rules shall be—

in relation to a geographical indication for which an application for registration is made on or after the notified date, the office of the Geographical Indications Registry within whose territorial limits —

- (i) the principal place of business in India of the applicant as disclosed in his application or in the case of an association of persons or producers the principal place of business in India of the applicant whose name is first mentioned in the application, as having such place of business is situate;
- (ii) where neither the applicant nor any of the association of persons or producers, as the case may be has a principal place of business in India, the place mentioned in the address for service in India as specified in the application is situate.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) all applications, communications, documents or fee authorised or required by the Act or the rules to be sent, served, left or paid shall be sent or paid at or to the Head Office of the Registry notified by the Central Government initially and subsequently at the appropriate office as at a later date notified.

5. Jurisdiction of appropriate office not altered by change in the principal place of business or address for service.— No change in the principal place of business in India or in the address for service in India, as the case may be, of an applicant or of any of the association of persons or producers for registration in relation to any geographical indication for which an application for registration is made on or after the notified date, made or effected subsequent to that date shall affect the jurisdiction of the appropriate office of the Geographical Indications Registry.

6. Entry of the appropriate office in the Register.— Subject to sub-rule (2) of Rule 4 in respect of every geographical indication registered after the notified date the Registrar shall cause to be entered in the register the appropriate office of the Geographical Indications Registry and the Registrar may, at any time, correct any error in the entry so made.

7. Leaving of documents, etc.— Save as otherwise provided in sub-rule (2) of rule 4 all applications, notices, statements or other documents or any fee authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent or paid at or to the Geographical Indications Registry in relation to a geographical indication shall be made, served, left or sent or paid to the appropriate office of Geographical Indication Registry.

8. Documents etc. filed or left not at the appropriate office.— Subject to the provisions of rule 7, in an exceptional case where any application, statement or other document or any fee authorised or required by the Act or the rules is made, served, left or sent or paid, at or to an office inadvertently which is not the appropriate office of the Geographical Indications Registry as and when such an office is notified under this Act by the Central Government under sub-rule 2 of rule 4, the Registrar may on a written request return such application, statement or document to the appropriate office if he is satisfied that it was a bonafide error on the part of the applicant in such cases.

Provided the period for which such application, or statement or document is retained by the office which is not the appropriate office shall be excluded or the purposes of computing the period of limitation where any of such application, statement or document is required to be presented within the prescribed period.

Provided before declining any such request the Registrar shall provide an opportunity of being heard.

9. Issue of notices, etc.— Subject to sub-rule (2) of rule 4 any notice or communication relating to any application matter or proceeding under the Act or the rules shall ordinarily be issued from the appropriate office of the Geographical Indication Registry but may, nevertheless, be issued from any office of the Geographical Indication Registry.

10. Fees.— (1) The fees to be paid in respect of applications, oppositions, registration, renewal or any other matter under the Act or the rules shall be those specified in the First Schedule, hereinafter referred to as the prescribed fees.

(2) Where in respect of any matter a fee is required to be paid under the rules, the form or the application or the request of the petition, therefor, shall be accompanied by the prescribed fee.

(3) Fees may be paid in cash or sent by money order addressed to the Registrar of Geographical Indications or by a bank draft issued by, or by a cheque drawn on, by a scheduled bank at the place where the appropriate office of the Geographical Indication Registry is situated and if sent through posts shall be deemed to have been paid at the time when the money order or the properly addressed bank draft or cheque would be delivered in the ordinary course of post.

(4) Bank drafts and cheques shall be crossed and made payable to the Registrar at the appropriate office of the Geographical Indication Registry and they shall be drawn on a scheduled bank at the place where the appropriate office of the Geographical Indication Registry is situated.

(5) Where a fee is payable in respect of filing of document and either the document is filed without fee or with insufficient fee, such document shall be deemed to have not been filed for the purposes any proceedings under the rules.

(6) Where any fee paid by a party is ordered to be returned by the Registrar under any of the provisions of the Act or the rules the amount may be refunded by money order in which event money order commission shall be deductible from such amount.

(7) The Registrar may after notification in the Geographical Indications Journal, make available electronic fee transfer facilities subject to such conditions as may be specified on that behalf.

11. Forms.— (1) The forms set forth in the Second and the Third Schedules shall be used in all cases to which they are applicable and may be modified as directed by the Registrar to meet other cases.

(2) Any form, when filed at the Geographical Indication Registry shall be accompanied by the prescribed fee

(3) A requirement under this rule to use a form as set forth in the schedules is satisfied by the use either of a replica of that form or of a form which is acceptable to the Registrar and contains the information required by the form as set forth in the schedule and complies with any direction as to the use of such a form

(4) The Registrar may after notification in the Geographical Indications Journal specify such forms as are required to be submitted in machine readable forms. Thereafter, such forms shall be completed in such a manner as may be specified as to permit an automated input of the content into a computer such as by character recognition or scanning

12. Size, etc of documents:- (1) Subject to any other directions that may be given by the Registrar, all applications, notices, statements, or other documents except the geographical indication required by the Act or the rules to be made, served, left or sent at or to the Geographical Indications Registry shall be typewritten, lithographed or printed in Hindi or in English in large and legible characters with deep permanent ink upon strong paper and except in the case of affidavits, on one side only and of size of approximately 33 cms. by 20 cms. and shall have on the left hand part thereof a margin of not less than 4 centimetres.

(2) Duplicate documents including copies of geographical indications shall be filed at the Geographical Indication Registry if at any time so required by the Registrar

(3) The Registrar may after notification in the Geographical Indications Journal alter the size of all applications, notices, statements or other document and forms required under the rules to make it compatible in machine readable form.

(4) The Registrar may after notification in the Geographical Indications Journal permit the filing of applications, statements, notices or other documents by electronic means subject to such conditions as he may specify either generally by published notice in the Journal or in any particular case by written notice to the persons desiring to file any such documents by such means.

13. Signing of documents:- (1) An application for the registration of a geographical indication purporting to be filed by an association of persons or producers shall be signed by the authorised signatory thereof to sign such documents and a document purporting to be signed by a body corporate or any organisation or any authority established by or under any law for the time being in force shall be signed by the Chief Executive, or the Managing Director or the secretary or other principal officer of such organisation. A document purporting to be signed by a partnership shall be signed by at least one of the partners. The capacity in which an individual signs a document on behalf of an association of persons or a body corporate shall be stated below his signature.

(2) Signatures to an application and any other documents shall be accompanied by the name of the signatory in English or in Hindi and in block letters.

14. Service of documents:- (1) All applications, notices, statements, papers having representations affixed thereto, or other documents authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent, at or to the Geographical Indication Registry or with or to the Registrar or any other person may be sent through the post by a prepaid letter.

(2) Any application or any document so sent shall be deemed to have been made, served, left or sent at the time when the letter containing the same would be delivered in the ordinary course of post.

(3) In proving such sending it shall be sufficient to prove that the letter was properly addressed and put into the post

15. Particulars of address etc. of applicants and other persons:- (1) Names and addresses of the association of persons, producers, authorised users and other persons shall be given in full, together with their nationality, calling and such other particulars as are necessary for identification

(2) In the case of a body corporate the full name and nationality of the Board of Directors thereof shall be stated

(3) In the case of foreign applicants and persons having no principal place of business in India, their addresses in their home country shall be given in addition to their address for service in India.

(4) In the case of a body corporate or any organisation or authority established by or under any law for the time being in force the country of incorporation or the nature of registration, if any, as the case may be, shall be given.

16. Statement of principal place of business in India in an application:- (1) Every application for registration of a geographical indication or as an authorised user shall state the principal place of business in India, if any, of the applicant or the authorised user or in the case of association of persons or producers of goods such of them as have a principal place of business in India

(2) Subject to the provisions of rules 17, 18 and 20 any written communication addressed to an applicant or his agent, or an authorised user or his agent or in the case of association of persons, the person authorised to act in the matter in connection with the registration of a geographical indication or their agent, at the address of his principal place of business in India given by him in the application shall be deemed to be properly addressed.

17. Address for service:— (1) An address for service in India shall be given :—

- (a) by every applicant for registration of a geographical indication or an authorised user of a geographical indication who has no principal place of business in India;
- (b) in the case of an association of persons or producers for registration of a geographical indication if none of them has a principal place of business in India;
- (c) by the applicant for a geographical indication who had his principal place of business in India at the date of making the application for registration but has subsequently ceased to have such place, and
- (d) by every applicant or authorised user in any proceeding under the Act or the rules and every person filing a notice of opposition, who do not have a principal place of business in India.
- (e) by every person granted leave to intervene under Rule 67 (the intervener)
- (f) Every proprietor of a registered geographical indication which is the subject of an application to the Registrar for the invalidation or rectification of the registered geographical indication .

(2) Any written communication addressed to a person as aforesaid at an address for service in India given by him shall be deemed to be properly addressed.

(3) Unless an address for service in India as required in sub-rule (1) is given, the Registrar shall be under no obligation to send any notice that may be required by the Act or the rules and no subsequent order or decision in the proceedings shall be called in question on the ground of any lack or non-service of notice.

18. Address for service in application and opposition proceedings:— An applicant for registration of a geographical indication or as an authorised user or an opponent filing a notice of opposition may notwithstanding that he has a principal place of business in India, if he so desires, may furnish to the Registrar with an address in India to which communications in relation to the application or opposition proceedings only may be sent. Such address of the applicant or the authorised user or the opponent shall be deemed, unless subsequently cancelled, to be the actual address of the applicant or the authorised user or the opponent, as the case may be, and all communications and documents in relation to the application, or notice of opposition may be served by leaving them at, or sending them by post to such address of the applicant or the authorised user or the opponent, as the case may be.

19. Non-availability of an address for service:— The Registrar may, at any time when a doubt arises as to the continued availability of an address for service in India entered in the register, request the person for whom it is entered by letter directed to any other address entered in the register or if no such address is entered in the register to the address at which the Registrar considers that the letter would reach him to confirm the address for service in India and if within two months of making such a request the Registrar receives no such confirmation, he may strike the entry in the register of the address for service in India and require such person to furnish a fresh address for service in India or his address at the principal place of business in India, if he has any at that time.

20. Agency:— (1) The authorisation of an agent for the purpose of Section 76 shall be executed on **Form G 1-43** or in such other written form as the Registrar may deem sufficient and proper.

(2) In the case of such authorisation, service upon the agent of any document relating to the proceeding or matter shall be deemed to be service upon the person so authorising him, all communications directed to be made to such person in respect of the proceeding or matter may be addressed to such agent, and all appearances before Registrar relating thereto may be made by or through such agent.

(3) In any particular case the Registrar may require the personal signature or presence of an applicant, opponent, proprietor, authorised user or other person.

21. Classification of goods:— (1) For the purposes of the registration of a geographical indication or as an authorised user, goods shall be classified in the manner specified in the Fourth Schedule.

(2) The goods mentioned in the Fourth Schedule only provide a means by which the general content of numbered international classes can be quickly identified. They correspond to the major content of each class and are not intended to

be exhaustive in accordance with the International Classification of Goods. For determining the classification of particular goods and for full disclosure of the content of international classification, reference may be made to the alphabetical index of goods if any, published by the Registrar under sub-section (3) of section 8 or the current edition of International Classification of Goods for the purpose of registration of trade marks published by the World Intellectual Property Organisation or any subsequent edition as may be available.

(3) Where goods of more than one class are set out in an application for which only one application fee has been paid, the Registrar shall require the applicant to amend the application in order to restrict the goods to a single class.

22. Request to Registrar for search:- (1) Any person may request the Registrar on **Form GI- 16** to cause a search to be made in respect of specified goods classified in any one class in the Fourth Schedule in order to ascertain whether any geographical indication is on record which resembles a trade mark of which two representations accompany the form. The Registrar shall cause a search to be made and inform the applicant of the result of such search.

CHAPTER II

PROCEDURE FOR REGISTRATION OF GEOGRAPHICAL INDICATIONS

23. Form and signing of application.- (1) Every application for the registration of a geographical indication shall be made in the prescribed form and shall be signed by the applicant or his agent and must be made in triplicate alongwith three copies of a Statement of Case.

(2) An application to register a geographical indication for a specification of goods included in any one class shall be made in **Form GI-1**;

(3) An application to register a geographical indication under section 84(1) for a specification of goods included in any one class from a convention country shall be made in **Form GI- 2**.

(4) A single application for the registration of a geographical indication for different classes of goods from a convention country under section 84(1) shall be made in **Form GI-4**.

(5) A single application for the registration of a geographical indications for different ; Classes of goods shall be made in **Form GI-3**;

(6) Every application for the registration of a geographical indication for goods must satisfy the following conditions:

(a) The geographical indication must be defined with sufficient precision so that the right to obtain relief in respect of infringement of geographical indication can be determined :

(b) The graphical representation must be able to stand in place of the geographical indication without the need for supporting samples:

(c) It must be reasonably practicable for persons inspecting the Register or reading the Geographical Indications Journals to understand from the graphical representation what the geographical indication is :

(d) An application for the registration of a three dimensional geographical indication shall not be acted upon as such unless the application for registration contains a statement to that effect :

(e) Where a colour combination is claimed as an element of a geographical indication in an application for the registration, it shall not be acted upon as such unless the application contains a statement to that effect and specifies the colours:

(7) An amendment to divide an application under proviso to section 15 shall be made in **Form G I-29**.

(8) Every application shall be in respect of one geographical indication only for as many class or classes of goods as may be made.

(9) The Registrar may require a more concise description of a geographical indications if relates to colour combination, a three-dimensional geographical indications, a design which are symbols of definite concepts, a configuration of goods or packaging to evaluate the substantive rights in the geographical indications.

(10) Where an applicant files a single application for one or more classes and the Registrar determines that the goods applied for fall in class or classes in addition to those applied for, the applicant may restrict the specification of goods to the class applied for or amend the application to add additional class or classes on payment of the appropriate class fee and the divisional fee. The new class created through a division retains the benefit of original filing date or in the case of an

application from a convention country, the convention application date under sub-section (1) of section 84 provided the claim was otherwise properly asserted in the original application.

24. Application under convention arrangement.— (1) Where an application for registration of a geographical indications filed by an applicant from a convention country under section 84, a certificate by the Registry or competent authority of the Geographical Indication Office of the convention country shall be included in the application for registration under sub-rule 3 or 4 of Rule 23, as the case may be, and it shall include the particulars of the geographical indication, the country and the date or dates of filing of the first application in the convention country and such other particulars as may be required by the Registrar.

(2) Unless such certificate has been filed at the time of the filing of the application for registration, there shall be filed, within two months of the filing of the application under sub-rule (3) or (4) of rule 23, as the case may be, certifying or verifying to the satisfaction of the Registrar the date of the filing of the application, the country, the representation of geographical indication, the class and goods covered by the application.

(3) The application relied under sub-rule (1) must be the applicants' first application in a convention country for the same geographical indications and for the same goods. The application must include a statement indicating the filing date of the foreign application relied upon the convention country where it was filed, the serial number, if available and a statement indicating that the convention application date is claimed.

(4) Where a single application under sub section (3) of section 11 from a convention country is received in respect of a geographical indications for one or more classes of goods, the applicant must establish a continuous valid basis for the convention application date in all classes.

25. Statement of user in applications.— An application to register a geographical indications or as an authorised user shall, contain a statement of the period during which, and the person by whom it has been used in respect of the goods mentioned in the application. The applicant shall file an affidavit testifying to such user with exhibits showing the geographical indications as used, the volume of sales under that geographical indication, the definite territory of the country, region or locality in the country to which geographical indication relates and such other particulars as the Registrar on perusal of the application may call for from the applicants.

26. Representation of Geographical Indication .— Every application for the registration of a geographical indication and where additional copies of the application are required every such copy, shall contain a representation of the geographical indication in the space provided on the application form for that purpose provided the size of such representation shall not exceed 33 centimetres by 20 centimetres with a margin of 4 cm. on the left hand side.

27. Additional representations.— (1) Every application for the registration of a geographical indication shall, except as hereinafter provided, be made in triplicate and shall be accompanied by five additional representations of the geographical indication. The representations of the geographical indication on the application and each of its copies and the additional representations shall correspond exactly with one another. The additional representations shall in all cases be noted with the specification and class of goods for which registration is sought, the name and address of the applicant, together with the name and address of his agent, if any, the period of use, and such other particulars as may from time to time be required by the Registrar and shall be signed by the applicant or his agent

(2) Where an application contains a statement to the effect that the applicant wishes to claim combination of colours as a distinctive feature of the geographical indication, the application shall be accompanied with three reproduction of the geographical indication in black and white and five reproduction of the geographical indication in colour.

(3) (i) Where an application for the registration of a geographical indication consist of shape of goods or its packaging, the reproduction furnished shall consist of at least three different views of the geographical indication and a description by word of the geographical indication .

(ii) If the Registrar considers the different views and description of the geographical indication in sub-para (i) still does not sufficiently show the particulars of the shape of goods or its packaging he may call upon the applicant to furnish a specimen of the goods or packaging, as the case may be, as sold in respect of the geographical indication.

28 Representations to be durable and satisfactory .—(1) All representations in respect of a geographical indication shall be of a durable nature, and each additional representation required to be filed with an application for registration shall be mounted on a sheet of strong paper of the size of approx. 33 cm by 20 cm leaving a margin of not less than 4 centimetres on the left hand part of the sheet.

(2) If the Registrar is not satisfied with any representation of a geographical indication he may at any time require another presentation satisfactory to him to be substituted before proceedings with the application.

29. Transliteration and translation.—(1) Where a geographical indication contains a word or words in character other than Devnagari or Roman, there shall be endorsed on the application form and the additional representation thereof, a sufficient transliteration and translation to the satisfaction of the Registrar of each of such words, and every such endorsement shall state the language to which the word belongs and shall be signed by the applicant or his agent failing which the Registrar shall be under no obligation to take any action on the application.

(2) Where a geographical indication contains word or words in a language other than Hindi or English, the Registrar may ask for an exact translation thereof together with the name of the language, and such translation and name if he so requires, shall be endorsed and signed as aforesaid.

30. Name or description of goods on a Geographical Indication —Where the name or description of any goods appears on a Geographical Indication, the Registrar shall refuse to register such Geographical Indication in respect of any other goods other than the goods so named or described.

31. Deficiencies.—Where an application for registration of a Geographical Indication does not satisfy the requirement of section 11 or rule 23, the Registrar shall send notice thereof to the applicant to remedy the deficiencies and if within one month of the date of the notice the applicant fails to remedy any deficiency so notified to him, the application shall be treated as abandoned.

PROCEDURE ON RECEIPT OF APPLICATION FOR REGISTRATION OF A GEOGRAPHICAL INDICATION

32. Contents of application.—(1) Every application for the registration of a geographical indication shall be made in the prescribed forms and shall contain the following:

- (1) a statement as to how the geographical indication serves to designate the goods as originating from the concerned territory of the country or region or locality in the country, as the case may be, in respect of specific quality, reputation or other characteristics of which are due exclusively or essentially to the geographical environment, with its inherent natural and human factors, and the production, processing or preparation of which takes place in such territory, region or locality as the case may be.
- (2) the class of goods to which the geographical indication shall apply.
- (3) the geographical map of the territory of the country or region or locality in the country in which the goods originate or are being manufactured;
- (4) the particulars regarding the appearance of the geographical indication as to whether it is comprised of the words or figurative elements or both.
- (5) a statement containing such particulars of the producers of the concerned goods, if any, proposed to be initially registered with the registration of the geographical indication;
- (6) the statement contained in the application shall also include the following:
 - (a) an affidavit as to how the applicant claim to represent the interest of the association of persons or producers or any organization or authority established by or under any law.
 - (b) The standards benchmark for the use of the geographical indication or the industry standard as regards the production, exploitation, making or manufacture of the goods having specific quality, reputation, or other characteristic of such goods that is essentially attributable to its geographical origin with the detailed description of the human creativity involved, if any or other characteristic from the definite territory of the country, region or locality in the country, as the case may be.
 - (c) whether these standards have been approved by any statutory or any other regulating authority and if so, full particulars thereof;
 - (d) the particulars of the mechanism to ensure that the standards, quality, integrity and consistency or other special characteristic in respect of the goods to which the geographical indication relates which are maintained by the producers, maker or manufacturers of the goods, as the case may be.
 - (e) details of the steps that are in place to assure a clean and environmentally responsible production system in respect of the goods to which geographical indication relates.
 - (f) particulars of history of the founding, development, tradition, heritage and the style woven into the geographical indication for the goods concerned having special quality associated with the definite territory of the country, region or locality of that country, as the case may be.

- (g) a comprehensive textual description of the proposed boundary in respect of geographical indication in relation to the goods in respect of which registration is sought. The text must identify the natural features, man-made features and the grid reference that have been used. The boundary must begin from a well defined starting point and the description should follow a clockwise direction;
- (h) the degree that is measurable and substantive in relation to goods stated in the application, if applicable, that meets the criteria set out on the following growth attributes as applicable.
 - (i) the geological formation and features of the area.
 - (ii) the degree to which the climate of the proposed area is uniform in respect of temperature, atmospheric pressure, humidity, rainfall, hours of sunshine or other weather conditions.
 - (iii) a comparative chart between the usual date of harvest of the same variety of agricultural or natural goods, as the case may be and the essential and material difference between the goods the geographical indication relates from similar goods cultivated made or produced in other regions;
 - (iv) The availability or otherwise of water from an irrigation scheme and if so, details of the extent of the scheme, volumes and water quality.
 - (v) Any other growth attributes pertinent to the application;
 - (vi) The details of any development plan that has been approved or are proposed by the state or municipal authorities which would affect the application.
- (i) three certified copies of the map of the territory, region or locality showing the title, name of publisher and date of issue along with the application;
- (j) the particulars of special human skill involved or the uniqueness of the geographical environment or other inherent characteristics associated with the geographical indication to which the application relates;
- (k) the number of producers in the definite territory, region or locality in respect of goods to which the application relates;
- (l) the full name and address of the association of persons or organisation or authority representing the interest of the producers of the concerned goods;
- (m) certified copies of bye laws, memorandum and Article of Association and any other rules or regulation binding the applicant, where applicable;
- (n) the boundary as shown in the application being changed in the future due to technological changes in the method of production or manufacture;
- (o) particulars of the inspection structure, if any, to regulate the use of the geographical indication in respect of the goods for which application is made in the definite territory mentioned in the application;
- (p) where the geographical indication is a homonymous indication to an already registered geographical indication, the material factors differentiating the application from the registered geographical indications and particulars of protective measures adopted by the applicant to ensure consumers of such goods are not confused or misled or confused in consequence of such registration.

(2). Every application for the registration of a geographical indication in respect of any goods shall, on receipt, be acknowledged by the Registrar. The acknowledgement shall be by way of return of one of the additional representations of the geographical indication filed by the applicant along with his application with the official number of the application duly entered thereon.

33. Examination of application.—Upon receipt of an application, the Registrar shall examine the application and the accompanying Statement of Case as required under rule 32(1) as to whether it meets the requirements of the Act and the rules and for this purpose, if required, he may constitute a Consultative Group of not more than five representatives chaired by him from organization or authority or persons well versed in that field, to ascertain the correctness of the particulars furnished in the Statement of Case referred to in rule 32(1) which should ordinarily be finalised within three months from the date of constitution of the Consultative Group. Thereupon, the Registrar shall issue an Examination Report on the application to the applicant.

34. Objection on an application.—(1) If, on consideration of the application on merits and of any evidence of use or of a given quality, reputation or other characteristic of such goods that are essentially attributable to its geographical origin or of any other matter relevant which the applicant may be required to furnish, the Registrar has any objection to the acceptance of the application or proposes to accept it subject to such conditions, amendments, modifications or limitations as he may think right to impose, the Registrar shall communicate such objection or proposal in writing to the applicant

(2) If within two months from the date of communication mentioned in sub-rule (1), the applicant does not amend his application according to the proposal aforesaid, or submit his observations to the Registrar or apply for a hearing or fails to attend the hearing, the application shall be deemed to have been abandoned

35. Decision of Registrar.—(1) The decision of the Registrar under rule 34 or rule 37 after a hearing or without a hearing if the applicant has duly communicated his observations in writing and has stated that he does not desire to be heard, shall be communicated to the applicant in writing and if the applicant intends to appeal from such decision he may within one month from the date of such communication apply on **Form GI-5** to the Registrar requiring him to state in writing the grounds of, and the materials used by him in arriving at his decision.

(2) In a case where the Registrar makes any requirements to which the applicant does not object the applicant shall comply therewith before the Registrar issues a statement in writing under sub-rule (1).

(3) The date when the statement in writing under sub-rule (1) is sent shall be deemed to be the date of the Registrar's decision for the purpose of appeal.

36. Correction and amendment of application.—An applicant for registration of a geographical indication may, whether before or after acceptance of his application but before the registration of the geographical indication, apply on **Form GI-17** accompanied by the prescribed fee for the correction of any error in or in connection with his application or any amendment of his application provided such proposed amendment does not relate to amendment of the geographical indication or amendment in the description of goods or to the definite, territory, region or locality, as the case may be that would have the effect of substantially altering or substituting the original application.

37. Withdrawal of acceptance by the Registrar.—(1) If, after the acceptance of an application but before the registration of the geographical indication, the Registrar has any objection to the acceptance of the application on the ground that it was accepted in error, or that the geographical indication ought not to have been accepted in the circumstances of the case, or proposes that the geographical indication should be registered only subject to conditions or limitations, or to conditions additional to or different from the conditions or limitations subject to which the application has been accepted, the Registrar shall communicate such objection in writing to the applicant.

(2) Unless within thirty days from the date of the communication mentioned in sub-rule

(1) the applicant amends his application to comply with the requirements of the Registrar or applies for a hearing the acceptance of the application shall be deemed to be withdrawn by the Registrar, and the application shall proceed as if it had not been accepted.

(3) Where the applicant intimates the Registrar within the period mentioned in sub-rule

(2) that he desires to be heard, the Registrar shall give notice to the applicant of a date when he will hear him. Such appointment shall be for a date at least 15 days after the date of the notice unless the applicant consents to a shorter notice. The applicant may state that he does not desire to be heard and submit such submissions as he may consider desirable

(4) The Registrar may after hearing the applicant and on considering the submissions, if any, of the applicant pass such orders as he may deem fit.

ADVERTISEMENT OF APPLICATION

38. Manner of Advertisement.—(1) An application for the registration of a geographical indication required or permitted to be advertised by sub-section (1) of section 13 or to be re-advertised by sub-clause (2) of that section shall be ordinarily advertised in the Journal within three months of the acceptance of an application for advertisement on receipt of request in **Form GI-6** together with prescribed fee.

(2) The Registrar may after notification in the Journal put the published Geographical Indications Journal on the internet, website or any other electronic media.

(3) The Registrar may after notification in the Journal make available the Geographical Indications Journal in CD-ROM on payment of the cost thereof

39. Notification of correction or amendment of application.—In the case of an application to which Para (b) of sub-section (2) of section 13 applies, the Registrar may if he so decides, instead of causing the application to be advertised again, insert in the Journal a notification setting out the number of the application, the class in which it was made, the name and address of the principal place of business in India, if any, of the applicant or where the applicant has no principal place of business in India his address for service in India, the number of the Journal in which it was advertised and the correction or amendment made in the application.

40. Request to Registrar for particulars of advertisement of a Geographical Indication.—Any person may request the Registrar on Form GI-32 to be informed of the number, date and page of the Journal in which a geographical indication specified in the form was advertised and the Registrar shall furnish such particulars to the person making the request

OPPOSITION TO REGISTRATION

41 (1). Notice of Opposition.—A notice of opposition to the registration of a geographical indication under sub-section (1) of section 14 or an authorised user under section 17(3)(c) shall be given in triplicate on **Form GI-7** within three months or within such period not exceeding one month in the aggregate from the date of the advertisement or re-advertisement, as the case may be, of the application for registration in the Journal. The notice shall include a statement of the grounds upon which the opponent objects to the registration of the geographical indication or of the authorised user, as the case may be.

(2) Where a Notice of Opposition has filed in respect of single application for the registration of a geographical indication it shall bear the fee in respect of each class in relation to which the opposition is filed

(3) Where an opposition is filed only for a particular class or classes in respect of a single application made under sub-section (3) at section 11, the application shall not proceed to registration until a request in Form GI-29 for division of the application together with the divisional fee is made by the applicant

(4) Where in respect of a single application for the registration of a geographical indication no notice of opposition is filed in any class or classes, the application in respect of such class or classes shall proceed to registration after the division of the application in the class or classes in respect of which an opposition is pending

(5) An application for an extension of the period within which a notice of opposition to the registration of a geographical indication or an authorised user may be given under sub-section (1) of section 14, shall be made on Form GI-34 accompanied by the prescribed fee before the expiry of the period of three months under sub-section (1) of section 14

(6) A copy of notice of opposition shall be ordinarily served by the Registrar to the applicants within two months of the receipt of the same by the appropriate office

42. Verification of Notice of Opposition

(1) The notice of opposition shall be verified by the opponent

(2) The verification shall specifically state by reference to the numbered paragraphs of the notice of opposition, what is verified of his own knowledge and what is verified upon information received and believed to be true

(3) The verification shall be signed by the person making it and shall state the date and the place at which it was signed.

43. Counterstatement.—(1) The counter-statement required by sub-section (2) of section 14 shall be sent in triplicate on Form GI-8 within two months from the receipt by the applicant of the copy of the notice of opposition from the Registrar and shall set out what facts, if any, alleged in the notice of opposition, are admitted by the applicant. A copy of the counter-statement shall be served by the Registrar on the person giving notice of opposition ordinarily within two months from the date of receipt of the same.

(2) The counterstatement shall be verified in the same manner as the notice of opposition as stated in rule 42

44. Evidence in support of opposition by the opponents.—(1) Within two months from service on him of a copy of the counterstatement or within such further period not exceeding one month in the aggregate thereafter as the Registrar may on request allow, the opponent shall either leave with the Registrar such evidence by way of affidavit as he may desire to adduce in support of his opposition or shall intimate to the Registrar and to the applicant in writing that he does not desire to adduce evidence in support of his opposition but intends to rely on the facts stated in the notice of opposition. He shall deliver to the applicant copies of any evidence that he leaves with the Registrar under this sub-rule and intimate the Registrar forthwith in writing of such delivery.

(2) If an opponent takes no action under sub-rule (1) within the time mentioned therein

he shall be deemed to have abandoned his opposition

(3) An application for the extension of the period of one month mentioned in sub-rule (1) shall be made in Form GI-30 accompanied by prescribed fees before the expiry of the period of two months mentioned therein

45. Evidence in support of application by the applicant.—(1) Within two months or within such further period not exceeding one month thereafter in the aggregate as the Registrar may on request allow, on the receipt by the applicant of the copies of affidavits in support of opposition or of the intimation that the opponent does not desire to adduce any evidence in support of his opposition, the applicant shall leave with the Registrar such evidence by way of affidavit as he desires to adduce in support of his application and shall deliver to the opponent copies thereof or shall intimate to the Registrar and the opponent that he does not desire to adduce any evidence but intends to rely on the facts stated in the counter-statement and or on the evidence already left by him in connection with the application in question. In case the applicant relies on any evidence already left by him in connection with the application, he shall deliver to the opponent copies thereof

(2) An application for the extension of the period of one month mentioned in sub-rule (1)

shall be made in Form GI-30 accompanied by prescribed fees before the expiry of the period of two months mentioned therein.

46. Evidence in reply by opponent.—Within one month from the receipt by the opponent of the copies of the applicant's affidavit or within such further period not exceeding one month in the aggregate thereafter as the Registrar may on request allow, the opponent may leave with the Registrar evidence by affidavit in reply and shall deliver to the applicant copies thereof. This evidence shall be confined to matters strictly in reply

47. Further evidence.—No further evidence shall be left on either side, but in any proceedings before the Registrar, he may at any time, if he thinks fit, give leave to either the applicant or the opponent to leave any evidence upon such terms as to costs or otherwise as he may think fit.

48. Exhibits.—Where there are exhibits to affidavits filed in an opposition, a copy of the exhibit or impression of each exhibit shall be sent to the other party on his request and at his expense or if such copies or impression cannot conveniently be furnished the original shall be left at the Registry in order that they may be open to inspection. The original exhibits shall be produced at the hearing unless the Registrar otherwise directs

49. Translation of documents.—Where a document in a language other than Hindi or English is referred to in the notice of opposition, counter-statement or an affidavit filed in an opposition, an attested translation thereof in English or Hindi shall be furnished in duplicate

50. Hearing and decision.—(1) Upon completion of the evidence (if any), the Registrar shall give notice to the parties of a date when he will hear the arguments in the case. Such notice shall be ordinarily given within three months of completion of the evidence. The date of hearing shall be for a date at least one month after the date of the first notice, unless the parties consent to a shorter notice. Within fourteen days from the receipt of the first notice, any party who intends to appear shall so notify the Registrar on Form GI-9. Any party who does not so notify the Registrar within the time last aforesaid shall be treated as not desiring to be heard and the Registrar shall proceed ex-parte in the matter

(2) If sufficient cause is shown, not more than two request for adjournment for one month each by either the opponent or the applicant to the proceeding may be considered by the Registrar on a request in Form GI-30 accompanied with the grounds for such request.

(3) If the applicant is not present at the date of hearing or the adjourned date of hearing, the application shall be deemed to have been abandoned

(4) If the opponent is not present at the date of hearing or the adjourned date of hearing, the opposition shall be dismissed for want of prosecution and the application shall proceed to registration

(5) In every case of adjournment the Registrar shall fix a day for further hearing of the case and shall make such order as to cost occasioned by the adjournment or such higher costs as the Registrar deems fit

(6) The fact that the agent or advocate on record of a party is engaged in another court, shall not be a ground for adjournment

(7) Where illness of an advocate on record or agent or his inability to conduct the case for any reason is put forward as a ground for adjournment, the Tribunal shall not grant the adjournment unless it is satisfied that the advocate on record or agent, as the case may be, could not have engaged another agent or advocate in time.

- (8) The Registrar shall take on record written arguments if submitted by a party to the proceeding.
- (9) The Registrar shall have powers to limit time for oral arguments
- (10) The decision of the Registrar shall be notified to the parties in writing.

51. Security for costs.—The security for costs which the Registrar may require under sub-section (6) of section 14 may be fixed at any amount which he may consider proper, and such amount may be further enhanced by him at any stage in the opposition proceedings

NOTICE OF NON-COMPLETION OF REGISTRATION

52. Procedure for giving notice.— The notice which the Registrar is required by sub-section (3) of section 16 to give to an applicant, shall be sent on Form -O1 to the applicant at the address of his principal place of business in India or if he has no principal place of business in India at the address for service in India as stated in the application but if the applicant has authorised an agent for the purpose of the application, the notice shall be sent to the agent and a duplicate thereof to the applicant. The notice shall specify twenty one days time from the date thereof or such further time as the Registrar may allow on a request made in the prescribed Form GI 30 for completion of the registration

REGISTRATION

53. Entry in the Register.—(1) Where no Notice of Opposition is filed to an application for the registration of a geographical indication advertised or re-advertised in the Journal within the period specified in sub-section (1) of section 14 or where an opposition is filed and it is dismissed and the appeal period is over, the Registrar shall, subject to the provisions of sub-section (1) of section 16 enter the geographical indication in Part A of the register on receipt of a request in Form GI-10 together with the prescribed fee.

(2) The entry of a geographical indication in the register shall specify the date of filing of application, the actual date of the registration, the goods and the class in respect of which it is registered, and all particulars required by sub-section (1) of section 6 including —

(a) the name and description of the applicant, the address of the principal place of business in India, if any, of the proprietor of the geographical indication or in the case of an association of persons of such of the association of persons as have a principal place of business in India,

(b) where the proprietor of the geographical indication has no place of business in India his address for service in India as entered in the application for registration together with his address in his home country,

(c) in the case of an association of persons or producers, where none of the association of persons or producers has a principal place of business in India, the address for service in India as given in the application together with the address of each of the association of persons or producers in his home country,

(d) particulars of the trade, business, profession, occupation or other description of the proprietor or of the association of persons or producers of the geographical indication as entered in the application for registration,

(e) particulars affecting the scope of the registration or the rights conferred by the registration;

(f) The priority date if any, to be accorded pursuant to claim to a right of a convention application made under section 84,

(g) A summary of the particulars furnished under rule 32 as finally accepted by the Registrar, and

(h) the appropriate office of the Geographical Indications Registry, in Geographical Indication

54. Death of applicant before registration.— In case of death of any applicant for the registration of a geographical indication after the date of his application and before the geographical indication has been entered in the register, the Registrar may, on proof of the applicant's death and on proof of the transmission of the interest of the deceased person, substitute in the application his successor in interest in place of the name of such deceased applicant and the application may proceed thereafter as so amended

55. Certificate of registration.—(1) The certificate of registration of a geographical indication or an authorised user to be issued by the Registrar under sub-section (2) of section 16 shall be in Form-O2 or O5 as the case may be, with

such modification as the circumstances of a case may require, and the Registrar shall annex a copy of the geographical indication or authorised user to the certificate.

(2) The Registrar may issue a duplicate or further copies of the certificate of registration on request by the registered proprietor on Form GI-33 accompanied by the prescribed fee. An unmounted representation of the geographical indication exactly as shown in the form of application for registration thereof at the time of registration shall accompany such request.

(3) The certificate of registration referred to in sub-rule (1) shall not be used in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

CHAPTER-III

AUTHORISED USER

56 (1) Authorised User.—An application to the Registrar for the registration under Section 17 by a producer as an authorised user of the registered geographical indication shall be made either jointly by the registered proprietor and the proposed authorised user or alone by the authorised user in Form GI-11 and shall be accompanied by a statement of case of how he claims to be the producer of the registered geographical indication along with an affidavit. The statement and the affidavit should include inter alia since when he has been a producer, the turnover, the extent of cultivation of agriculture land where applicable, the volume of processing, packaging, exploitation, production or manufacture of the goods, as the case may be, the extent of export, the regulation governing cultivation or the accepted method of cultivation, production, exploitation, manufacture or the making of the goods as may be relevant.

(2) Where the application is made by the producer on his own to be entered in Part B of the Register, a copy of the application is to be endorsed to the registered proprietor for information and the Registrar intimated of due service by the proposed authorised user.

57. Upon receipt of an application for the registration as an authorised user in respect of a registered geographical indication, the Registrar shall cause it to be examined and shall issue a report.

58. Thereupon, the provision of Rule 34 to 52, and 54 and 55 shall apply mutatis mutandis to further proceedings in respect of an application for the registration of an authorised user of a registered geographical indication.

59. Registration of an authorised user entry in the Register.—(1) Where no notice of opposition is filed to an application advertised or re-advertised in the Journal within the period specified under sub-clause (e) of sub-section (3) of Section 17 or where an opposition is filed and it is dismissed and the appeal period is over, the Registrar shall enter the authorised user in Part B of the register on receipt of a request in Form GI-12 together with the prescribed fee.

(2) The entry of an authorised user in the register shall specify the date of filing of application for registration as an authorised user, the actual date of the registration, the goods and class or classes in respect of which it is registered, and all particulars required by sub-section (1) of section 6 including:—

- (a) The address of the principal place of business in India, if any, of the registered proprietor of the geographical indication;
- (b) Particulars of the geographical indication registered including the specification of goods and the class in which it is registered;
- (c) The address of the principal place of business in India, if any, of the authorised user;
- (d) Where the authorised user of a registered geographical indication has no place of business in India his address for service in India as entered in the application for registration together with his address in his home country;
- (e) Particulars of the trade, business, profession, occupation, dealership or other description of the authorised user of the geographical indication as entered in the application for registration;
- (f) The priority date, if any, to be accorded pursuant to a convention application made under section 84 and;
- (g) The appropriate office of Geographical Indications Registry in relation to the geographical indication.

(3) The Registrar may issue a duplicate or further copies of the certificate of registration as an authorised user on a request in Form GI- 33 accompanied by prescribed fee. An unmounted representation of the geographical indication exactly as shown in the form of application for registration thereof at the time of registration shall accompany such request.

CHAPTER IV

RENEWAL OF REGISTRATION AND RESTORATION

60. Renewal of registration.—(1) An application for the renewal of the registration of a geographical Indication or an authorised user of a registered geographical indication shall be made on Form GI-13 or Form GI-35 as the case may be and may be made at any time not more than six months before the expiration of the last registration of the Geographical Indication or the authorised user.

(2) Such application for renewal must be filed by the person who is the proprietor of the registered geographical indication filing which by all the authorised users on record, as the case may be.

(3) If the proprietor, as set forth in the application for renewal is not the same person or the same legal entity as the registrant shown in the registration, continuity of title from the registrant to the present owner must be shown in the first instance.

(4) The Registrar may accept an application for renewal from the managing trustee, executors, administrators and the like, when supported by court order or other evidence of such persons authority to act on behalf of the present proprietor.

(5) For the removal of doubt, it is clarified that where the registered proprietor of the geographical indication has ceased to exist, the renewal of the registered geographical indication shall be effected by all the authorised users of the registered geographical indication acting collectively whose name has been entered in Part B of the register on the due date of renewal.

(6) Before issuing a renewal certificate, the Registrar may call upon the registered proprietor to file an affidavit concerning the use of the registered Geographical indication in India where he has reasons to believe that the registered Geographical indication may not be in use in the market.

61. Notice before removal of Geographical Indication or authorised user from register.—(1) At a date not less than one month and not more than three months before the expiration of the last registration of a Geographical Indication or authorised user, as the case may be, if no application on Form GI-13 or Form GI-35 as the case may be, for renewal of the registration of a geographical indication or of an authorised user together with the prescribed fee has been received, the Registrar shall notify the registered proprietor or the authorised user, as the case may be, or in the case of an association of persons or producers of a registered geographical indication each of the association of persons, producers registered as registered proprietors or the person authorised to act on their behalf, if any, in writing on Form O3 or O5, as the case may be, on the approaching expiration at the address of their respective principal places of business in India as entered in the register or where such registered proprietor or authorised user has no principal place of business in India at his address for service in India entered in the Register.

(2) Where, in the case of a geographical indication or authorised user the registration of which (by reference to the date of application for registration) becomes due for renewal, the geographical indication or authorised user is registered at any time within six months before the date on which renewal is due, the registration may be renewed by the payment of the renewal fee within six months after the actual date of registration and where the renewal fee is not paid within that period the Registrar shall subject to rule 63, remove the geographical indication from the register.

(3) Where, in the case of a Geographical indication or authorised user the registration of which (by reference to the date of application for registration) becomes due for renewal, the geographical indication or authorised user is registered after the date of renewal, the registration may be renewed by the payment of the renewal fee within six months of the actual date of registration and where the renewal fee is not paid within that period the Registrar shall, subject to rule 63, remove the geographical indication or authorised user from the register.

62. Advertisement of removal of geographical indication or the authorised user from the register.— If at the expiration of last registration of a geographical indication or an authorised user, the renewal fees has not been paid, the Registrar may remove the geographical indication or the authorised user, as the case may be, from the register and advertise the fact forthwith in the Journal.

Provided the Registrar shall not remove the geographical indication or the authorised user from the Register if an application is made in Form GI-15 within six months from the expiration of the last registration of the geographical indication or the authorised user accompanied by prescribed fees and appropriate surcharge.

63. Restoration and renewal of registration.- An application for the restoration of a geographical indication or authorised user to the register and renewal of its registration under sub-section (4) of section 18 shall be made in Form GI-14 after six months and within one year from the expiration of the last registration of the geographical indication or the authorised user as the case may be accompanied by the prescribed fee. The Registrar shall, while considering the request for registration, have regard to the interest of the persons who have either applied or registered identical or deceptively similar geographical indication or other affected persons in the intervening period.

64. Notice and advertisement of renewal and restoration.- Upon the renewal or restoration and renewal of registration, a notice to that effect shall be sent to the registered proprietor and the concerned authorised user and the said renewal or restoration and renewal shall be advertised in the Journal.

CHAPTER V

RECTIFICATION AND CORRECTION OF REGISTER, ALTERATION OR RECTIFICATION OF REGISTER

65. Application to rectify or remove a geographical indication from the register.- An application to the Registrar under Section 27 for the cancelling, expunging or varying of any entry relating to a geographical indication or of the Statement of Case referred to under rule 32(1) recorded in the Register of Geographical Indication or an authorised user in the register shall be made in triplicate on Form GI-18 or Form GI-28, as the case may be shall be accompanied by a statement in triplicate setting out fully the nature of the applicant's interest the facts upon which he bases his case and the relief which he seeks. Where the application is made by a person who is not the registered proprietor of the geographical indication in question, the application and the statement aforesaid shall be left at the Geographical Indications Registry in triplicate. In case there are authorised users, such application and statements shall be accompanied by as many copies thereof as there are authorised users on the register. A copy each of the application and statement shall be transmitted within two months by the Registrar to the registered proprietor and to each of the authorised user, and to any other person who appears from the register to have an interest in the geographical indication. The application shall be verified in the manner prescribed under Rule 42 for verification of notice of opposition.

66. Further procedure.- Within two months or within such further period exceeding two months in the aggregate from the receipt by a registered proprietor of the copy of the application mentioned in rule 65 from the Registrar, he shall send to the Registrar and to the person making the application on Form GI-8 a counterstatement in triplicate of the grounds on which the application is contested. The Registrar shall serve a copy of the counterstatement on the person making the application within one month of the receipt of the same. The provisions of rules 44 to 51 shall thereafter apply *mutatis mutandis* to the further proceedings on the application. The Registrar shall not, however, rectify the register or remove the geographical indication or any authorised user from the register merely because the registered proprietor or the authorised user has not filed a counterstatement unless he is satisfied that the delay in filing the counterstatement is wilful and is not justified by the circumstance of the case. In any case of doubt any party may apply to the Registrar for directions.

67. Intervention by third parties. - Any person alleging interest in a registered geographical indication in respect of which an application is made under rule 65 may apply on Form GI-26 for leave to intervene, stating the nature of his interest, and the Registrar may refuse or grant such leave after hearing if so required the parties concerned, upon such terms and conditions including undertaking or conditions as to security for cost as he may deem fit to impose.

68. Rectification of the register by the Registrar of his own motion. - (1) The notice, which the Registrar is required to give under sub-section (4) of section 27 shall be sent in writing to the registered proprietor and to each of the authorised user, and to any other person who appears from the register to have any interest in the registered geographical indication, and shall state the grounds on which the Registrar proposes to rectify the register and shall also specify the time, not being less than one month from the date of such notice, within which an application for a hearing shall be made.

(2) Unless within the time specified in the notice aforesaid, any person so notified sends to the Registrar a statement in writing setting out fully the facts upon which he relies to meet the grounds stated in the notice or applies for a hearing, he may be treated as not desiring to take part in the proceedings and the Registrar may act accordingly.

(3) If the Registrar decides to rectify the register he shall communicate his decision in writing to the registered proprietor and to each of the authorised user.

CHANGE OF ADDRESS

69. Change of address in register.—(1) A registered proprietor or an authorised user of a geographical indication the address of whose principal place of business in India or whose address in his home country, as the case may be, is changed so that the entry in the register is rendered incorrect shall forthwith request the Registrar on Form GI-20 to make the appropriate alteration of the address in the register, and the Registrar shall alter the register accordingly if he is satisfied in the matter.

(2) A registered proprietor or an authorised user of a Geographical Indication, whose address for service in India entered in the register is changed, whether by discontinuance of the entered address or otherwise, so that the entry in the register is rendered incorrect, shall forthwith request the Registrar on Form GI -20 to make the appropriate alteration of the address in the Register, and the Registrar shall alter the register accordingly if he is satisfied in the matter.

(3) A registered proprietor or an authorised user of a geographical indication the address of whose principal place of business in India or whose address for service in India is altered by a public authority, so that the changed address designates the same premises as entered in the register, may make the aforesaid request to the Registrar on Form GI-20 and if he does so he shall leave therewith a certificate of the alteration given by the said authority. If the Registrar is satisfied as to the facts of the case, he shall alter the register accordingly but shall not require any fees to be paid on the forms, notwithstanding the provisions of sub-rule (2) of rule 10 or sub-rule (2) of rule 11.

(4) (i) Where a registered proprietor makes a request under sub-rule (1), (2) or (3), he shall serve a copy of the request on the authorised user or users, if any, and inform the Registrar accordingly.

(ii) Where the request aforesaid is made by an authorised user, he shall serve a copy thereof on the registered proprietor and other authorised users, if any or issue a public notice in at least two leading local newspapers and inform the Registrar that he had done so.

(5) In case of the alteration of the address of a person entered in the register as the address for service in India of more than one registered proprietor or authorised users of Geographical Indications, the Registrar may, on proof that the said address is the address of the applicant and if satisfied that it is just to do so, accept an application from that person on **Form GI-20** amended so as to suit the case, for the appropriate alteration of the entries of his address as the address for service in the several registrations, particulars of which shall be given in the form and may alter the entries accordingly.

(6) All applications under this rule shall be signed by the registered proprietor or the authorised user, as the case may be, or by an agent expressly authorised by him for the purpose of such an application, unless in exceptional circumstances the Registrar otherwise allows

CORRECTION OF REGISTER

70. Application under Section 28.—Where an application has been made under sub-section 1 of section 28 for the alteration of the register by correction, change, cancellation or striking of goods or for the entry of a memorandum in the register, the Registrar may require the applicant to furnish such evidence by affidavit or otherwise as the Registrar may think fit, as to the circumstances in which the application is made. Such application shall be made on Form GI-24 as may be appropriate and a copy thereof shall be served by the applicant on the authorised user or users, if any or issue a public notice in at least two leading local newspapers under the registration of the geographical indication in question and to any other person who appears from the register to have an interest in the geographical indication.

71. Alteration of registered Geographical Indication.—Where the registered proprietor of a geographical indication applies under section 29 for leave to add to or alter the registered geographical indication, he shall make the application in writing on Form GI-36 and shall furnish five copies of the geographical indication as it will appear when so added to or altered. A copy of the application and of the geographical indication so amended or altered shall be served by the applicant on every authorised users on the record or issue a public notice in at least two leading local newspapers

72. Advertisement before decision and opposition etc.—(1) The Registrar shall consider the application and shall, advertise the application in the Journal before deciding it.

(2) Within three months from the date of advertisement under sub-rule 1 or within such period not exceeding one month in the aggregate any person may give notice of opposition to the application on Form GI-7 and may also send therewith a statement of his objections. The notice and the statement, if any, shall be sent in triplicate. In case there are any authorised users under the registration of the Geographical Indication in question, such notice and statement shall also be accompanied by as many copies thereof as there are authorised users. A copy each of the notice and statement shall be

transmitted by the person giving notice to registered proprietor and authorised user if any. The Registrar shall forward within two months a copy of the notice and statement to the registered proprietor and to each authorised user, if any and within two months from the receipt by the registered proprietor of such copies from the Registrar, he shall send to the Registrar on Form GI-8 a counter-statement in triplicate of the grounds on which the opposition is contested. If the registered proprietor sends such a counter-statement the Registrar shall serve a copy thereof on the person giving notice of opposition within one month and the provisions of rules 44 to 51 shall thereafter apply *mutatis mutandis* to the further proceedings on the opposition. The Registrar shall not refuse the application merely because the registered proprietor has not filed a counterstatement unless he is satisfied that the delay in filing the counterstatement is wilful and is not justified by the circumstance of the case. In any case of doubt any party may apply to the Registrar for directions.

(3) If there is no opposition, within the time specified in sub-rule (2), the Registrar shall, after hearing the applicant if he so desires allow or refuse the application and shall communicate his decision in writing to the applicant.

73. Decision Advertisement Notification.-If the Registrar decides to allow the application he shall alter the geographical indication in the register accordingly and insert in the Journal a notification that the geographical indication has been altered. If the application has not been advertised under rule 71, he shall also advertise in the Journal the geographical indications as altered.

CHAPTER VI

Special Provisions relating to Trade Marks

74(1). Refusal or Invalidation of Registration of Trade Marks.- Where the Registrar of Trade Marks on his own motion decides to refuse the registration of a trade mark or invalidate a registered trade mark pursuant to sub-section (a) of Section 25 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999, he shall in writing notify the applicants or the registered proprietor of the trade mark, as the case may be, stating the reason for the same. Thereafter, the Registrar shall decide the matter after giving the applicant or the registered proprietor of the trade mark, as the case may be, an opportunity of being heard.

(2) A request under sub-section (a) of section 25 to refuse a trade mark or invalidate a registered trade mark which contains or consists of a geographical indication not originating in the territory of a country, or a region, or locality in that territory which such geographical indication indicates, which is likely to cause confusion or mislead persons as to the true place of origin of such goods or class or classes of goods shall be made in the Form TM- 73 prescribed under the Trade Marks Rules, 2001. Thereafter, in case of a request for refusal the Registrar of Trade Marks shall forward the same to the applicant and provide an opportunity of being heard to the applicant. In case of a request for invalidation, the Registrar of Trade Marks shall forward the request to the registered proprietor and the procedure set out in Rule 93 of the Trade Marks Rules, 2000 shall apply *mutatis mutandis* to further proceedings on the matter.

75(1). Refusal or Invalidation of Registered Trade Mark Conflicting with a geographical indication notified under Section 22(2).- Where the Registrar of Trade Marks on his own motion decides to refuse an application or invalidate the registration of a trade mark pursuant to sub-section (b) of Section 25 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999, he shall notify in writing to the applicant or the registered proprietor of the trade mark, as the case may be, stating the reasons for the same. Thereafter, the Registrar shall decide the matter after giving the applicant or the registered proprietor of the trade mark, as the case may be, an opportunity of being heard.

(2). **Refusal or invalidation under Section 25(b) of notified geographical indications .**-A request under sub-section (b) of section 25 to refuse an application for the registration of trade mark or invalidate a registered trademark which conflict with or which contains or consists of a geographical indication identifying goods or class or classes of goods notified under sub-section (2) of section 22 shall be made in the Form TM-74 prescribed under the Trade Marks Rules, 2000. Thereafter, in case of request for refusal the Registrar of Trade Marks shall forward the same to the applicant and provide an opportunity of being heard to the applicant. In case of request for invalidation, the Registrar of Trade Mark shall forward the request to the registered proprietor and the procedure set out in Rule 93 of the Trade Marks Rules, 2001 shall apply *mutatis mutandis* to further proceedings on the matter.

76(1). Publication of refusal or invalidation of Geographical indications.-The Registrar of Trade Marks shall record and publish a reference to the refusal or the invalidation of the registration of a trade mark pursuant to section 25 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 and forwarded a copy of the publication to the Registrar of Geographical Indications.

(2). The publication of the reference to the refusal or the invalidation of the registration of a trademark pursuant to section 25 of the Geographical Indication of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 shall include -

- (a) the representation of the mark;
- (b) the application or registration number of the trade mark, as the case may be,
- (c) the name and address of the applicant or the registered proprietor, as the case may be,
- (d) the date of application or the date of registration in the case of a registered trade mark, as the case may be
- (e) the list of goods or class of goods in respect of which the trade mark was applied for or was registered, and
- (f) a summary of the ground on which the application for registration of a trade mark had been refused or the registration of the registered trade mark was invalidated.

CHAPTER VII

PROCEDURE RELATING TO ADDITIONAL PROTECTION TO CERTAIN GOODS UNDER SECTION 22(2) OF GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

77(1). Additional protection to certain goods.- An application for additional protection of a registered geographical indications shall be made to the Registrar in Form GI-37 accompanied by prescribed fee in triplicate and shall be accompanied by five representation of the geographical indication and a statement of case setting out the grounds on which he relies in support of his application. Such case shall be furnished in triplicate.

(2). The application shall be made jointly by the registered proprietor of the geographical indication for the time being entered in the register and by all the producers of the geographical indication whose name has been entered in the register as authorised user in Part B.

78. Refusal to forward by Registrar for non-compliance with the rules.- No application shall be forwarded by the Registrar to the Central Government unless the requirements of Rule 77 are complied with

79 Consideration of Central Government.- The Central Government on receipt of application for additional protection of registered geographical indication under sub-section (2) of Section 22 shall, if satisfied that the application and the accompanying documents comply with the provisions of the Act and the rules, consider whether the application should be allowed, having regard to the following matter:-

Whether there are measurable attributes to the goods or classes of goods in question with special regard to the reputation of the goods or classes of goods on a global scale, which requires that additional protection envisaged under sub-section (2) of Section 22 must be conferred against usurpation or imitation of the geographical indication even the true origin of the goods or classes of goods is indicated or if the registered geographical indication is used in translated form or is accompanied by terms such as "kind", "type", "style", "imitation" or other like expressions

80(1). Hearing before issuing direction to refuse an application or accept it conditionally.-

Before the Central Government decides to direct the Registrar to refuse an application for additional protection of goods of classes of goods notified under sub-section (2) of Section 22 or to accept such application subject to any conditions, restrictions or limitations, it shall give notice thereof in writing to the applicant through the Registrar. The notice shall state the grounds on which the Central Govt. proposes to issue such directions and shall inform the applicant that they are entitled to be heard

(2). Unless within two months from the receipt of the notice mentioned in sub-rule (1) the registered proprietor and the authorised users apply for a hearing through the Registrar, the Central Govt. may direct the Registrar to refuse the application or to accept it conditionally as the case may be

(3). If the registered proprietor and the authorised users apply for a hearing, Central Govt. shall appoint a time for the hearing and shall give them not less than one months notice of the time so appointed

(4). **Intervention by third parties.-** Any person alleging an interest in the registered geographical indication in a class or classes of goods for which an application has been made under sub-section (2) of Section 22 of the Geographical Indication of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 may apply in Form GI -26 for leave to intervene stating the nature of his interest and the Central Govt. may refuse or grant such leave after hearing (if so required) the parties concerned, upon such conditions and terms including undertakings or conditions as to security for costs as it may deem fit to impose

(5). After hearing the registered proprietors, the authorised users and interveners, if any, the Central Govt. shall decide whether and to what extent additional protection should be extended to registered geographical indication in respect of the class or classes of goods

(6). The Registrar shall, on receiving the direction of the Central Government communicate in writing the orders on the application to the applicant, and all parties who appeared in the proceedings

(7). Within three months of the communication of the order the Central Govt. shall notify in the Gazette of India the operative portion in respect of the proceedings before it in connection with an application under sub-section (2) of Section 22 of the Geographical Indication of Goods (Registration and Protection) Act, 1999

81(1). Entry in the Register.- Where the Central Govt. notifies in the Official Gazette providing for additional protection to certain goods or classes of goods notified under sub-section (2) of Section 2 the Registrar shall enter in the Register within 30 days the operative portion of the notification in Part A of the Register of Geographical indication in accordance with the direction.

(2). The entry in Part A of the Register shall state the date on which the application for additional protection was made, then name, description and principal place of business in India of the registered proprietor and the authorised users and if they do not carry on business in India their address for service in India .

CHAPTER VIII

MISCELLANEOUS

82(A) Single application.- (1) Where an application for the registration of a geographical indication for goods is made under sub-section (3) of Section 11, the specification of goods contained in it shall set out the classes in consecutive numerical order beginning with the lowest number and list under each class the goods appropriate to that class.

(2) If the specification of goods contained in the original application for the registration of a geographical indication lists by reference to a class or classes in the Fourth Schedule in which they do not fall, the Registrar shall require the applicant to divide the application on payment of a divisional fee in Form GI -29 to the class or classes to which the application relates together with such class fee as may be appropriate

(3) Applications filed under sub-section 3 of section 11 when ordered to be advertised shall be published in a separate section of the Geographical Indications Journal

(4) The Registrar shall issue a single certificate of registration in respect of an application made under sub-section 3 of section 11 which has proceeded to registration

(B) Divisional Application.-(1)Where an application is made in Form GI-29 under proviso to section 15 for the division of a single application, such an application shall be divided into two or more separate applications upon the payment of a division fee and such class fees as are appropriate.

(2) At any time before registration an applicant may request the Registrar for a division of his application for registration (the original applications) into two or more separate applications (divisional applications), indicating for each division the specification of goods. The Registrar shall treat each divisional application as a separate application for registration with the same filing date as the original application

(3) In the case of a request to divide some, but not all, of the goods in a class, a divisional fee for separate application to be created by division shall be submitted.

(4) If the request to divide does not include necessary fee or is otherwise deficient, the Registrar will notify the applicant of deficiency. The applicant must correct any such deficiency within thirty days. If the applicant fails to correct the deficiency within the time provided, the request will be considered as abandoned and the application will be proceeded further without regard to the request.

(5) Where a request to divide an application is received, the Registrar shall assign an additional separate new serial number or numbers, as the case may be and it will be cross referenced with the original application . Such additional separate application or applications shall be assigned same filing date as the original application

(6) For the removal doubt, it is clarified that no new registration is effected when a single application is divided. On the contrary, application already filed are merely separated or divided into individual files

83. Extension of time.-(1) An application for extension of time under section 64 (not being a time expressly provided in the Act or a time for the extension of which provision is made in the rules) shall be made on Form GI-30

(2) Upon an application made under sub-rule (1) the Registrar, if satisfied that the circumstances are such as to justify the extension of the time applied for, may subject to the provisions of the rules where a maximum time limit is prescribed and subject to such conditions as he may think fit to impose, extend the time and notify the parties accordingly and the extension may be granted though the time for doing the act or taking the proceeding for which it is applied for has already expired.

84. Exercise of discretionary power of Registrar.—The time within which a person entitled under Section 61 to an opportunity of being heard shall exercise his option of requiring to be heard shall, save as otherwise expressly provided in the Act or the rules, be one month from the date of a notice which the Registrar shall give to such person before determining the matter with reference to which such person is entitled to be heard. If within that month such person is required to be heard, the Registrar shall appoint a date for the hearing and shall give 10 day's notice thereof.

85. Notification of decision.—The decision of the Registrar in the exercise of any discretionary power given to him by the Act or the rules shall be notified to the person affected.

86. Amendments and correction of irregularity in procedure.—(1) Any document, communication or other representation respecting a geographical indication or an authorised user may be amended and any irregularity in procedure which in the opinion of the Registrar, may be obviated without detriment to the interests of any person, may be corrected, if the Registrar thinks fit and proper on such terms as he may direct.

(2) The Registrar may require the amendment of any application or representation of a geographical indication or any other document or the addition of any matter thereto in order to bring it in accordance with the formal requirements of the Act.

87. Directions not otherwise prescribed.—Where in the opinion of the Registrar, it is necessary for the proper prosecution or completion of any proceedings under the Act or rules for a person to perform an act, file a document or produce evidence, which is not provided for by the Act or the rules, the Registrar may by notice in writing require the person to perform the Act, file the document or produce the evidence, specified in the notice.

88. Hearings.—(1) Subject to sub-rule (2) of rule 4 in relation to a geographical indication for which an application for registration is made on or after the notified date, the application as well as any proceeding under the Act and the rules shall, in the event of a hearing becoming necessary, be heard at the appropriate office of the Geographical Indications Registry at which such application was made under sub-section (4) of section 11, or at such place within the territorial jurisdiction of that office as the Registrar may deem proper.

(2) Where an officer exercising the powers of the Registrar who has heard any matter under the Act or the Rules, has reserved orders therein is transferred from one office of the Registry to another or reverts to another appointment before passing an order or rendering decision therein, he may, if the Registrar so directs, pass the order or render the decision as if he had continued to be the officer in the office of the Registry where the matter was heard.

AWARD OF COSTS BY REGISTRAR

Costs in uncontested cases

89. Where any opposition duly instituted under the rules is not contested by the applicant, the Registrar in deciding whether costs should be awarded to the opponent shall consider whether the proceedings might have been avoided if reasonable notice had been given by the opponent to the applicant before the notice of opposition was filed.

90. Exception to rule 89.—Notwithstanding anything in rule 89, costs in respect of fees specified under entries 7, 8 and 9 of the First Schedule and of all stamps used on and affixed to affidavits used in the proceedings shall follow the event.

91. Scale of costs.—Subject to the provisions of rules 89 and 90, in all proceedings before the Registrar the Registrar may, save as otherwise expressly provided by the Act, award such costs, not exceeding the amount admissible therefor, as he considers reasonable having regard to all the circumstances of the case.

REVIEW OF DECISION BY REGISTRAR

92. Application for review of Registrar's decision.—An application to the Registrar for the review of his decision under clause (c) of section 60 shall be made on Form GI- 31 within one month from the date of such decision or within such further period not exceeding one month thereafter as the Registrar may on request allow, and shall be accompanied by a statement setting forth the grounds on which the review is sought. Where the decision in question concerns any other person in addition to the applicant, such application and statement shall be left in triplicate and the Registrar shall forth with transmit a copy each of the application and statement to the other person concerned. The Registrar may after giving the parties an opportunity of being heard, reject or grant the application, either unconditionally or subject to any conditions or limitations, as he thinks fit.

AFFIDAVITS

93. Form, etc. of Affidavits.- (1) The Affidavits required by the Act and the rules to be filed at the Geographical Indications Registry or furnished to the Registrar, unless otherwise provided in the Second Schedule, shall be headed in the matter or matters to which they relate, shall be drawn up in the first person, and shall be divided into paragraphs consecutively numbered, and each paragraph shall, as far as practicable, be confined to one subject. Every affidavit shall state the description and the true place of abode of the person making the same, shall bear the name and address of the person filing it and shall state on whose behalf it is filed.

(2) Where two or more persons join in an affidavit, each of them shall depose separately to such facts which are within his personal knowledge and those facts shall be stated in separate paragraphs.

(3) Affidavits shall be taken.

(a) In India -before any court or person having by law authority to receive evidence, or before any officer empowered by such Court as aforesaid to administer oaths or to take affidavits.

(b) in any country or place outside India - before a diplomatic or consular officer, within the meaning of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fee) Act, 1948, of such country or place, or before a notary public, or before a judge or magistrate, of the country or place.

(4) The person before whom an affidavit is taken shall state the date on which and the place where the same is taken and shall affix his seal, if any, or the seal of the Court to which he is attached, thereto and sign his name and description at the end thereof.

(5) Any affidavit purporting to have affixed, impressed or subscribed thereto or therein the seal or signature of any person authorised by sub-rule (3) to take an affidavit, in testimony of the affidavit having been taken before him, may be admitted by the Registrar without proof of the genuineness of the seal or signature or of the official character of that person-

(6) Alterations and interlineations shall, before an affidavit is sworn or affirmed, be authenticated by the initials of the person before whom the affidavit is taken.

(7) Where the deponent is illiterate, blind or unacquainted with the language in which the affidavit is written, a certificate by the person taking the affidavit that the affidavit was read-translated or explained in his presence to the deponent, that the deponent seemed perfectly to understand it and that the deponent made his signature or mark in his presence, shall appear in the jurat.

(8) Every affidavit filed before the Registrar in connection with any of the proceedings under the Act or the rules shall be duly stamped under the law for the time being in force.

INSPECTION OF DOCUMENTS BY THE PUBLIC

94. Inspection of documents.- The documents mentioned in sub-section (1) of section 78 shall be available for inspection at the Head Office of the Geographical Indications Registry. A copy of the register and such of the other documents mentioned in section 78 as the Central Government may by notification in the Official Gazette direct, shall be available for inspection at each branch office of the Geographical Indications Registry as and when established. The inspection shall be on payment of the prescribed fee and at such times on all the days on which the offices of the Geographical Indications Registry are not closed to the public, as may be fixed by the Registrar.

95. Distribution of copies of Journal and other documents.- The Central Government may direct the Registrar to distribute the journal and any other document which it may consider necessary, to such places as may be fixed by the Central Government in consultation with the State Governments and notified from time to time in the Official Gazette.

CERTIFICATES

96. Certified copies of documents.- The Registrar may furnish certified copies of any entry in the register or certified copies of any documents referred to in sub-section (1) of section 78 or of any decision or order of the Registrar, or give a certificate other than a certificate under sub-section (2) of section 16 as to any entry, matter or thing which he is authorised or required by the Act or the rules to make or do, upon receipt from any person of an application therefor on Form GI-19 accompanied by the prescribed fee. The Registrar shall not be obliged to include in any certificate or certified copy a copy of any geographical indication unless he is furnished by the applicant with a copy thereof suitable for the purpose.

Provided that the Registrar may furnish an expedited certified copies aforementioned within 15 working days on a request in Form GI-23 received to that effect on payment of five times the normal fee thereof

97. Certificate for use in obtaining registration abroad.- (1) Where a certificate relating to the registration of a geographical indication is desired for use in obtaining registration in any territory outside India, the Registrar shall include in the certificate a copy of the geographical indication and may require the applicant for the certificate to furnish him with a copy of the geographical indication suitable for that purpose, and if the applicant fails to do so, the Registrar may refuse to issue the certificate.

(2) Where a geographical indication is registered without limitation of colour, the copy of the geographical indication to be included in the certificate, may be either in the colour in which it appears upon the register or in any other colour or colours and it shall be stated in the certificate that the geographical indication is registered without limitation of colour.

(3) The Registrar may state in the certificate such particulars concerning the application for registration or the registration of the geographical indication as may deem fit to him, and may specify the terms and conditions and other limitation appearing on the Register.

APPEALS TO THE INTELLECTUAL PROPERTY APPELLATE BOARD

98. Time for appeal.- (1) An appeal to the INTELLECTUAL PROPERTY APPELLATE BOARD from any decision of the Registrar under the Act or the rules shall be made within three months from the date of such decision or within such further time as the said APPELLATE BOARD may allow.

(2) A copy of every application to the said INTELLECTUAL PROPERTY APPELLATE BOARD under the Act or the rules shall be served on the Registrar.

CERTIFICATE OF VALIDITY

99. Certificate of validity to be noted.-Where the INTELLECTUAL PROPERTY APPELLATE BOARD has certified as provided in section 72 with regard to the validity of a registered geographical indication, the proprietor thereof may request the Registrar on **Form GI-27** to add to the entry in the register a note that the certificate of validity has been granted in the course of the proceedings, particulars of which shall be given in the request. An officially certified copy of the certificate shall be sent with the request, and the Registrar shall record a note to that effect in the register and publish the note in the Journal

RETURN OF EXHIBITS AND DESTRUCTION OF RECORDS

100. Return of exhibits - (1) Where the exhibits produced in any matter or proceeding under the Act or the rules are no longer required in the Geographical Indications Registry, the Registrar may notify the party concerned to take back the exhibits within a time specified by him and if the party fails to do so, such exhibits shall be, dealt with in the manner mentioned under sub-rule(2) below.

(2) Where any exhibits have been produced in any proceeding, the Registrar may, if satisfied that it is no longer necessary to retain them, cause them to be destroyed, after the expiration of six months from the notified date

101. Destruction of records.- Where an application for the registration of a geographical indication or an authorised user has been withdrawn abandoned or refused or the geographical indication or the authorised user has been removed from the register, the Registrar may, at the expiration of three years after the application is so withdrawn or is abandoned or is refused or after the geographical indication is removed from the register, as the case may be, destroy all or any of the records relating to the application for the geographical indication or the authorised user concerned.

PART II

REGISTRATION OF GEOGRAPHICAL INDICATIONS AGENT

102. Register of Geographical Indications Agent.-The Registrar of Geographical Indications shall maintain a Register of Geographical Indications Agents wherein shall be entered the name, address of the place of residence, address of the principal place of business, the nationality, qualifications and date of registration of every registered Geographical Indications Agent

103. Registration of existing registered trade marks agent.-(1) Subject to rule 104 every person whose name is on the notified date on the Register of Trade Marks Agents maintained under the Trade Marks Rules, 2001 shall be deemed to be registered as a Geographical Indication's Agent under the Act and the rules

(2) The continuance fee of Geographical Indication's Agents deemed to be registered under sub rule (1) shall be payable as and from the notified date.

(3) The Registrar may publish the Dress Code for registered geographical indications Agent in the Geographical Indications Journal.

(4) The Registrar may publish in the Journal a code of conduct for registered geographical indications agents.

104. Qualifications for registration.— Subject to the provisions of rule 105, a person shall be qualified to be registered as a Geographical Indications Agent if he—(i) is a citizen of India;

(ii) is not less than 21 years of age;

(iii) has passed the examination prescribed in rule 108 or is an Advocate within the meaning of the Advocates Act, 1961,

(iv) is a graduate of any university in India or possess an equivalent qualification, and

(v) is considered by the Registrar as a fit and proper person to be registered as a Geographical Indications Agent

105. Persons debarred from registration.— A person shall not be eligible for registration as a Geographical Indications Agent if he—

(i) has been adjudged by a competent Court to be of unsound mind;

(ii) is an undischarged insolvent,

(iii) being a discharged insolvent has not obtained from the Court a certificate to the effect that his insolvency was caused by misfortune without any misconduct on his part,

(iv) has been convicted by a competent Court, whether within or without India of an offence punishable with transportation or imprisonment, unless the offence of which he has been convicted has been pardoned or unless on an application made by him, the Central Government by order in this behalf, has removed the disability.

(v) being a legal practitioner has been held guilty of professional misconduct by any High Court in India or by any Court beyond the limits of India,

(vi) being a chartered accountant, or a company secretary has been held guilty of negligence or misconduct by a High Court; or (vii) being a registered geographical indication agent has been held guilty of professional misconduct by the Registrar.

106. Manner of making application.— Subject to sub-rule (2) of rule 4, all applications under the provisions of this Part shall be made in triplicate, and shall be sent to or left at that office of the Geographical Indications Registry within whose territorial limits the principal place of business of the applicant is situate

107. Application for registration as a geographical indications agent.—(1) Every person desiring to be registered as a Geographical Indications Agent shall make an application on Form GI-38

(2) The applicant shall furnish such further information bearing on his application as may be required of him at any time by the Registrar.

108. Procedure on application and qualifying requirements.—(1) On receipt of an application for the registration of a person as a geographical indications agent, the Registrar, if satisfied that the applicant fulfils the prescribed qualifications, shall appoint a date in the due course on which the candidate will appear before him for a written examination in Geographical Indications Law and the Practice and Procedure in relation thereto and followed by an interview. The candidate will be expected to possess a detailed knowledge of the provisions of the Act and the rules and a knowledge of the elements on law of geographical indication (2) The qualifying mark for the written examination and for interview shall be 40 percent and 50 percent respectively and a candidate shall be declared to have passed the examination only if he obtained an aggregate of 50 per cent of the total marks.

109. Certificate of registration.—After a candidate has been interviewed and any further information bearing on his application, which the Registrar may consider necessary has been obtained and if the Registrar considers the applicant eligible and qualified for registration as a Geographical Indications Agent, he shall send an intimation to that effect to the applicant and any person so intimated may pay the prescribed fee in Form GI-39 for his registration as Geographical Indications Agent. Upon receipt of the same, fee the Registrar shall cause the applicant's name to be entered in the register of Geographical Indications Agents and shall issue to him a certificate on Form O-4 of his registration as a Geographical Indications Agents.

110. Continuance of a name in the Register of Geographical Indications Agents.—The continuance of a person's name in the Register of Geographical Indications Agents shall be subject to his payment of the fees prescribed in Form GI-40

111. Removal of agent's name from the Register of Geographical Indications Agents.—(1) The Registrar shall remove from the Register of Geographical Indications Agents the name of any registered Geographical Indications Agent—

- (a) from whom a request has been received to that effect, or
- (b) from whom the annual fee has not been received on the expiry of three months from the date on which it became due.

(2) The Registrar shall remove from the Register of Geographical Indications Agents the name of any registered Geographical Indications agent—

- (a) who is found to have been subject at the time of his registration, or thereafter has become subject to any of the disabilities stated in clauses (i) to (vi) of rule 105 or
- (b) whom the Registrar has declared not to be a fit and proper person to remain in the Register by reason of any act of negligence, misconduct or dishonesty committed in his professional capacity;
- (c) whose name has been entered in the register by an error or on account of misrepresentation or suppression of material fact.

Provided that before making such declaration under clause (b) and (c) the Registrar shall call upon the person concerned to show cause why his registration should not be cancelled and shall make such further enquiry, if any, as it may consider necessary.

(3) The Registrar shall remove from the Register of Geographical Indications Agents the name of any registered geographical indications agent who is dead.

(4) The removal of the name of any person from the Register of Geographical Indications Agents shall be notified in the Official Gazette and in the Journal and shall, wherever possible, be communicated to the person concerned

112. Power of Registrar to refuse to deal with certain agents. (1) The Registrar may refuse to recognise—(a) any individual whose name has been removed from and not restored to the Register

(b) any person, not being registered as a Geographical Indications Agent, who in the opinion of the Registrar is engaged wholly or mainly in acting as agent in applying for geographical indications in India or elsewhere in the name or for the benefit of the person by whom he is employed,

(c) any company or firm, if any person whom the Registrar could refuse to recognise as agent in respect of any business under these rules, is acting as a director or manager of the company or is a partner in the firm.

(2) The Registrar shall also refuse to recognise as agent in respect of any business under this rule any person who neither resides nor has a place of business in India

113. Restoration of removed names.—The Registrar may, on an application made on Form GI-41 within six months from the date of removal of his name from the Register of Geographical Indications Agent accompanied by the fee specified in the First Schedule from a person whose name has been removed under clause (b) of sub-rule(1) of rule 111, restore his name to the Register of Geographical Indications Agent and continue his name therein for a period of one year from the date on which his last annual fee became due.

114. Alteration in the Register of Geographical Indications Agents.—(1) A registered Geographical Indications Agent may apply on Form GI-42 for alteration of his name, address of the place of residence, address of the principal place of business or qualifications entered in the Register of Geographical Indications Agent. On receipt of such application and the fee prescribed in that behalf, the Registrar shall cause the necessary alteration to be made in the Register of Geographical Indications Agent.

(2) Every alteration made in the Register of Geographical Indications Agents shall be notified in the Journal.

115. Publication of the Register of Geographical Indications Agents.—The Register of Geographical Indications Agents shall be published from time to time and a complete list thereof at least once in two years in the Geographical Indications Journal as the Registrar may deem fit, the entries being arranged in the alphabetical order of the surnames of the registered Geographical Indications Agent and copies thereof shall be placed on sale.

116. Appeal.—An appeal shall lie to Intellectual Property Appellate Board from any order or decision of the Registrar in regard to the registration of Geographical Indications Agents under Part II of these rules, and the decision of the Appellate Board shall be final and binding.

THE FIRST SCHEDULE

[See rule 10(1)]

No. of Entry	On what payable	Amount in Rupees	Corresponding Form Numbers
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	On application for the registration of a geographical indication for goods included in one class [Section 11(1), rule 23(2)].	10,000	GI-1
2.	On application for the registration of a geographical indication for goods included in one class from a convention country [Section 11(1), 84(1), rule 23(3)].	10,000	GI-2
3.	On a single application for the registration of a geographical indication for goods in different classes [Section 11(3) rule 23(5)].	10,000 for each class	GI-3
4.	On a single application for the registration of a geographical indication for goods in different classes from a convention country [Section 11(3), 84(1), rule 23(4)].	10,000 for each class	GI-4
5.	On a request under rule 35(1) to state grounds of decision.	1,000	GI-5
6.	On advertisement of geographical indication in the Journal rule 38(1)	20,000 for each class	GI-6
7.	On a notice of opposition to the registration of a geographical indication under section 14(1) or an opposition to an authorised user Section 17(3)(c).	2,500 for each class	GI-7
8.	On a counter-statement in answer to a notice of opposition under section 14(2) or 17(3)(c) for each application opposed and in answer to an application under section 27 in respect of each geographical indication or in answer to a notice of opposition under section 29.	1,500	GI-8
9.	On notice of intention to attend hearings Sections 14, 17(3)(c), 27, 29, rule 50, 58, 66 and 72	1,000	GI-9
10.	On request for issuance of registration certificate of a geographical indication Rule 53(1).	50,000	GI-10
11.	On application for the registration of an authorised user of a registered geographical indication under section 17, Rule 56(1)	10,000	GI-11
12.	On request for issuance of a registration certificate as an authorised user, Rule 59(1)	5,000	GI-12
13.	For renewal under section 18(1) of the registration of a geographical indication at the expiration of the last registration- Rule 60(1).	1,00,000	GI-13
14.	On application under section 18(5) for restoration of geographical indication or an authorised user removed from the Register Rule 63.	5,000 plus applicable renewal fee	GI-14
15.	On application for renewal under proviso to section 18(4) Proviso to rule 62 within six months from the expiration of last registration of geographical indication.	10,000	GI-15

(1)	(2)	(3)	(4)
16.	For a search under rule 22 in respect of one class	1,000	GI-16
17.	On request for correction of clerical error or for amendment, except where the request is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement as per law in India.	500	GI-17
18.	On application under section 27 for rectification of the register or removal of . - geographical indication or expunge or vary the Statement of the Case under rule 32(1) recorded in the Register or an authorised user from the register. Rule 65.	5,000	GI-18
19.	On request for certificate of Registrar [other than a certificate under section 69 or 78(1)]. Rule 96	1,000	GI-19
20.	On request for alteration of the address of the principal place of business or of residence in India or of the address in the home country abroad in the Register of Geographical Indications are authorised user. Section 28, rule 69.	1,000	GI-20
21.	On request to enter change in name or description of proprietor of geographical indication upon the Register.	1,000	GI-21
22.	Affidavit in support of statement of case or other documents required under the Act or rules.	Nil	GI-22
23.	On request for expedited issuance of certificate of the Registrar under Proviso to rule 96	5,000	GI-23
24.	On request for correction of any error in the name, address or description of the registered proprietor or the authorised user of a geographical indication. [(Section 28(a)].	1,000	GI-24
25.	On application for cancellation of an entry in the Register or to strike out goods. [Section 28(c) or (d)].	1,000	GI-25
26.	On application for leave to intervene in proceedings relating to the rectification of the Register or for the removal of a geographical indication or an authorised user from the Register. Rule 67 and 80(4).	5,000	GI-26
27.	On request for entry in the Register and advertisement of a note of certificate of validity of the Appellate Board. Rule 99.	200	GI-27
28.	On application for the rectification of the register in Part B for the removal of an authorised user. Section 27, Rule 65.	1,000	GI-28
29.	On division of an application made for registration of a geographical indication in different classes under proviso to Section 15, rule 23(7).	1,000	GI-29
30.	On application for extension of time not being a time expressly provided in the Act or prescribed in the rules. Rule 83.	500	GI-30
31.	On application for review of Registrar's decision.	1,000	GI-31
32.	On request to registrar for particulars of advertisement of a geographical indication	300	GI-32

(1)	(2)	(3)	(4)
33.	On request to Registrar for a duplicate or further copy of certificate.	500	GI-33
34.	On application for extension of time for filing notice of opposition. [Section 14(1), 17(3)(e), 29(2), rule 41(5)]	1,000	GI-34
35.	For renewal of an authorised user 18(2), rule 60(1)	5,000	GI-35
36.	On application for leave to add or alter a registered geographical indication [except where the application is made by an or of a public authority or in consequence of a statutory requirement. Section 29.	1,000	GI-36
37.	On application to Registrar for additional protection to certain goods. Section 22(2). rule 77(1).	5,00,000	GI-37
38.	Application for registration of a geographical indications agent. Rule 107.	5,000	GI-38
39.	On request for issuance of certificate as geographical indications agent. Rule 109.	5,000	GI-39
40.	For continuance of the name of a person in the Register of Geographical Indication Agent under rule 110; — For every year (excluding the first year) to be paid on 1st April in each year. — For the first year to be paid along with the fee for registration, in the case of a person registered at any time between the 1st April, and 30st September. N.B. : A year for this purpose will commence on the 1st day of April and end on the 31st day of March following.	5,000	GI-40
41.	On application for restoration of the name of a person to the Register of Geographical Indications under rule. 113.	5,000 plus continuance fee under entry No.40	GI-41
42.	On application for alteration of an entry in the Register of Geographical Indications Agent under rule 114.	500	GI-42
43.	Form of authorisation of agent in a matter or proceedings under the Act. Section 76, Rule 20.		GI-43
44.	On petition (not otherwise charged) for obtaining the Registrar's order on any interlocutory matter in a contested proceeding.	500	
45.	For inspecting the document mentioned in Section 78(1)— (a) relating to any particular geographical indication or authorised user thereof for every hour or part thereof; (b) computer search (when made available) for every 15 minutes; (c) Search of index mentioned in section 78 for every hour or part thereof.	200 200 200	
46.	For copying of documents (photocopy or typed) for every page or part thereof in excess of one page.	5	

THE SECOND SCHEDULE

FORMS

[List of forms]

Form No.	Section of the Act	Title	Entry Number
(1)	(2)	(3)	(4)
GI-1	Section 11(1), rule 23(2)	Application for the registration of a geographical indication for goods included in one class.	1
GI-2	Sections 11(1), 84(1), rule 23(3)	Application for the registration of a geographical indication for goods included in one class from a convention country.	2
GI-3	Sections 11(3), rule 23(5)	A single application for the registration of a geographical indication for goods in different classes	3
GI-4	Sections 11(3), 84(1), rule 23(4)	A single application for the registration of a geographical indication for goods in different classes from a convention country.	4
GI-5	Rule 35(1)	Request for statement of grounds of decision.	5
GI-6	Section 13(1), rule 38(1)	Advertisement of geographical indication in the Journal	6
GI-7	Sections 14(1), 17(3)(e) Rule 41	Notice of opposition to the registration of a geographical indication or an opposition or an authorised user	7
GI-8	Section 14(2), 17(3)(e), 27 & 29, rule 43(1), 58	Form of counterstatement.	8
GI-9	Sections 14, 17(3)(e), 27, 29, rule 50, 58, 66 and 72	Notice of intention to attend the hearing.	9
GI-10	Section 16(2), rule 53(1)	Request for issuance of registration certificate of a geographical indication	10
GI-11	Section 17(1), rule 56(1)	Application for the registration of an authorised user of a registered geographical indication.	11
GI-12	Section 18(5), rule 59	Request for issuance of a registration certificate as an authorised user.	12
GI-13	Section 18(4), Rule 60	Renewal of the registration of a geographical indication at the expiration of the last registration.	13
GI-14	Sections 18(5), rule 63	Application for restoration of geographical indication or an authorised user removed from the Register	14
GI-15	Proviso to section 18(4) Proviso to rule 62	Application for renewal within six months from the expiration of last registration of geographical indication.	15
GI-16	Rule 22	A search in respect of one class.	16
GI-17	Section 15, 28	Request for correction of clerical error or for amendment, except where the request is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement as per law in India.	17

(1)	(2)	(3)	(4)
GI-18	Section 27	Application for rectification of the register or removal of a geographical indication or expunge or vary the Statement of the Case under rule 32(1) recorded in the Register from the register.	18
GI-19	Section 69 or 78(1)], Rule 96.	Request for certificate of Registrar [other than a certificate under Section 16(2)].	19
GI-20	Section 28, rule 69	On request for alteration of the address of the principal place of business or of residence in India or of the address in the home country abroad in the Register of Geographical Indications are authorised user.	20
GI-21	28(c)	Request to enter change in name or description of proprietor of geographical indication upon the Register.	21
GI-22	Rule 93	Affidavit in support of statement of case or other documents required under the Act or rules.	22
GI-23	Proviso to rule 96	Request for expedite issuance of certificate of the Registrar under.	23
GI-24	28(a)	Request for correction of any error in the name, address or description of the registered proprietor or the authorised user of a geographical indication.	24
GI-25	28© or (d)	Application for cancellation of an entry in the Register or to strike out goods.	25
GI-26	Rule 67 and 80(4)	Application for leave to intervene in proceedings relating to the rectification of the Register or for the removal of a geographical indication or an authorised user from the Register.	26
GI-27	72, rule 99	Request for entry in the Register and advertisement of a note of certificate of validity of the Appellate Board.	27
GI-28	Section 27, Rule 65	Application for the rectification of the register in Part B for the removal of an authorised user.	28
GI-29	Proviso to Section 15, rule 23(7)	Division of an application made for registration of a geographical indication in different classes.	29
GI-30	64, rule 83	Application for extension of time not being a time expressly provided in the Act or prescribed in the rules	30
GI-31	63, rule 92	Application for review of Registrar's decision.	31
GI-32	Rule 40	Request to registrar for particulars of advertisement of a geographical indication	32
GI-33	Rule 55(2)	Request to Registrar for a duplicate or further copy of certificate.	33
GI-34	Section 14(1), 17(3)(e), 25(2), rule 41(5)	Application for extension of time for filing notice of opposition.	34

(1)	(2)	(3)	(4)
GI-35	18(2), rule 60(1)	For renewal of an authorised user.	35
GI-36	29	Application for leave to add or alter a registered geographical indication [except where the application is made by an or of a public authority or in consequence of a statutory requirement].	36
GI-37	22(2), rule 77(1)	On application to Registrar for additional protection to certain goods.	37
GI-38	Rule 107	Application for registration of a geographical indications agent.	38
GI-39	Rule 109	On request for issuance of certificate as geographical indications agent.	39
GI-40	Rule 110	For continuance of the name of a person in the Register of Geographical Indication Agent under rule 110: <ul style="list-style-type: none"> — For every year (excluding the first year) to be paid on 1st April in each year. — For the first year to be paid along with the fee for registration, in the case of a person registered at any time between the 1st April, and 30th September. <p>N.B. : A year for this purpose will commence on the 1st day of April and end on the 31st day of March following.</p>	40
GI-41	Rule 113	On application for restoration of the name of a person to the Register of Geographical Indications under rule 113.	41
GI-42	Rule 114	On application for alteration of an entry in the Register of Geographical Indications Agent under rule 114.	42
GI-43	76. Rule 20	Form of authorisation of agent in a matter or proceedings under the Act <p>On petition (not otherwise charged) for obtaining the Registrar's order on any interlocutory matter in a contested proceeding</p> <p>For inspecting the document mentioned in Section 78(1)—</p> <ul style="list-style-type: none"> (d) Relating to any particular geographical indication or authorised user thereof for every hour or part thereof ; (e) Computer search (when made available) for every 15 minutes; (f) Search of index mentioned in section 78 for every hour or part thereof <p>For copying of documents (photocopy or typed) for every page or part thereof in excess of one page</p>	43

FORM GI-1**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999****Application for the registration of a geographical indication in Part A of the Register**

Section 11(1), Rule 23(2)

Fee: Rs. 10,000 (See entry No.1 of the First Schedule)

(To be filed in triplicate alongwith the Statement of Case accompanied by five additional representation of the geographical indication)

One representation to be fixed within this space and five others to be sent separately.

Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and affixed *hereto*. See rule 28.

1. Application is hereby made by (a) _____ for the registration in Part A of the Register of the accompanying geographical indication along with the Statement of Case in Class (b) _____ in respect of (c) _____ in the name(s) of (d) _____ whose address is (e) _____ who claims to represent the interest of the producers of the said goods to which the geographical indication relates and which is in continuous use since _____ in respect of the said goods.

2. The application shall include the particulars as called for in rule 32(1) in the Statement of Case.

All communication relating to this application may be sent to the following address in India:—

SIGNATURE

NAME OF THE SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To.

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

(a) Strike out whichever is not applicable.

(b) The Registrars' direction may be obtained if the class of the goods is not known.

(c) Here specify the goods. Only goods included in one and the same class to be specified.

(d) Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. See rule 15.

(e) The applicant must state the name and place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry.

FORM GI-2**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999****Application for the registration of a geographical indication in Part A of the Register from a convention country**

Section 11(1), 84(1), rule 23(3)

Fee: Rs. 10,000 (See entry No.2 of the First Schedule)

(To be filed in triplicate alongwith the Statement of Case accompanied by five additional representation of the geographical indication)

One representation to be fixed within this space and five others to be sent separately

Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and affixed *hereto*. See rule 28.

1(A). Application is hereby made by (a) _____ for the registration in Part A of the Register of the accompanying geographical indication along with the Statement of Case in Class (b) _____ in respect of (c) _____ in the name(s) of (d) _____ whose address is (e) _____ who claims to represent the interest of the producers of the said goods to which the geographical indication relates and which is in continuous use since _____ in respect of the said goods.

1(B). The first application in a convention country to register the geographical indication has been made in _____ on _____.

A certified copy certified by an official of the convention country in which the first-application was filed is enclosed (along with its authentic translated copy in English).

I/we request that the geographical indication may be registered with priority date based on the above mentioned first application in a convention country under the provisions of section 84(1).

2. The application shall include the particulars as called for in rule 32(1) in the Statement of Case.

All communication relating to this application may be sent to the following address in India:—

SIGNATURE
NAME OF THE SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS.

To,

The Registrar of Geographical Indications,

The office of Geographical Indications Registry.

- (a) Strike out whichever is not applicable.
- (b) The Registrars' direction may be obtained if the class of the goods is not known.
- (c) Here specify the goods, falling in different classes.
- (d) Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. See rule 15
- (e) The applicant must state the name and place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry

FORM GI-3

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

A single application for the registration of a geographical indication in Part A of the Register for goods falling in different classes

Section 11(3), rule 23(5)

Fee: Rs. 10,000 for each class (See entry No.3 of the First Schedule)

(To be filed in triplicate along with the Statement of Case accompanied by five additional representation of the geographical indication)

One representation to be fixed within this space and five others to be sent separately.

Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and affixed *hereto*. See rule 28.

1. Application is hereby made for registration in the register of the accompanying geographical indication along with the Statement of Case in

- (i) class a in respect of b
- (ii) class a in respect of b
- (iii) class a in respect of b

in the name(s) of c..... whose address is d who claim (s) to represent the interest of the producers of the goods to which the geographical indication relates and which geographical indication is used continuously since in respect of the said goods.

2. The application shall include the particulars as called for in rule 32(1) in the Statement Case.

All communication relating to this application may be sent to the following address in India :—

SIGNATURE
NAME OF THE SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To.

The Registrar of Geographical Indications,

The office of Geographical Indications Registry.

- (a) Strike out whichever is not applicable.
- (b) The Registrars' direction may be obtained if the class of the goods is not known.
- (c) Here specify the goods falling in different classes.
- (d) Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. See rule 15.
- (e) The applicant must state the name and place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry.

FORM GI-4

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999 A single application for the registration of a geographical indication in Part A of the Register for goods falling in different classes from a convention country

Section 11 (3), 84(1), rule 23(4)

Fee: Rs. 10,000 for each class (See entry No.4 of the First Schedule)

(To be filed in triplicate alongwith the Statement of Case accompanied by five additional representation of the geographical indication)

One representation to be fixed within this space and five others to be sent separately.

Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and affixed *hereto*. See rule 28.

I(A). Application is hereby made for registration in the register of the accompanying geographical indication alongwith the Statement of Case in

- (i) class a in respect of b
- (ii) class a in respect of b
- (iii) class a in respect of b

in the name(s) of c..... whose address is d who claim (s) to represent the interest of the producers of the goods to which the geographical indication relates and which geographical indication is used continuously since in respect of the said goods.

1(B). The first application in a convention country to register the geographical indication has been made in _____ on _____ in respect of _____.

A certified copy certified by an official of the convention country in which the first application was filed is enclosed (alongwith its authentic translated copy in English).

I/ we request that the geographical indication may be registered with priority date based on the above mentioned first application in a convention country under the provisions of section 84(1).

2. The application shall include the particulars as called for in rule 32(1) in the Statement of Case.

All communication relating to this application may be sent to the following address India :—

SIGNATURE
NAME OF THE SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS.

To.

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

- (a) Strike out whichever is not applicable.
- (b) The Registrars' direction may be obtained if the class of the goods is not known.
- (c) Here specify the goods.
- (d) Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. See rule 15
- (e) The applicant must state the name and place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry.

FORM GI-5

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Agent's code No.

Proprietor's code No.

Fee: Rs.1000.00 (See entry No.5 of the First Schedule)

Request for statement of grounds of decision. Rule 35(1)

In the matter of '.....', the Registrar is hereby requested to state in writing the grounds of his decision dated the day of 20..... after the hearing on the day of-20..... and the materials used by him in arriving at the decision

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

Dated this day of 20.....

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. Insert particulars identifying the application.
2. Signature of the applicant or of his agent.
3. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry See rule 4

FORM GI-6**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999****Agent's code No:****Proprietor's code No:****Fee: Rs. 20,000.00 for each class (See entry No.6 of the First Schedule)****(Application by an applicant for the advertisement/re-advertisement of a geographical indication accepted by the Registrar in the Geographical Indications Journal.)****[Section 13(1), Rule 38(1)]**

I/ We..... hereby apply to the Registrar that the geographical indication No..... in class be advertised in the Journal.

A copy of the Registrar's acceptance order under Section 16 dated is enclosed herewith for reference.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

Dated this day of 20.....

Signature

Name of signatory in Block Letters

To

The Registrar of Geographical Indications,

The office of Geographical Indications Registry,

1. Signature of the applicant or of his agent.

2. State name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry See rule 4.

FORM GI-7**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999****Agent's code No:****Proprietor's code No:****Fee : Rs. 2,500/-for each class.****Notice of opposition to application for registration of a geographical indication or an authorized user****[Section 14(1), 17(3) (c), rule 41(1)]****(To be filed in triplicate)**

In the matter of Application No..... by I(or we)' hereby give notice of my (or our) intention to oppose the registration of the geographical indication/authorised user advertised under the above number for class..... in the Geographical Indications Journal dated the day of 20..... No..... page.....

The grounds of opposition are as follows:—

3.....

All communications in relation to these proceedings may be sent to the following address in India

Dated this day of 20.....

4.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

5.....

To,

The Registrar of Geographical Indications,

The office of Geographical Indications Registry.

1. State full name and address. An address for service in India should be given if the opponent has no place of business or of residence in India.

2. Strike out whichever is not necessary

3. If registration is opposed on the ground that the geographical indication resembles a geographical indication already on the register the numbers of those geographical indication and of the journals in which they have been advertised are to be set out.

4. Signature of the opponent or of his agent.

5. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry—See rule 4.

FORM GI-8**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No:

Proprietor's code No:

Fee : Rs.1500/-

Form of Counterstatement
[Sections 14, 17(3)(e), 27, Rules 43(1), 66]
(To be filed in triplicate)

In the matter of an opposition No. to application No. in class. for the "registration of a geographical indication.

I (or we) ¹..... the applicant(s) for registration of the above geographical indication, hereby give notice that the following are the grounds on which I (or we) rely for my (or our) application. —

1. (or we) admit the following allegations in the notice of opposition.
- 2 All communications in relation to these proceedings may be sent to the following address in India :

.....
 Dated this day of 20.....

2.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications,

The office of Geographical Indications Registry.

1. State the full name and address as stated in the application for registration.
2. Signature of the applicant or of his agent.
3. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry See rule 4.

FORM GI-9**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No:

Proprietors code No:

Fee: Rs.1,000/-

Notice of intention to attend hearings, section 14, 17 (3), 27, 29 and
Rules 50, 58, 66 and 72

In the matter of I (or We) 2..... hereby give notice that the hearing in reference to the above matter, which by the official notice to me (or us), dated the day of 20..... is fixed for A.M. or P.M. at the 3 on the day of 20..... will be attended by me (or us) or by some person on my (our) behalf.

All communications relating to this proceeding may be sent to the following address in India: —

Dated this day of 20.....

4.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. Insert particulars as in the official notice
2. Insert name and address
3. Insert the office of the Geographical Indications Registry or place at which hearing will take place according to the official notice.
4. Signature of person giving the notice or of his agent.
5. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indication Registry " See rule 4.

FORM GI-10**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No;
Proprietor's code No:

Fee: Rs.50,000 (See entry No-10 of the First Schedule)

Request for issuance of Registration Certificate Section 16 (1), Rule 53

The Registrar is hereby requested under Section 16 (1) read with rule 53 (1) to issue the registration certificate in respect of application _____ in Class _____.

Dated this day of 20.....

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTER

All the communication relating to this application may be sent to the following address:

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

FORM GI-11**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No;
Proprietor's code No;

Fee: Rs.10,000/-

Application for the registration of an authorised user
Section 17(1), Rule 56(1)

(To be filed in triplicate accompanied by the agreement, if any, between the registered proprietor and the proposed authorised user or duly authenticated copy thereof, and other documents mentioned in rule 56 along with an affidavit setting forth particulars and statements required by rule 56 and with two copies of each of the aforesaid documents)

Application is hereby made by 1 _____ who is (are) the registered proprietor(s) of the geographical indication 2 _____ registered in class _____ in respect of goods _____ and _____ being the proposed authorised user in Part B of the Register of the above mentioned registered geographical indication subject to the following conditions and restrictions.

All communications relating to this proceeding may be sent to the following address in India:—

Dated this day of 20.....

3

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indication Registry.

1. Insert particulars of the registered proprietor.
2. Insert name and address
3. Signature of person giving the notice or of his agent
4. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indication Registry - See rule 4.

FORM GI-12**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No:

Proprietor's code No:

Fee: Rs. 5,000 (See entry No.12 of the First Schedule)**Request for issuance of Registration Certificate as an Authorised User Section 17(3)(g), Rule 59(1)**

The Registrar is hereby requested under Section 17(3)(g) read with rule 59(1) to issue the Authorised User Certificate in respect of application No. _____ for the registered geographical indication _____ under registered No. _____ in Class _____ in Part B of the Register.

Dated this day of 20.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNAORY

IN BLOCK LETTERS

All the communication relating to this application may be sent to the following address:

To

The Registrar of Geographical Indications, The office of Geographical Indications Registry.

FORM GI-13**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No:

Proprietor's Code No:

Fee: Rs. 1,00,000 (See entry No.13 of the First Schedule)**Renewal of registration of geographical indication Section 18(1), Rule 61**

I (or we) 2 hereby leave the prescribed fee of Rs. ...-
..... for renewal of registration of the geographical indication No. in Class. The Notice of renewal of the
registration may be sent to the following address in India: -

Dated this day of 20.....

[3] SIGNATURE

NAME OF SIGNAORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications,

The office of Geographical Indications Registry.

1. Strike out whichever is not applicable.
2. Insert here the name and address of the Registered Proprietor.
3. Signature of the registered proprietor or of his agent.
4. State name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry- See rule

Note— This form will be returned if it is filed more than six months before the expiration of the last registration.

Fee: See entries Nos. 17 to 20 and 22 of the First Schedule.

FORM GI-14**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No:

Proprietor's Code No:

Fee: Rs.5, 000/- plus the applicable renewal fee prescribed in entry Nos. 14 or 35 of the First Schedule.**Restoration of geographical indication or an authorized user removed from the register for non-payment of renewal fee. Section 18 (5) Rule 63.**

I (or we)¹ hereby apply that the geographical indication numbered..... in class be restored to the register and the registration of the said geographical indication in the class aforesaid be renewed, and that the notice of restoration and renewal be sent to the following address in India.

Dated this.....day of 20.....

²

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

³

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

- 1 Insert full name, address and nationality of the registered proprietor.
- 2 Signature of the registered proprietor or of his agent.
- 3 State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry - See rule 4.

FORM GI-15**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No:

Proprietor's Code No:

Fee: Rs.10, 000.00 (See entry No.15 of the First Schedule)

Application for payment of surcharge towards renewal of a geographical indication under proviso to sub-section (4) of section 18.

I (or we) ¹..... the registered proprietor/s hereby made by apply for the renewal of registration of registered geographical indications No..... in class which has expired on and tender the prescribed surcharge in respect thereof and the renewal certificate be sent to the following address in India:-

Dated thisday of 20.....

²

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

- 1 Strike out whichever is not applicable.
- 2 Insert here the full name and address of the Registered Proprietor.
- 3 Signature of the registered proprietor or of his agent
4. State name of the place of appropriate office of the Geographical Indications Registry See rule 4

NB: To be filed along with Form GI-10 and GI-11 together with prescribed fees thereof.

FORM GI-16**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No:

Proprietor's Code No:

Fee: Rs. 1,000.00 (See entry No.16 of the First Schedule)**Request for search under rule 22**

The Registrar is hereby requested under rule 22 to search in class ¹.....in respect of ²..... to ascertain whether any geographical indication are on record which resemble the trade mark sent herewith in triplicate, (each representation being mounted on a sheet of strong paper approximately 33 centimetres by 20 centimetres in size.)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

Dated this.....day of.....20.....

³.....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS
⁴.....

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. The Registrar's direction may be obtained if the class is not known.
2. Here specify the goods (in the class stated) in respect of which the search is to be made.
3. Signature,
4. State the name of the place of the office of the Geographical Indications Registry within whose territorial limits the place stated in the address at 4 is situate.

Foot note:— No fee is payable in cases where the directions of the Central Government for exemption from payment of fee have been obtained.

FORM GI-17**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No:

Proprietor's Code No:

Fee: Rs.500.00 (See entry No.17 of the First Schedule)**Request for correction of clerical error, or for amendment.****Sections 15 and 28**

In the matter of 1..... I (or we)..... being
the [2] applicant (s) Opponent(s) Regd. Proprietor(s) Authorised User(s) in the above matter hereby
request that

the registered proprietor(s)

3 A Copy of the request has been served on the authorised user (s)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India :—

Dated thisday of.....20.....

⁴.....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS
⁵.....

Fee: See Foot note below

To

The Registrar of Geographical Indications,

The office of Geographical Indications Registry —

1. Insert words and reference number identifying the entry or application or opposition
2. Strike out words not applicable
3. Strike out if not applicable
4. Signature
5. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry Sec Rule 4.

Foot note: No fee is, however, payable where the request for correction or amendment is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement.

FORM GI-18**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: Rs. 5000 (Sec entry No. 18 of the First Schedule)

Application for the rectification of the register or the removal of a geographical indication from the register or to expunge or vary the Statement of Case under Rule 32(1) recorded in the Register, section 27 and Rule 65.

(To be filed in duplicate/ triplicate along with the statement of case in duplicate/triplicate and accompanied by as many copies of each of them as there are authorised user(s) under the registration).

In the matter of Geographical Indication No.
 registered in the name of in Class

I (or We) I hereby apply that the entry in the register in respect of the above mentioned Geographical Indication may be (removed)² (rectified) in the following manner:—

The grounds of my (our) application are as follows:—

The Office of the Geographical Indication Registry has been entered in the register as the appropriate office in relation to this geographical indication.

No action concerning the geographical indication in question is pending in any Court

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

Dated this .. . day of20.....

SIGNATURE
 NAME OF SIGNATORY
 IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. State full name, address and nationality. An address for service in India should be stated if the applicant has no place of business or of residence in India.
2. Strike out the word that is not applicable
3. State the name of the place of appropriate office of the Geographical Indication Registry [See rule 4].
4. Signature.

FORM GI-19**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: Rs. 1,000 (Sec entry No. 19 of the First Schedule)

Request for certificate of the Registrar [Section 78(2)].

In the matter of geographical indication No. registered in Class I (or we)² hereby request the Registrar to furnish me (us) with his certificate to the effect that I a certified copy a certificate of the registration of geographical indication for use in obtaining registration in The certificate/certified copy be sent to the following address in India.....

Dated thisday of20.....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

6.....

SIGNATURE
 NAME OF SIGNATORY
 IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. These words may be varied to suit other cases.
2. Strike out words that are not applicable.
3. Set out the particulars which the Registrar is required to certify or state particulars of the document of which a certified copy is required.
4. Insert name, address and nationality of the person making the request.
5. Insert the name of country or state.
6. Signature
7. State the name of the place of the appropriate office of the geographical Indications Registry—See rule 4.

FORM GI-20

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Agent's Code No:.....

Proprietor's Code No:.....

Fee: Rs. 1,000/- (See entry No. 20 of the First Schedule)

Request for alteration of the address of the principal place of business or of residence in India or of the address in the home country abroad in the Register of Geographical Indications are authorised user, Section 28, rule 69.

In the matter of geographical indication No.....registered in Class.....
I/We¹of.....being the registered proprietor/ authorised user of the geographical
indication numbered as above, request that the address of my (our) principal place of business (or residence) in India or
address in my (our) home country abroad in the Register of Geographical Indications be altered to

²The change of address was ordered by.....on theday
of 20..... An officially certified copy of the order is enclosed herewith.

A copy of this request has been served on the registered proprietor/authorised user.

All communications on this request may be sent to the following address in India. Dated this.....day
of20.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications

The office of Geographical Indications Registry.

- 1 Strike out word(s) not applicable.
- 2 Insert the name of the public authority ordering the change and the date thereof.
- 3 Signature of the registered proprietor/authorised user or of his agent.
- 4 State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry (See rule 4).

Foot note:— No fee is however, payable in case the alteration is made as a result of an order of a public authority in India.

FORM GI-21

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Agent's Code No:.....

Proprietor's Code No:.....

Fee: Rs. 1,000 (Sec entries No. 21 of the First Schedule)

Request to enter change of name or description of association of person or producers or any organisation or authority in whose name a geographical indication is registered. Section 28(b).

I (or we) ¹..... hereby request that my (or our) name (s) and description (s) may be entered in the Register of Geographical Indication as ² proprietor (s) authorised user (s) of the geographical indication No 3..... registered in class I am (We are) entitled to ³ the said geographical indication. use the said Geographical Indication as authorised user(s). There has been no change in the actual proprietorships ²/identity of authorised user(s) of the said geographical indication, but ⁴.....

The entry at present standing in the register gives my (or our) name(s) and description (3) as follows:—

⁵ A copy of this request has been served upon the authorised user(s)/proprietor(s)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

Dated this day of 20.....

⁶.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. Insert present name and address of registered proprietor or authorised user.
2. Strike out the words that are not applicable.
3. State the circumstances under which the change or name took place.
4. Strike out if not applicable.
5. Signature of applicant or of his agent.
6. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry. See rule 4

Foot note:— No fee however, payable where the application for alteration or change of name is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement as per law in India.

FORM GI-22

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Agent's Code No:

Proprietor's Code No:

Affidavit (only to be furnished where required by the Act or the rules)

I, of do hereby solemnly and sincerely declare that the particulars set out in the statement of case, exhibit marked and left by me in connection with [2] in respect of the geographical indication No. in class are true and comprise every material fact and document affecting the present proprietorship of the geographical indication, to the best of my knowledge, information and belief.

(3).....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

Declared at.....

this day of 20.....

Before me (4.).....

1. Insert full name; address and nationality of deponent.
2. Insert particulars of the proceedings concerned.
3. To be signed here by the person making the declaration.
4. Signature and title of authority before whom affidavit is taken. In India affidavit may be taken before any Court or person having by law authority to receive evidence or before an officer empowered by a Court to administer oath. Outside India affidavit may be taken before a Diplomatic or Consular Officer within the meaning of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948, of such country or place or before a Notary of the place if the notarial acts done by notaries of the place have been recognised by the Central Government, under Section 14 of the Notaries Act, 1952.

To be stamped under the Law for the time being in force.

FORM GI-23

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Agent's Code No.

Proprietor's Code No.

Fee: Rs. 5,000 (Sec entry No. 23)

Request for expedited certificate of the Registrar [Section 78(1) and 115] Proviso to Rule 89.

In the matter of geographical indication No. registered in Class (1) or we (2) hereby request the Registrar to furnish me (us) with his certificate to the effect that (4) a certified copy (3) a certificate of the registration of geographical indication for use in obtaining registration in (4) The certificate/certified copy be sent to the following address in India (5) Dated this day of 20..... All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

(6).....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications;
The office of Geographical Indications Registry.

1. These words may be varied to suit other cases.
2. Insert name, address and nationality of the person making the request.
3. Strike out words that are not applicable.
4. Set out the particulars which the Registrar is required to certify or state particulars the document of which a certified copy is required.
5. Insert the name of country or State.
6. Signature.

FORM GI-24**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No:

Proprietor's Code No:

Fee: Rs. 1,000 (Sec entries No.24 of the First Schedule)

Request for correction of any error in the name, address or description of the registered proprietor or the authorised user of a geographical indication. Section 28(a)

In the matter of geographical indication No.....registered in class (1) (or we) of being the registered proprietor authorised user (2) of the geographical indication numbered as above request that the (2) address of my (our) principal place of business (2) (or residence) in India or address in my(our) home country abroad in the Register of Geographical Indication be altered to (3) The change of address was ordered by (4) on the day of 20..... An officially certified copy of the order is enclosed herewith.

A copy of this request has been served on the registered proprietor authorised user (2)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

Dated this day of 20.....

(5).....

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical indications Registry.

1. Strike out word(s) not applicable.
2. Strike out if not applicable.
3. Insert the name of the public authority ordering the change and the date thereof
4. Signature of registered proprietor or of his agent, authorised user
5. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry. Sec rule (4).

Foot Note: No fee is however, Payble in case the alteration is made as a result of an order of a public authority in India.

FORM GI-25**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999****Agent's Code No:****Proprietor's Code No:****Fee: Rs. 1000 (See entries No. 25 of the First Schedule)**

Application by registered proprietor of a geographical indication for the cancellation of entry thereof in the register or to strike out any goods or classes of goods from those in respect of which the geographical indication is registered. Section 28 (c) or (d)

In the matter of geographical indication No..... Class.....

Name of registered proprietor

Address as entered in the register.....

Application is hereby made by the aforesaid registered proprietor that the entry in the Register of geographical indication No..... in class may be cancelled.

2A copy of the application has been served on the Authorised User(s)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

Dated this day of 20.....

(3).

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. Strike out whichever is not necessary.
2. Strike out if not applicable.
3. Signature of the registered proprietor or of this agent.
4. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry-Sec rule 4

FORM G I-26

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND
PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No:

Proprietor's Code No:

Fee: Rs. 5000 (See entries No. 26 of the First Schedule)

Application for leave to intervene in proceedings relating to the rectification of the register or the removal of a geographical indication from the register or the cancellation of an authorised user of a geographical indication from the register. Rule 67, 80.

In the matter of the Geographical Indication No..... registered in
the name of in class I (we).....
hereby apply for leave to intervene in the proceedings relating to the rectification or removal of the entry in the register in
respect of the above mentioned geographical indication/additional protection under section 22(2) or cancellation of an
authorised user. My (our) interest in the Geographical Indication.....

All communications relating to this proceeding may be sent to the following address in India:—

.....
.....

Dated this day of 20.....

(2).....

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications

The office of Geographical Indications Registry

1. State full name, address and nationality.
2. Signature
3. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry-See Rule 4

FORM GI-27**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999****Agent's Code No:****Proprietor's Code No:****Fee: 200/-****Request for entry in the register and advertisement of a note of certificate of validity by the Appellate Board under rule 99**

In the matter of geographical indication No.....registered in class
in the name of.....

I or(we) hereby request the Registrar to add to the entry relating to the above numbered geographical indication in the register, and to advertise in the Geographical Indication Journal, a note that in (2)

.....

The Appellate Board certified that the validity of the said registration came into question and was decided in favour of the proprietor of the geographical indication in the terms of accompanying officially certified copy of the certificate of validity.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India :-

Dated this day of20.....

(3)

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. State the name and address of the registered proprietor.
2. State the nature of the proceedings with the names of the parties to them in which the certificate was given.
3. Signature.
4. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indication Registry -See Rule 4

FORM G I-28

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Agent's Code No:

Proprietor's Code No:

Fee: 1,000 (Sec entry 28 of the First Schedule)

Application for the rectification of the register in Part B for the removal of an
authorised user- Section 27, and Rule 65.

(To be filed in duplicate/ triplicate along with the statement of case in duplicate/triplicate)

In the matter of Geographical Indication No. registered in the
name of in Class I (or We) I
..... hereby apply that the entry in the register in respect of the abovementioned authorised
user of registered geographical indication No. may be (removed) 2 (rectified) in the following manner:—

The grounds of my (our) application are as follows:—

The 3-Office of the Geographical Indications Registry has been entered in the register as the appropriate
office in relation to this geographical indication. No action concerning the geographical indication in question is pending
in any Court

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:—

Dated this day of 20

4

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

the office of Geographical Indications Registry.

1. State full name, address and nationality. An address for service in India should be stated if the applicant has no place of business or of residence in India.
2. Strike out the word that is not applicable.
3. State the name of the place of appropriate office of the Geographical Indications Registry-See rule 4
4. Signature

(To appear on the back of this form)

(For use only in case an address for service in India is changed by a public authority, without change of premises).

The change of address for service in India for the entry of which application is made on the other side of this form
was ordered by 1 on the day of 20

An officially certified copy of the order is enclosed herewith.

Dated this day of 20

2

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS

1. Here insert the name of the public authority ordering the change and date thereof.
2. Signature.

Note: If the above statement be made and an officially certified copy of the order by the named authority necessitating the alteration be supplied, the Registrar if satisfied as to the facts of the case will not require any fee to be paid on Form GI-28. [Rule 69(3)]

FORM GI-29**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999****Agent's Code No:****Proprietor's Code No:****Fee: 1000 (See entry 29 of the First Schedule)**

Application for the division of an application made for the registration of a geographical indication in different classes of goods.

Proviso to Section 15 rule 23(7), 82(B)

(To be filed in triplicate accompanied by three additional representation of the geographical indication)

In the matter of Geographical Indication No..... in Class..... in the name of filed on
I (or we)¹ hereby request the Registrar to divide the application No... .. or for the division of the registered
geographical indication No in class..... into or for the division of a single application in
...class/ classes into in the following class or classes² or to divide the specification of goods or services in Class
as indicated below:

A copy of the Registrar order on the request may be sent to the following address in India —

Dated this day of 20.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications-

The office of Geographical Indications Registry.

1. Insert the full name, address and nationality of the applicant.
2. Mention the goods or services and the class or classes in which it is to be registered in ascending numerical order.
3. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry - See rule 4.

FORM GI-30**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No:

Proprietor's Code No;

Fee: 500 (See entry 30 of the First Schedule)**Application for extension of time (not being a time expressly provided in the Act or prescribed by rule)****Section 64 rule 83(1).**

In the matter of¹..... I (or we)².....
 being the in the above matter hereby apply for an extension of time of³ for⁴ on the
 following grounds:—

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20.....

5

SIGNATURE
 NAME OF SIGNATORY
 IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

- 1 Here insert words and reference number identifying the matter in respect of which the application is made.
- 2 State full name and address.
- 3 Insert the period of extension required
- 4 State the purpose for which extension of time is required.
- 5 Signature.
- 6 State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry- See rule 4

FORM GI-31**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No.

Proprietor's Code No.

Fee: 1000 (See entry 31 of the First Schedule)**Application for review of Registrar's decision****Section 60(c) Rule 92**

(To be filed in triplicate together with a statement in triplicate)

In the matter of¹ I (or we)² being the
 in the above matter hereby apply to the Registrar for the review of this decision dated the day of
20..... in the above matter.

The grounds for making this application are set forth in the accompanying statement

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

3.

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. Here Insert the words and reference number identifying the matter in respect the application is made.
2. State full name and address.
3. Signature.
4. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry- See rule.

FORM GI-32**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No:

Proprietor's code No:

Fee: 300 (See entry 32 of the First Schedule)**Request to Registrar for particulars of advertisement of a geographical indication.****Rule 40**

I (or we)¹ hereby request that I (or we) may be informed of the
 number, date and page of the Journal in which the geographical indication sought to be registered under Application
 No. in the name of is advertised.

The information may be sent to the following address in India²

Dated thisday of20.....

3.

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. State full name and address.
2. State only if the address given at² is not of a place in India.
3. Signature.
4. State the name of the place of appropriate office of the Geographical Indications Registry - See rule 4.

FORM GI-33**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's Code No.

Proprietor's Code No.

Fee: Rs. 500 (See entry No. 33)**Request for duplicate or further copy of the certificate of registration /authorised user
rule 55(2)/59(3).**

(If the applicant had furnished a label for advertisement, this Form must be accompanied by one unmounted representation of the geographical indication exactly as shown in the Form of application at the time of registration)

I (or we)¹ request the Registrar to furnish me (us) with 3 duplicate/
further copy of the certificate of registration issued to me (us) under Sub-section (2) of section 16 in respect of my (our)
geographical indication No. registered in class in the Register.

The 2 duplicate/further copy of the certificate may be sent to my (our) following address in India :—

Dated this day of 20.....

3.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

the Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry .

1. Insert the name and address of the registered proprietor.
2. Strike out whichever is not applicable.
3. Signature of the registered proprietor or the authorised user of his agent.
4. State the name of the place of the appropriate office or the Geographical Indications
Registry— See rule 4.

FORM GI-34**THE GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS REGISTRATION
(REGISTRATION AND PROTECTION) Act, 1999.**

Agent's Code No.

Proprietor's Code No

Fee : Rs. 1000.00**Application for extension of time for giving notice of opposition
Section 14(1), 17(3)(c) and 29(2), Rule 41(5)**

In the matter of application No..... in class I(or We)¹ hereby
apply for extension of time of (2)..... for giving notice of opposition to the registration of the geographical
indication or authorised user under the above number in the Geographical Indications Journal dated the day of
..... 20.....

The reasons for taking this application are as follows:—

All communications relating to this application may be sent to the following address in India :

Dated this day of 20.....

SIGNATURE (3).....

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of the Geographical Indication Registry

1. State full name & address.
2. Insert the period of execution required which shall not exceed one month beyond these month from the date
of advertisement or re-advertisement. as the case may be of the application in the Journal.
3. Signature.
4. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry— See rule 4

FORM GI—35**THE GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS REGISTRATION (REGISTRATION AND PROTECTION) Act, 1999.**

Agent's Code No.:
Proprietor's Code No.:

[Fee : Rs. 5000.00 See entry No.35 of the First Schedule]

Renewal of registration of authorized user Section 18(2), rule 60(1)

I (or We) (1) hereby leave the prescribed fee of Rs. for renewal of registration of the authorized user No. in class The notice of renewal of registration may be sent to the following address in India :—

Dated this day of 20.....

Signatured (2).....
 NAME OF SIGNATORY IN
 BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of the Geographical Indications Registry

1 Insert full name and address of the authorized user.

2 Signature of the authorized user or his agent.

3 State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry — See rule 4

Note - This form will be returned if it is filed more than six months before the expiration of the last registration

FORM G—36**THE GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS REGISTRATION (REGISTRATION AND PROTECTION) Act, 1999.**

Agent's Code No.
Proprietor's Code No.

Fee : Rs.1000.00 /- Sec entry No.36 of the First Schedule and footnote below.

Application by registered proprietor under Section 29 for an addition to alteration of a registered geographical indication.

In the matter of geographical indication No. registered in class Application is hereby made by (1) being the registered proprietor (s) of the registered Geographical Indication numbered as above for leave to add or alter the said geographical indication in the following particulars, that is to say (2).

Five copies of the geographical indication as it will appear when altered are filed herewith.

(3) A copy of this application and a copy of the geographical indication as it will appear when so altered has been served on all the authorized user(s)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India :—

Dated this day of 20.....

Signature(4).....
 NAME OF SIGNATORY IN
 BLOCK LETTER

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of the Geographical Indications Registry.

1 Insert name and address of registered proprietor.

2 File in full Particulars.

3 Strike out if not applicable.

Signature of registered proprietor or his agent.

State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry— -Sec rule 4

Footnote: No fee is payable in case the addition to or alteration of the geographical indication is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement

FORM GI—37

**THE GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS REGISTRATION (REGISTRATION AND PROTECTION)
Act, 1999**

Agent's Code No.

Proprietor's Code No.

Fee : Rs. 5,00,000.00 [see entry No. 37 of the First Schedule]

Application for additional protection for certain goods, Section 22(2), rule 77(1)

I (or We) (1) being the registered proprietor of the geographical indications
..... in class hereby apply for additional protection under Section 22(2) of
the Act

The statement of case required to be submitted under rule 77(1) is enclosed with.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India : —

Dated this day of 20

Signature(2).....

NAME OF SIGNATORY IN
BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of the Geographical Indications Registry.

- 1 State the full name & address.
- 2 Signature.
- 3 State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry — See rule 4

FORM GI—38

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND
PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No.

Proprietor's code No.

Fee: Rs. 5,000.00 (See entry No. 38)

Application for registration as a Geographical Indications Agent, Rule 107

(To be filed in triplicate)

Fee : Rs. 5000.00

I beg to apply for registration as a trade marks agent under THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION AND PROTECTION) RULES, 2001

1 A certificate of character from..... is enclosed herewith.

I, hereby declare that I am not subject to any of the disabilities stated in clauses (i), (ii), (iii), (iv), (v) and (vi) of rule
105 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Rules, 2001 and that the information given
below is true to the best of my knowledge and belief.

1. Name in full beginning with surname if any (in capital letters).....
2. Address of the place of residence.....
3. Principal place of business.....

4. Father's name
5. Nationality
6. Date and place of birth
7. Occupation in full
8. Particulars of qualifications for registration as a Geographical Indications Agent
9. Whether at any time removed from the Register of Geographical Indications Agent and if so the reason for such removal

Dated this day of 20.....

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
BLOCK LETTER

To

The Registrar of Geographical Indications,

The office of Geographical Indications Registry.

1. The certificate testifying to the character of the candidate should be from a person not related to the candidate and being a District Magistrate, a Chief Presidency Magistrate or the Chief Administrative Officer of the District where the candidate usually resides, or from any other person whom the Registrar may consider fit.
2. Either original diplomas, certificates and other documents in support of qualifications claimed, or copies thereof duly attested by a magistrate, a notary public or a J. P. must be sent with the application.
Particulars such as the amount of experience in the Geographical Indications Registry or with a commercial firm of repute, may be specified.
3. State the name of the place of the appropriate office of Geographical Indications Registry. (See rule 4).

FORM GI—39

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Agent's code No.

Proprietor's code No.

Fee : Rs. 5,000 (See entry No.39 of the First Schedule)

• Request for issuance of Certificate as a Geographical Indications Agent Rule 109

The Registrar is hereby requested under rule 109 to issue the certificate as a Geographical Indication Agent as the applicant has become eligible and qualified to be a Geographical Indications Agent.

All communication relating to this request may be sent to the following address in India.

Dated this day of 20.....

SIGNATURE
NAME OF APPLICANT
IN BLOCK LETTER

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry

FORM GI—40**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No.

Proprietor's code No.

Fee : Rs. 5,000 (See entry 40 of First Schedule)

Request for continuance of name in the Register of Geographical Indications Agent Rule 110

The Registrar is hereby requested under rule 110 to issue a continuance of the name in the Register of Geographical Indication Agent for the period fromto

All communication relating to this request may be sent to the following address in India.

Dated thisday of 20

SIGNATURE
NAME OF APPLICANT
IN BLOCK LETTER

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry

FORM GI-41**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999**

Agent's code No.

Proprietor's code No.

Fee : Rs. 5,000 plus continuance fee under (See entry No. 41).

Application for the restoration of the name of a person to the Register of Geographical Indications Agent (Rule 113)**(To be filed in triplicate)**

I I of hereby apply for the restoration of my name to the Register of Geographical Indication Agents in which my name was entered under No. My name was removed on under rule 113 of the Geographical Indication of goods Rules, 2000.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India :—

Daied thisday of20

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry

See rule 113-

FORM GI—42

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Agent's code No.

Proprietor's code No.

Fee : Rs. 500/-

Application for an alteration of an entry in the Register of Geographical Indications Agent (Rule 114)

(To be filed in triplicate)

I 1.....of..... being a registered Geographical indication Agent (Registration No.,) hereby request that my 2 name, address of the place of residence address of the principal place of business or qualifications entered in the Register of Geographical Indications Agent may be altered as follows:—

All communications relating to this application may be sent to the following address in India: :—

Dated this..... day of.....20.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY IN

BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. Insert name and address in full.
2. Strike out words not applicable.
3. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Intication Registry.

FORM G 1-43

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Agent's code No.

Proprietor's code No.

Form of Authorisation of Agent in a matter or proceeding under the Act (Section 76 and rule 20)

I (or we) hereby authorise 2
of to act as my (or our) agent for 3
and request that all notices, requisitions and communications relating thereto may be sent to such agent at the above address.

I (or we) hereby revoke all previous authorisations, if any, in respect of the proceeding.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of.....20.....

4.....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY

IN BLOCK LETTERS

To

The Registrar of Geographical Indications.

The office of Geographical Indications Registry.

1. Insert full name, address and nationality. See rule 16.
2. Insert full name and address of agent (legal practitioner, registered geographical indications agent or a person in the sole and regular employment of the person appointing the agent).
3. State the particular matter or proceeding for which the agent is appointed giving the reference number if known.
4. To be signed by the person appointing the agent.
5. State the name of the place of the appropriate office of the Geographical indication -Registry - See rule 4-

To be stamped under the Law for the time being in force.

THE THIRD SCHEDULE**Forms to be used by the Registrar****LIST OF FORMS**

Form No.		Title
0-1	Section 16(3)	: Notice of non-completion of registration
0-2	Rule 55(1)	: Certificate of registration of geographical indication
0-3	Rule 61	: Notice of expiration of last registration.
0-4	Rule 102	: Certificate of registration of a person as a geographical indications agent.
0-5	Rule 55(1)	: Notice of expiration of last registration of an authorised user.

FORM 0-1

**GOVERNMENT OF INDIA
GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND
PROTECTION) ACT, 1999**

Notice of non-completion of registration

No.

Notice is hereby given as required by section 16(3) that the registration of the geographical indication, in respect of which application numbered as above was made on the day of 20..... has not been completed by reason of default on the part of the applicant. Unless registration is completed within twenty-one days from the date of this notice, the application will be treated as abandoned.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20.....

Registrar of Geographical Indications

To

FORM 0-2

**GOVERNMENT OF INDIA GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND
PROTECTION) ACT, 1999**

Certificate of registration of geographical indication under Section 16(1)

Geographical Indication No.

Date.

Certified that the Geographical Indication of which a representation is annexed hereto, has been registered in the register-in the name of in Class..... under No..... as of the date in respect of

Sealed at my direction this:..... day of 20.....

Registrar of Geographical Indication

Registration is for 10 years from the date first above-mentioned and may then be renewed for a period of 10 years, and also at the expiration of each period of 10 years thereafter.

This certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

FORM 0-3
GOVERNMENT OF INDIA
GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND
PROTECTION) ACT, 1999

Notice of expiration of last registration Section 18(4) Certificate of registration as
Geographical Indication Agent

Registered geographical indication No.....

Class.....

Notice is hereby given as required in section 18(4) of the GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999 that the registration of the aforesaid geographical indication will expire on..... and that the registration can be renewed for a further period of ten years on receipt in the Geographical Indication Registry of an application of the enclosed Form GI- 13 accompanied by prescribed fee of Rs. 1,00,000 on or before the said date.

Dated this.....day of20.....

Registrar of Geographical Indication

FORM 0-4
GOVERNMENT OF INDIA
GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND
PROTECTION) ACT, 1999

Certificate of registration as Geographical Indication Agent
Rule-109

No.:

This is to certify that

.....

of

was registered on thisday of 19..... in the Register of Geographical indication Agent maintained under rule-102 of Geographical Indication of Goods (Registration and Protection) Rules, 2001.

Registrar of Geographical Indications

FORM 0-5
GOVERNMENT OF INDIA
GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND
PROTECTION) ACT, 1999

Notice of expiration of last registration under section 18(4)

Registered authorised user No.

Notice is hereby given as required under section 18(4) of the GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999 that the registration of the aforesaid authorised user will expire on..... and that the registration can be renewed for a further period of ten years on receipt in the Geographical Indication Registry of an application in the enclosed Form GI 35 accompanied by the prescribed fee of Rs. 5,000 on or before the said date.

Dated.....day.....2000-.....

Registrar of Geographical Indications

THE FOURTH SCHEDULE**Classification of goods— Name of the classes**

(Parts of an article or apparatus are in general, classified with the actual article or apparatus, except where such parts constitute articles included in other classes).

- Class 1. Chemical used in industry, science, photography, agriculture, horticulture and forestry; unprocessed artificial resins, unprocessed plastics; manures, fire extinguishing compositions; tempering and soldering preparations; chemical substances for preserving foodstuffs; tanning substances; adhesive used in industry.
- Class 2. Paints, varnishes, lacquers; preservatives against rust and against deterioration of wood; colorants; mordants; raw natural resins; metals in foil and powder form for painters; decorators; printers and artists.
- Class 3. Bleaching preparations and other substances for laundry use; cleaning; polishing; scouring and abrasive preparations; soaps; perfumery, essential oils, cosmetics, hair lotions, dentifrices.
- Class 4. Industrial oils and greases; lubricants; dust absorbing, wetting and binding compositions; fuels (including motor spirit) and luminants: candles, wicks.
- Class 5. Pharmaceutical, veterinary and sanitary preparations: dietetic substances adapted for medical use, food for babies; plasters, materials for dressings; materials for stopping teeth, dental wax; disinfectants; preparation for destroying vermin: fungicides, herbicides.
- Class 6. Common metals and their alloys; metal building materials: transportable buildings of metal: materials of metal for railway tracks, non-electric cables and wires of common metal, ironmongery, small items of metal hardware-pipes and tubes of metal; safes; goods of common metal not included in other classes. ores
- Class 7. Machines and machine tools: motors and engines (except for land vehicles), machine coupling and transmission components (except for land vehicles); agricultural implements other than hand-operated, incubator for eggs.
- Class 8. Hand tools and implements (hand-operated): cutlery side arms; razors.
- Class 9. Scientific, nautical- surveying, electric, photographic, cinematographic optical, weighing, measuring, signalling, checking (supervision), life saving and teaching apparatus and instruments; apparatus for recording, transmission or reproduction of sound or images; magnetic data carriers, recording discs, automatic vending machines and mechanisms for coin-operated apparatus; cash registers, calculating machines, data processing equipment and computers; fire extinguishing apparatus.
- Class 10. Surgical, medical, dental and veterinary apparatus and instruments, artificial limbs, eyes and teeth; orthopaedic articles; suture materials.
- Class 11. Apparatus for lighting, heating, steam generating, cooking, refrigerating, drying ventilating, water supply and sanitary purposes.
- Class 12. Vehicles; apparatus for locomotion by land, air or water
- Class 13. Firearms; ammunition and projectiles; explosives; fire works.
- Class 14. Precious metals and their alloys and goods in precious metals or coated therewith, not included in other classes; jewellery, precious stones; horological and other chronometric instruments.
- Class 15. Musical instruments.
- Class 16. Paper, cardboard and goods made from these materials, not included in other classes; printed matter; book-binding material; photographs; stationery; adhesives for stationery or household purposes; artists' materials; paint brushes; typewriters and office requisites (except furniture); instructional and teaching material (except apparatus); plastic materials for packaging (not included in other classes); playing cards; printers' type; printing blocks.
- Class 17. Rubber, gutta percha, gum, asbestos, mica and goods made from these materials and not included in other classes; plastics in extruded form for use in manufacture: packing, stopping and insulating materials; flexible pipes, not of metal.
- Class 18. Leather and imitations of leather, and goods made of these materials and not included in other classes; animal skins- hides, trunks and travelling bags; umbrellas; parasols and walking sticks; whips, harness and saddlery.
- Class 19. Building materials, (non-metallic), non-metallic rigid pipes for building; asphalt; pitch and bitumen; non-metallic transportable buildings; monuments, not of metal.

- Class 20. Furniture mirrors, picture frames; goods(not included in other classes) of wood, cork, reed, cane, wicker, horn, bone ivory, whalebone, shell, amber, mother-of-pearl, meerschaum and substitutes for all these materials or of plastics
- Class 21. Household or kitchen utensils and containers) not of precious metal or coated therewith); combs and sponges; brushes(except paints brushes); brush making materials; articles for cleaning purposes; steelwool; unworked or semi-worked glass (except glass used in building); glassware, porcelain and earthenware not included in other classes.
- Class 22. Ropes, string, nets, tents, awnings, tarpaulins, sails, sacks and bags (not included in other classes) padding and stuffing materials except of rubber or plastics); raw fibrous textile materials
- Class 23. Yarns and threads, for textile use
- Class 24. Textiles and textile goods, not included in other classes; bed and table covers.
- Class 25. Clothing, footwear, headgear
- Class 26. Lace and embroidery, ribbons and braid; buttons, hooks and eyes, pins and needles; artificial flowers
- Class 27. Carpets, rugs, mats and matting, linoleum and other materials for covering existing floors; wall hangings(non-textile)
- Class 28. Games and playthings, gymnastic and sporting articles not included in other classes; decorations for Christmas trees
- Class 29. Meat, fish, poultry and game; meat extracts; preserved, dried and cooked fruits and vegetables; jellies, jams, fruit sauces; eggs, milk and milk products; edible oils and fats
- Class 30. Coffee, tea, cocoa, sugar, rice, tapioca, sago, artificial coffee; flour and preparations made from cereals, bread, pastry and confectionery, ices; honey, treacle; yeast, baking powder; salt, mustard; vinegar, sauces, (condiments); spices: ice
- Class 31. Agricultural, horticultural and forestry products and grains not included in other classes; live animals; fresh fruits and vegetables: seeds, natural plants and flowers: foodstuffs for animals, malt
- Class 32. Beers, mineral and aerated waters, and other non-alcoholic drinks: fruit drinks and fruit juices; syrups and other preparations for making beverages
- Class 33. Alcoholic beverages(except beers)
- Class 34. Tobacco, smokers' articles, matches

THE VTH SCHEDULE

Scale of costs allowable in Rule 91 proceedings before the Registrar

Entry No.	Matter in respect of which costs to be awarded	Amount
1.	For one day's hearing involving examination of witnesses	Rs.1000
2.	For one day's hearing when there is no examination of witnesses	Rs. 500
3.	For adjournment of hearing granted on the petition of any party.	Rs. 500 plus cost of resummoning the other parties' witness who were due to be examined on the day
4.	For striking out scandalous matter from an affidavit	Rs. 200
5.	For attendance of witnesses - Subsistence allowance... Travelling allowance...	Rs-500 (vide not below) fare by rail or steamer for the first or the second class each way and if there is no rail or steamer communication Rs 5 or 2.50 per km. depending upon the rank and status of the witness.

Note: the rates of subsistence allowance and travelling allowance for witness shall vary according to the status of the witness subject to the maximum prescribed above.

[F. NO. 14 (1) /2000-PP& C]

A. E. AHMAD, Jt. Secy.